आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, शनिवार
10 मई 2025
वर्ष: 38, अंक: 158
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विशेष गाड़ियों का परिचालन करें : रेल मंत्री

झारखंड

बालूमाथ कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित 17 वीं सलाहकार समिति की बैठक सपन्न

हज़ारीबाग

गैर मजरुआ खास जमीन की खरीद-बिक्री पर लगी रोक हटाना झारखंड हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला: पुर्व सांसद

कायर पाकिस्तान ने भारत के जवाबी हमले से बचने के लिए नागरिक विमानों को बनाया था ढाल

दिल्ली ब्यूरो

दिल्ली: गुरुवार की शाम देश की पश्चिमी सीमा पर लंबे समय तक ड्रोन और मिसाइलों से पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले पर विदेश मंत्रालय ने आज प्रेस कॉन्फ्रेन्स की। इसमें सेना की तरफ से आज भी कर्नल सोफिया कुरैशी ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुरुवार को पाकिस्तान ने इस कायराना हरकत के लिए नागरिक विमानों को ढाल बनाया था। ताकि जवाबी कार्रवाई करने में भारत को परेशानी हो। प्रेस कॉन्फ्रेन्स को संबोधित करते हुए कर्नल कुरैशी ने बताया कि हमले के दौरान पाकिस्तान ने अपने नागरिक विमानों का संचालन बंद नहीं किया था।

कुरैशी ने बताया कि पाकिस्तान की तरफ से जब यह हमला किया गया था, उस समय कराची और लाहौर जैसे बड़े शहरों में पैसेंजर प्लेन उड़ान भर रहे थे, जिससे आम नागरिकों की जान जानबूझकर जोखिम में डाली गई। दरअसल, नागरिक विमानों को ढाल बनाने के पीछे पाकिस्तान की ऐसी रणनीति थी कि जवाबी कार्रवाई में अगर कोई नागरिक विमान जद में आ जाता है तो अंतराष्ट्रीय मंचों पर रोना रोकर भारत को बदनाम करें कि उसने सिविल विमानों को निशाना बनाया है।

36 जगहों पर हमले की कोशिश : कुरैशी ने बताया कि पाकिस्तान ने गुरुवार की देर शाम कुल 36 जगहों पर हमले की कोशिश की थी, जिसे हमारी सेना ने नाकाम कर दिया। इस दौरान 300 से 400 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में इन हमलों में तुर्की के ड्रोन का इस्तेमाल करने की बात सामने आई है। उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना ने इस हमले का तत्काल जवाब देते हुए एक ड्रोन काउंटर अटैक किया, जिसमें पाकिस्तान की सर्विलांस रडार प्रणाली को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया।

भारतीय वायुसेना की प्रतिक्रिया बहुत सीमित : उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना की प्रतिक्रिया बहुत सीमित थी। कुरैशी ने ये भी बताया कि पाकिस्तान की सेना को इस जवाबी कार्रवाई में भारी नुकसान हुआ है और यह उसके सैन्य अभियान के लिए एक बड़ा झटका है। सेना की तरफ से कहा गया है कि पाकिस्तान ने भले ही आम नागरिकों को निशाना बनाया था लेकिन भारतीय सुरक्षाबलों ने इस पूरी कार्रवाई के दौरान संयम बरता और जवाबी हमले को सीमित रखा। ताकि आम नागरिकों को नुकसान न हो। उन्होंने बताया कि इस रक्षात्मक और संवेदनशील रुख की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना की जा रही है।

पाक की कार्रवाई उकसावे वाली: मिसरी

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने भी संवाददाताओं को संबोधित किया और बताया कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ उकसावे वाली सैन्य कार्रवाई करते हुए कंधार, उरी, पुंछ, राजौरी, अखनूर और उधमपुर जैसे एलओसी से सटे क्षेत्रों में गोलाबारी की है। उन्होंने बताया कि इस हमले में भारतीय सुरक्षाबलों को कुछ नुकसान हुआ और चोटें पहुंची हैं, हालांकि जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना को भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। मिस्री ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा बीती रात की गई यह भड़काऊ और तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाइयां न केवल भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर केंद्रित थीं, बल्कि भारतीय शहरों और नागरिक बुनियादी ढांचे को भी लक्ष्य बनाया गया

दूसरी ओर पाकिस्तान की ओर से भारत के खिलाफ कल रात कई भड़काऊ और आक्रामक कार्रवाइयां की गईं। इस दौरान भारतीय शहरों और नागरिक बुनियादी ढांचे के अलावा सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया, 'पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा पर भारी कैलिबर के हथियारों से भी गोलीबारी की। 36 स्थानों पर घुसपैठ की कोशिश करने के लिए लगभग 300 से 400 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। ड्रोन के मलबे की फोरेंसिक जांच की जा रही है। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि वे तुर्की असिसगार्ड सोंगर ड्रोन हैं।'

पाकिस्तान की ओर से किए हमलों को नाकाम करने के लिए भारत ने एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल प्रणाली, बराक-8 मिसाइल, सतह से हवा में मार करने वाली आकाश मिसाइल और डीआरडीओ की ड्रोन रोधी तकनीकों का इस्तेमाल किया। सूत्रों ने बताया कि भारत की ओर से 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाए जाने के बाद पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर मिसाइलें दागकर तनाव बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन उसे विफल कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में 9 आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। ऑपरेशन सिंदूर के तहत बहावलपुर को भी निशाना बनाया गया, जिसे आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ माना जाता है।

असिसगार्ड सोंगर ड्रोन तुर्की की असिसगार्ड कंपनी की ओर से डेवलप किए गए हैं। यह सशस्त्र मानवरहित हवाई वाहन (UAV) है, जिसे तुर्की सशस्त्र बलों के लिए डिजाइन किया गया था। यह क्वाडरोटर ड्रोन कम ऊंचाई पर ऑपरेट करता है। साल 2019 में इस्तांबुल के IDEF में इसे प्रदर्शित किया गया था। सोंगर को दिन या रात के मिशनों, टारगेट की पहचान, खतरे को निष्प्रभावी करने और रियल-टाइम इमेज ट्रांसमिशन के लिए कारगर माना जाता है। इसकी अधिकतम उड़ान ऊंचाई 2,800 मीटर और ऑपरेशनल रेंज 10 किलोमीटर है। सोंगर विभिन्न हथियारों से लैस है, जिसमें 5.56×45mm NATO मशीन गन (200 राउंड), 40mm ग्रेनेड लॉन्चर और 81mm मोर्टार शामिल हैं। साल 2022 में इसमें लेजर-गाइडेड मिनी-मिसाइल सिस्टम भी जोड़ा गया था।

भारत-पाक तनाव के बीच झारखंड में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ी निगरानी

संवाददाता द्वारा

बोकारो: भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद उत्पन्न हालात के मद्देनजर झारखंड में भी सुरक्षा को लेकर पुलिस-प्रशासन सहित सार्वजनिक एवं निजी संस्थानों की सभी एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों, एयरपोर्ट, औद्योगिक प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों पर पेट्रोलिंग और निगरानी बढ़ा दी गई है। सरकारी और निजी क्षेत्र के कार्यालयों-वर्कशॉप के लिए एडवाइजरी जारी की गई है और सभी कर्मचारियों को आपात स्थिति में बचाव के उपायों से अवगत कराया गया है।

रांची के सदर अनुमंडलाधिकारी के आदेश पर शहर के कई महत्वपूर्ण जगहों पर निषेधाज्ञा लागू की गई है। सीएम आवास, हाईकोर्ट, विधानसभा, एचईसी, प्रोजेक्ट भवन और नेपाल हाउस सहित कई प्रमुख स्थानों के आसपास 4 जुलाई या अगले आदेश तक निषेधाज्ञा लागू रहेगी।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी का नाम बदलने पर सियासत तेज

संवाददाता द्वारा

रांची: डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी का नाम बदलने को लेकर प्रदेश की राजनीतिक सियासत शुरू हो गई है. इस मामले को लेकर भाजपा ने सरकार पर निशाना साधा है. भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने कहा कि यह निर्णय न केवल एक देशभक्त महापुरुष का अपमान है, बल्कि राज्य के आदिवासी नायकों के सम्मान के साथ भी एक निष्ठाहीन खिलवाड़ है. उन्होंने सरकार पर परिवारवाद का आरोप लगाया और कहा कि जेएमएम को न तो देश की चिंता है और न ही झारखंड के आत्मसम्मान की परवाह.अजय साह ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर सरकार में सच में हिम्मत है और आदिवासी सम्मान की बात करती है, तो मयूराक्षी नदी पर बने शिबू सोरेन पुल का नाम बदलकर वीर बुद्धू भगत के नाम पर कर दिखाए.

भाजपा प्रवक्ता ने मांग की कि अगर जेएमएम वास्तव में वीर बुद्धू भगत का सम्मान करती है, तो यूनिवर्सिटी का नाम बदलने का फैसला तुरंत वापस ले. भाजपा प्रवक्ता ने सरकार के इस कदम को 'राजनीतिक नौटंकी' करार दिया और कहा कि यह निर्णय राज्य के आदिवासी नायकों के सम्मान के साथ खिलवाड़ है.

झारखंड कांग्रेस ने तिरंगा यात्रा निकाल भारतीय सेना का बढ़ाया हौसला

विशेष संवाददाता द्वारा

रांची: 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष सैलानियों को धर्म पूछकर मार देने की घटना के बाद भारतीय सेना द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर को समर्थन, आतंकवाद के मुद्दे पर देश की एकता और बॉर्डर पर लड़ रहे जवानों की हौसलाआफजाई के लिए शुक्रवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से रांची में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई. पार्टी कार्यालय से परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक तक के लिए निकाली गई झारखंड कांग्रेस की इस यात्रा में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, रामगढ़ विधायक ममता देवी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए. आतंकवादियों के समूल खात्मे और पाकिस्तान पर की गई भारतीय सेना की कार्रवाई के समर्थन में सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसियों ने भारत माता की जय और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे भी लगाए. तिरंगा यात्रा के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि भारतीय सेना ने हमारे देशवासियों का मस्तक ऊंचा किया है. इसके लिए भारतीय सेना पर हमें गर्व है. पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या का बदला लेने के लिए सैनिकों ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर जिस तरह से आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया है, वह तारीफ के काबिल है. केशव महतो ने कहा कि आतंकवाद को प्रश्रय देने वाले देश या व्यक्ति के खिलाफ किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई का कांग्रेस पार्टी समर्थक करती है. उन्होंने कहा कि पूरे देश की जनता सेना के साथ खड़ी है. आतंकवाद को जड़ से नेस्तनाबूद करने में केंद्र सरकार के हर निर्णय में कांग्रेस साथ खड़ी है.

उन्होंने कहा कि देश पर जब-जब संकट का दौर आया, तब-तब भारतीय सेना ने अपने साहस और शौर्य से देश पर मंडराते खतरे को दूर किया और भारत माता के मस्तक को गर्व से ऊंचा किया है. उन्होंने कहा आज भी भारतीय सेना संयम के साथ पाकिस्तानी सेना को जवाब दे रही है. भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था, लेकिन पाकिस्तान द्वारा नागरिक इलाकों पर हमले किए जा रहे हैं जो उनकी कायरता का परिचायक है. केशव महतो कमलेश ने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की.

वहीं तिरंगा यात्रा में शामिल पूर्व मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि भारतीय सेना की कार्रवाई से देशवासियों के बीच जोश और उत्साह का माहौल है. तिरंगा यात्रा के माध्यम से हम अपनी बहादुर सेना के साथ अपनी एकजुटता प्रदर्शित करते हैं. उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने हमेशा से अपने शौर्य और साहस से पूरी दुनिया में अपनी एक अलग पहचान कायम किया है. इस नाजुक मौके पर देश का हर नागरिक सेना के साथ खड़ी है.

वहीं स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि हम देश और सेना के साथ हैं. बिना किसी भेदभाव के कांग्रेस हमेशा से देश के साथ रही है. देश के सम्मान में, सेना का मनोबल को ऊंचा रखने के लिए, तिरंगे की शान में हमने यह तिरंगा यात्रा निकाली है. हम चाहते हैं कि आतंकवाद और आतंकवादियों का पूरी तरह से खात्मा हो.

वहीं ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा सैनिकों को साथ और समर्थन देने के लिए निकाली गई है. यह सैनिकों को सम्मान देने का माध्यम है. जिस मजबूती से हमारे वीर सैनिक देश के लिए लड़ रहे हैं उसके लिए पूरा देश उनके साथ खड़ा है. जिन सैनिकों या आम नागरिकों की शहादत हो गई है हम उन्हें नमन करते हैं. वह सैनिक बधाई के पात्र हैं जो तमाम खतरों के बावजूद दृढ़ता के साथ खड़े हैं.

कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार बालमुचू ,पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जयशंकर पाठक, झारखंड राज्य आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान, झारखंड राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य शमशेर आलम, ज्योति मथारू, प्रादेश महासचिव राकेश सिन्हा, प्रदेश मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी, अमूल्य नीरज खलको, सुरेंद्र सिंह, विनय सिन्हा दीपू ,राजेश गुप्ता आलोक दुबे, कुमार राजा, डॉ राकेश किरण महतो, किशोर शाहदेव, अमरेंद्र सिंह, सोनाल शांति, कमल ठाकुर, एम तौसीफ, यशस्विनी सहाय, कुमार राजा, अभिलाष साहू, राजन वर्मा, सत्यनारण सिंह, जितेंद्र त्रिवेदी, सूर्यकांत शुक्ला, जगदीश साहू, मनोज कुमार, निरंजन पासवान, रश्मि पिंगुआ, राजेश चंद्र राजू सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल थे.

रांची से 2.34 करोड़ का डोडा बरामद, बंद घर में किया गया था डंप

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची: नशे के तस्करों के खिलाफ रांची पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. डीआईजी सह रांची एसएसपी चदंन कुमार सिन्हा को गुप्त सूचना मिली थी. सूचना के आधार पर रांची के नामकुम इलाके में कार्रवाई की गई. इस दौरान 103 बोरा अफीम डोडा बरामद किया गया है. डोडा की बाजार कीमत दो करोड़ से अधिक बताई जा रही है.

एसएसपी को मिली थी सूचना: अफीम तस्करों के खिलाफ रांची पुलिस के द्वारा लगातार बड़ी कार्रवाई की जा रही है. इसी कड़ी में नामकुम इलाके से अफीम डोडा की एक बड़ी खेप पकड़ी गई है. रांची के नामकुम थाना क्षेत्र के सिंगरसराय गांव के पीड़ी टोला स्थित पानी टंकी के पास एक घर में भारी मात्रा में अवैध डोडा (पोस्ता फल) डंप करके रखा गया था. सूचना मिलने पर एसएसपी के द्वारा हेडक्वार्टर डीएसपी वन अमर पांडेय के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर अविलंब आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया था.

मिली सूचना पर पुलिस मकान के पास पहुंची, जहां घर में ताला बंद था. जिसके बाद पुलिस की टीम ने गांव के मुखिया से बंद मकान के मालिक की पहचान करवाई और मकान मालिक को स्थानीय मुखिया के सहयोग से घर आकर ताला खोलने का अनुरोध किया गया, लेकिन मकान मालिक नहीं आया. जिसके बाद स्थानीय मुखिया के समक्ष प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी के आदेश के आलोक में घर का ताला तोड़कर विधिवत तलाशी ली गई. तलाशी के क्रम में प्लास्टिक के बोरे में कुल 103 बोरा (कुल वजन 1560 किग्रा) में अवैध डोडा बरामद किया गया.

दो करोड़ 34 लाख का डोडा: डीआईजी सह एसएसपी रांची ने बताया की जब्त डोडा का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 2 करोड़ 34 लाख है. पूरे घटनाक्रम के संबंध में नामकुम थाना कांड संख्या 158/25, धारा 15/18 (b) 22 (c)/25/29 NDPS Act के अंतर्गत मकान मालिक सह अभियुक्त नामकुम थाना अंतर्गत सिंगरसराय निवासी जेगे मुंडा पिता स्व लादुरा मुंडा और अन्य संलिप्त आपूर्तिकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ किया गया है.

4 लाख रुपये लेवी के लिए माओवादियों ने मशीन और गाड़ियों में लगाई थी आग

क्राइम संवाददाता द्वारा

लातेहार: जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत तुरीसोत गांव के पास जंगल में बोरिंग मशीन और गाड़ियों में आग लगाए जाने की घटना का खुलासा लातेहार पुलिस ने कर दिया है. इस घटना को अंजाम नक्सलियों ने दिया था. पुलिस ने इस घटना में नक्सलियों को सहयोग करने वाले चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है. लेवी नहीं मिलने पर घटना को अंजाम दिया गया था.

दरअसल, 2 मई 2025 को चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत तुरीसोत गांव के निकट जंगल में माओवादियों ने खनिज सर्वे कंपनी की 6 गाड़ियों समेत दो बोरिंग मशीन जला दी थी. मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस के बड़े अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया था. इसके बाद मामले की छानबीन के लिए बालूमाथ डीएसपी विनोद रवानी, चंदवा थाना प्रभारी रणधीर कुमार, बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित की गई थी. लातेहार एसपी कुमार गौरव खुद भी मामले की अपने स्तर से बारीकी से छानबीन कर रहे थे.

इस दौरान पुलिस को पता चला कि इस घटना को नक्सली कमांडर मनोहर गंझू के नेतृत्व में दिया गया था. घटना को अंजाम देने में चंदवा थाना क्षेत्र के रहने वाले चार लोगों ने नक्सलियों को पूरा सहयोग दिया था. सहयोगियों ने नक्सलियों को पुलिस की गतिविधि की भी जानकारी दी थी. इसके अलावा नक्सलियों के खाने-पीने और ठहरने की भी व्यवस्था सहयोगियों के द्वारा की गई थी. इस मामले में पुलिस ने नक्सलियों को सहयोग करने वाले अरुण गंझु, गोविंद गंझू, सतीश गंझू और राजकुमार भगत को गिरफ्तार कर लिया है.

इधर, इस संबंध में लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बताया कि नक्सलियों ने सर्वे कंपनी से प्रति बोरिंग 2 लाख रुपये लेवी की मांग की थी. कंपनी के द्वारा दो बोरिंग मशीन लगाकर सर्वे का काम किया जा रहा था. इस प्रकार नक्सलियों ने चार लाख रुपये की मांग की थी. लेवी के लिए ही नक्सलियों ने इस घटना को अंजाम दिया था. एसपी ने बताया कि मामले में नक्सलियों को सहयोग करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. जिनसे पूछताछ के दौरान यह पता चला कि गिरफ्तार लोगों के द्वारा नक्सलियों को इस घटना में पूरा सहयोग दिया गया था.

एसपी कुमार गौरव ने चेतावनी देते हुए कहा कि जो भी नक्सली बचे हुए हैं, वह आत्मसमर्पण कर दें. आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सरकारी प्रावधान के तहत सुविधा भी प्रदान की जाएगी. लेकिन जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं करेंगे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

भारत ने आठ हजार से ज्यादा एक्स अकाउंट्स को ब्लॉक करने का दिया आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान में जंग जैसे हालात के बीच भारत सरकार ने देश को लेकर फैलाई जा रही भ्रामक सूचना पर सख्त कदम उठाया है। बताया जा रहा है सरकार ने कई एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट्स को ब्लॉक करने का निर्णय लिया है। प्रारम्भिक जानकारी के मुताबिक, भारत के बारे में भ्रामक सूचनाएं फैलाने वाले एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट्स के खिलाफ सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। भारत सरकार ने आठ हजार से ज्यादा एक्स अकाउंट्स को बंद करने का आदेश दिया है। अभी विस्तृत विवरण का इंतजार है और इसकी पुष्टि होना बाकी है।

अगले 5 दिनों तक कई राज्यों में बारिश और गरज के साथ बौछारें, एनसीआर में ओलावृष्टि और बिजली गिरने की चेतावनी

नई दिल्ली । भारत मौसम विज्ञान विभाग ने जानकारी दी है कि देश के उत्तर-पश्चिमी और मध्य हिस्सों में आने वाले पांच दिनों तक गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना बनी हुई है। इसके तहत कई राज्यों के लिए मौसम से जुड़ी चेतावनियां जारी की गई हैं, जिनमें दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। 9 मई को दिल्ली में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस दिन तेज गरज के साथ बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी दी गई है। इसके साथ ही बिजली गिरने का भी खतरा जताया गया था। 10 मई को मौसम आमतौर पर बादलों से घिरा रहेगा और हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री रहने की संभावना है। 11 मई को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और तापमान 37 डिग्री अधिकतम और 27 डिग्री न्यूनतम रहने की संभावना है। इसके बाद 12 से 15 मई तक मौसम साफ और आंशिक रूप से बादलों से युक्त रहेगा। तापमान इस दौरान अधिकतम 37-38 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री के आसपास रहेगा। मौसम विभाग ने 11 मई तक असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मणिपुर जैसे पूर्वोत्तर राज्यों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में भारी बारिश, गरज और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। स्थानीय प्रशासन और मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और जब तक आवश्यक न हो, घर से बाहर न निकलें।

राहुल गांधी ने अमेरिकी रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट को नए पोप चुने जाने पर दी बधाई

नई दिल्ली । अमेरिकी धर्मगुरु रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट को गुरुवार को नया पोप चुन लिया गया है। वो अमेरिका से पोप बनने वाले पहले कार्डिनल हैं। दो दिनों तक चली गहन चयन प्रक्रिया के बाद प्रीवोस्ट को पोप लियो XIV के रूप में चुना गया। नए पोप के चयन की घोषणा के साथ ही वेटिकन में सेंट पीटर्स स्क्वायर पर हजारों की भीड़ ने उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। कई वैश्विक नेताओं ने भी प्रीवोस्ट के नेतृत्व में चर्च के प्रगतिशील भविष्य की उम्मीद जताई है। वहीं कांग्रेस नेता ने उन्हें बधाई दी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्ट को पोप लियो XIV के रूप में चुने जाने पर हार्दिक बधाई। उनके नेतृत्व में शांति, करुणा और मानवता की सेवा को बढ़ावा मिलेगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर वैश्विक कैथोलिक समुदाय को मेरी शुभकामनाएं। शिकागो में जन्मे 69 वर्षीय प्रीवोस्ट, ऑगस्टिनियन ऑर्डर के सदस्य थे और इन्होंने पेरू में बड़े पैमाने पर सेवा की थी। वह साल 2023 से बिशप के लिए डिकास्टरी के प्रीफेक्ट और लैटिन अमेरिका के लिए पोंटिफिकल कमीशन के अध्यक्ष थे। उन्हें पोप फ्रांसिस द्वारा पदों पर नियुक्त किया गया था, जिन्होंने उन्हें कार्डिनल के रूप में पदोन्नत किया था। वह लियो XIV का पोंटिफिकल नाम लेंगे।

पाकिस्तान नहीं संभला तो कांच की तरह टूट कर बिखर जाएगा : संदीप दीक्षित

नई दिल्ली । पाकिस्तान की ओर से भारत पर हो रहे हमले पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास मौका है कि वह संभल जाए नहीं तो वह कांच के गिलास की तरह टूट कर बिखर जाएगा। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि पाकिस्तान इतने प्रहार सहने के बाद भी जिद्दी बना हुआ है, लेकिन मुझे लगता है कि यह उनका आखिरी प्रयास है। पाकिस्तान ने आतंकवाद को समर्थन देने के लिए लापरवाह कदम उठाया। पहलगाम में इसकी शुरुआत हुई। इसकी जवाबी कार्रवाई भारत की ओर से दी गई। लेकिन उसके बाद भी पाकिस्तान को लगा कि वे अपने लोगों को दिखाने के लिए कुछ बातें कर सकते हैं। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि हम उनकी हर कोशिश को बार-बार विफल कर देंगे। पाकिस्तान पर भारत की जवाबी कार्रवाई पर संदीप दीक्षित ने कहा कि एक बात मैं कहूंगा कि पाकिस्तान हमें बार-बार उकसाता है, लेकिन यह सराहनीय है कि हमारी प्रतिक्रिया हमेशा संतुलित और नियंत्रित होती है। हम केवल उनकी बातों का जवाब देते हैं, जैसा कि वे कहते हैं, नहले पे दहला। लेकिन सच्चाई यह है कि हम उन्हें दहले पे दहला दे रहे हैं, क्योंकि अगर हम अपनी सैन्य ताकत, अपनी आर्थिक ताकत, अपने राष्ट्र के निर्माण और अपनी एकता पर विचार करे।

पहलगाम हमला ही था असल उकसावा, झूठ और भ्रामक दावे कर रहा पाकिस्तान : भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने कहा कि पाकिस्तान लगातार पहलगाम हमले और उसके बाद के घटनाक्रम पर झूठ बोल रहा है। भारत स्पष्ट करना चाहता है कि पहलगाम ही पहले उकसावे की घटना थी। इसी के जवाब में भारत ने आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाते हुए सटीक और संयमित कार्रवाई की है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मंत्रालय में एक स्पेशल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमने केवल आतंकी ढांचे को निशाना बनाया है। अगर पाकिस्तान आगे कोई हमला करता है तो जवाबी कार्रवाई के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा।÷ उन्होंने स्पष्ट किया कि पहलगाम हमला एक सोची-समझी उकसावे की कार्रवाई थी, जिसमें लश्कर ए तैयबा आतंकी संगठन से जुड़े 'द रजिस्टेंस फ्रंट' की भूमिका सामने आई है। हालांकि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र के पहलगाम हमले पर जारी होने वाले बयान से इस संगठन का नाम हटवाया, जबकि संगठन ने शुरुआत में अपनी भूमिका स्वीकार की थी।

विदेश सचिव मिस्री ने पाकिस्तान की ओर से पूरे घटनाक्रम पर फैलाए जा रहे झूठ और भ्रम से जुड़े दावों को बेनकाब किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान हमले के बाद से ही निष्पक्ष जांच कराए जाने की बात करता आ रहा है, लेकिन मुंबई और पठानकोट जैसे आतंकी हमलों पर ठोस सबूत देने के बावजूद भी आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। पाकिस्तान के भारत के हमले में निर्दोष नागरिकों के मारे जाने के दावे का उन्होंने खंडन किया। उन्होंने कहा कि ऐसी तस्वीरें सामने आ रही है जहां आतंकियों को 'शहीद' बताकर महिमामंडित किया जा रहा है। वहीं कल पाकिस्तान ने भारत के निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया। कल के सीमापार से किए गए हमले में 16 भारतीय नागरिकों की जान गई है जिसमें 5 महिलाएं और 3 बच्चे हैं। विदेश सचिव ने स्पष्ट किया कि भारत ने किसी धार्मिक स्थल पर नहीं, बल्कि आतंकवाद की पनाहगाह पर कार्रवाई की थी। पाकिस्तान द्वारा जिस मस्जिद को निशाना बनाने की बात कही जा रही है, वह एक आतंकी प्रशिक्षण केंद्र था। दूसरी ओर कल पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में गुरुद्वारे पर हमला किया। इससे उसकी नीयत पर सवाल खड़े हो रहे हैं।उन्होंने सिंधु जल संधि का भी उल्लेख किया और इसपर पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे झूठ का खंडन किया। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि का मुद्दा हमले के बाद नहीं उपजा है। भारत ने बीते दो वर्षों से संधि के नियम और शर्तों के अनुरुप पुनःवार्ता (री-नेगोसिएशन) के लिए नोटिस दिया है। छह दशकों यहां तक कि युद्धकाल में भी भारत ने इस संधि का सम्मान किया। बावजूद इसके पाकिस्तान कानूनी प्रक्रिया में उलझाकर भारत के अधिकार की नदियों पर भी परियोजनाओं का विरोध करता रहा है। मिस्री ने यह भी स्पष्ट किया कि जलवायु परिवर्तन, तकनीकी और जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण संधि में बदलाव समय के अनुसार जरूरी हो गया है, लेकिन पाकिस्तान इससे भाग रहा है– जो कि सीधे तौर पर संधि के प्रस्तावना का उल्लंघन है।

ओटीटी प्लेटफार्म से सभी पाकिस्तानी कंटेंट हटाने के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत ने पाकिस्तान पर डिजिटल स्ट्राइक करते हुए ओटीटी प्लेटफार्म पर चल रहे उनके वेबसीरीज, डिजिटल सामग्री को तुरंत बंद करने करने के निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रहित में ओटीटी प्लेटफार्म से सभी तरह के पाकिस्तानी कंटेंट हटा दिया जाए। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर किया गया है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जारी निर्देश में कहा कि भारत में हुए कई आतंकी हमलों में पाकिस्तान स्थित सरकारी और गैर-सरकारी तत्वों हाथ रहा है। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में भारत में संचालित सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म, मीडिया स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म को सलाह दी जाती है कि वे पाकिस्तान से आने वाली वेब-सीरीज, फिल्में, गाने, पॉडकास्ट और अन्य स्ट्रीमिंग मीडिया सामग्री को तत्काल प्रभाव से बंद कर दें, चाहे वे सदस्यता आधारित मॉडल पर ही क्यों न उपलब्ध हों ।मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के तहत

आचार संहिता का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी सामग्री को प्रदर्शित करने से पहले विवेक और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा जाना चाहिए। ऐसी सामग्री जो भारत की संप्रभुता और अखंडता को प्रभावित करती हो और जो राज्य की सुरक्षा को खतरे में डालती हो उसे सोशल मीडिया पर दिखाने से बचना चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने की भाजपा प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने निर्वाचन सदन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में पार्टी नेताओं के साथ बातचीत की। भाजपा प्रतिनिधिमंडल में नड्डा के साथ केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह, भाजपा केन्द्रीय अनुशासन समिति के सदस्य सचिव ओम पाठक शामिल थे। यह बातचीत निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के अध्यक्षों के साथ की जा रही बातचीत का एक हिस्सा है।

चुनाव आयोग ने इस मुलाकात की पृष्ठभूमि

बताते हुए कहा कि यह संवाद लंबे समय से महसूस की जा रही आवश्यकता को पूरा करते हैं, जिससे राष्ट्रीय और राज्य पार्टी अध्यक्ष अपने

सुझाव और चिंताओं को सीधे आयोग के साथ साझा कर सकते हैं। यह पहल सभी हितधारकों के साथ मौजूदा कानूनी ढांचे के अनुसार चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत बनाने के आयोग के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की गई हैं, जिनमें सीईओ द्वारा 40 बैठकें, डीईओ द्वारा 800 बैठकें और ईआरओ द्वारा 3879 बैठकें शामिल हैं। इन बैठकों में विभिन्न राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

ईरान के विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। इस्लामिक गणराज्य ईरान के विदेश मंत्री डॉ. अब्बास अराघची ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने पहलगाम आतंकवादी हमलों के बाद एकजुटता और करुणा के संदेश के लिए ईरान को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस यात्रा से भारत-ईरान द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे।

राष्ट्रपति भवन के अनुसार, राष्ट्रपति भवन में डॉ. अराघची का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के विशेष अवसर पर हो रही है। भारत और ईरान के बीच संबंध हजारों साल पुराने हैं। कला और संस्कृति के हर पहलू में, चाहे वह भाषा और साहित्य हो या संगीत और भोजन, हम एक-दूसरे की विरासत की झलक देख सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंध नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की मजबूत नींव पर बने हैं। इन 75 वर्षों में भारत और ईरान के बीच संबंध विविध क्षेत्रों में बढ़े हैं चाहे वह सांस्कृतिक सहयोग हो, व्यापार और ऊर्जा साझेदारी हो या क्षेत्रीय और वैश्विक मंचों पर रणनीतिक समन्वय हो। दोनों देशों ने न केवल दीर्घकालिक मित्रता बनाए रखी है, बल्कि क्षेत्रीय शांति और समृद्धि के लिए मिलकर काम भी किया है। उन्होंने चाबहार बंदरगाह की पूरी क्षमता का उपयोग करने में दोनों पक्षों

के बीच चल रहे सहयोग का स्वागत किया। राष्ट्रपति ने पहलगाम आतंकवादी हमलों के बाद एकजुटता और करुणा के संदेश के लिए ईरान को धन्यवाद भी दिया। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि इस यात्रा से भारत-ईरान द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे।

देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा कड़ी, सभी यात्रियों की बोर्डिंग से पहले होगी अतिरिक्त जांच

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की वर्तमान सुरक्षा स्थिति को देखते हुए नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने भारत के सभी हवाई अड्डों और एयरलाइनों को सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश जारी किए हैं। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, अब हर यात्री को उड़ान में सवार होने से पहले सेकेंडरी लैडर पॉइंट चेक (एसएलपीसी) से गुजरना अनिवार्य होगा। यह प्रक्रिया बोर्डिंग गेट पर अंतिम जांच सुनिश्चित करती है ताकि किसी भी संभावित खतरे को रोका जा सके। साथ ही, हवाई अड्डों के टर्मिनल भवनों में विजिटर्स के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय से जुड़े सूत्रों ने बताया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एयर मार्शलों की तैनाती भी की जाएगी ताकि किसी भी अप्रत्याशित गतिविधि पर

तुरंत कार्रवाई की जा सके। इस आदेश के बाद देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पूर्व अतिरिक्त समय लेकर एयरपोर्ट पहुंचे और आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखें। वहीं, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो के निर्देश के तहत एयर इंडिया, आकासा एयर समेत कई एयरलाइनों ने यात्रियों के लिए नई यात्रा सलाह (ट्रैवल एडवाइजरी) जारी की है। एयर इंडिया ने अपने आधिकारिक ट्वीट में कहा, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा उपायों को सख्त करने के आदेश के मद्देनज़र, सभी यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी निर्धारित उड़ान के कम से कम 3 घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचें, ताकि चेक-इन और बोर्डिंग की प्रक्रिया सुगम बनी रहे। उड़ान से 75 मिनट पहले चेक-इन काउंटर बंद कर दिया जाएगा। वहीं, आकासा एयर ने भी एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी करते हुए कहा, बढ़ी हुई सुरक्षा जांच को ध्यान में रखते हुए, कृपया उड़ान से 3 घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचें। प्रवेश के लिए सरकारी मान्यता प्राप्त फोटो पहचान पत्र अपने साथ रखें। चेक-इन बैगेज के अलावा, केवल एक हैंडबैग (अधिकतम 7 किलोग्राम) की अनुमति होगी। सभी यात्रियों को बोर्डिंग से पहले द्वितीय सुरक्षा जांच से गुजरना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, इंडिगो और स्पाइटजेट ने भी यात्रा संबंधी सलाह जारी करते हुए कहा है इन असाधारण समय में यात्रियों से अनुरोध है कि वे सुरक्षा जांच और अन्य औपचारिकताओं के लिए अतिरिक्त समय दें। हम आपकी समझदारी और सहयोग की सराहना करते हैं।

ब्राजील ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बातचीत की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की। दोनों नेताओं ने भारत-ब्राजील द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में कहा कि ब्राजील के राष्ट्रपति सिल्वा ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया और भारत के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ समर्थन और एकजुटता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति लूला को उनकी संवेदनाओं के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने भारत-ब्राजील द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता

दोहराई। प्रधानमंत्री ने इस वर्ष ब्रिक्स की ब्राजील की सफल अध्यक्षता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

भारत वैश्विक शांति में विश्वास रखता है : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत ने हमेशा वैश्विक शांति, बंधुत्व और कल्याण में विश्वास किया है। उन्होंने हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कौटिल्य के दर्शन को कर्म में उतारा है। कौटिल्य की विचारधारा शासन का एक ग्रंथ है, जो राज्य संचालन, सुरक्षा, और राजा की भूमिका जो विश्वास रखते हैं। शक्ति और शासन के मूलभूत सिद्धांतों पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि शक्ति को उसकी सीमाओं से परिभाषित किया जाता है। लोकतंत्र तब ही पोषित

कहा कि लोकतंत्र तब फलता-फूलता है जब अभिव्यक्ति और संवाद एक-दूसरे के पूरक होते हैं। यही लोकतंत्र को अन्य शासन प्रणालियों से अलग करता है। भारत में लोकतंत्र केवल संविधान के लागू होने या विदेशी शासन से स्वतंत्र होने के बाद शुरू नहीं हुआ। हम हज़ारों वर्षों से लोकतांत्रिक भावना के साथ जीते आ रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली में अपने आवास पर इंडिया फाउंडेशन के कौटिल्य फेलोज़ से संवाद करते अब निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं हर पहलू को समाहित करता है। उन्होंने कहा कि आज के बहुध्रुवीय विश्व में, जहां गठबंधन लगातार बदलते रहते हैं, कौटिल्य ने पहले ही यह कल्पना की थी। उन्होंने कौटिल्य को उद्धृत करते हुए कहा– 'पड़ोसी राज्य शत्रु होता है और शत्रु का शत्रु मित्र होता है।' कौन-सा देश इस बात को भारत से बेहतर जानता है? हम सदैव वैश्विक शांति, वैश्विक बंधुत्व और वैश्विक कल्याण में होता है जब हम शक्ति की सीमाओं को समझते हैं। यदि आप कौटिल्य की दर्शन में गहराई से जाएं तो पाएंगे कि यह सब अंततः जनकल्याण पर केंद्रित होता है, यही सुशासन का अमृत है। धनखड़ ने कहा, कौटिल्य ने कहा, राजा की प्रसन्नता उसकी प्रजा की प्रसन्नता में है। यदि आप किसी भी लोकतांत्रिक देश का संविधान देखें, तो पाएंगे कि यही दर्शन लोकतांत्रिक शासन और मूल्यों की आत्मा है।

विदेश मंत्री की विश्व नेताओं से बातचीत की, कहा- आतंकवाद पर समझौता नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनावपूर्ण हालात के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर आज सक्रिय रूप से विश्व नेताओं के साथ संपर्क में हैं। भारत ने दोहराया है कि वह अपने कदमों में संयम बरत रहा है, लेकिन किसी भी प्रकार की उकसावे की कार्रवाई का कड़ा जवाब दिया जाएगा।यूरोपीय संघ की विदेश और सुरक्षा नीति प्रमुख काजा कैलास के साथ बातचीत में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, भारत ने अब तक संयमित और जिम्मेदार रुख अपनाया है। हालांकि, किसी भी तरह की वृद्धि का कड़ा जवाब मिलेगा। कैलास ने 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले की निंदा करते हुए कहा कि 'आतंकवाद का कोई औचित्य नहीं हो सकता' और यूरोपीय संघ स्थिति को सामान्य करने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करेगा।

इसके अलावा, जयशंकर ने इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी से भी बातचीत की। उन्होंने अपने समकक्ष

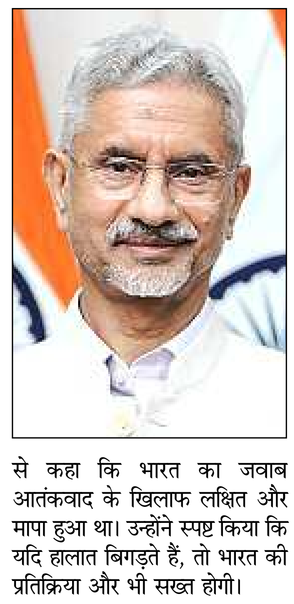

से कहा कि भारत का जवाब आतंकवाद के खिलाफ लक्षित और मापा हुआ था। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि हालात बिगड़ते हैं, तो भारत की प्रतिक्रिया और भी सख्त होगी।

सेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री को पाकिस्तानी मिसाइलें मार गिराने की जानकारी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करके उन्हें देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर पाकिस्तान के मिसाइल हमले को विफल करने की जानकारी दी। पीएम मोदी को बताया गया कि रूस से मिली शक्तिशाली एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली का पहली बार उपयोग करके भारत पर हमला करने की कोशिश करने वाली पाकिस्तानी मिसाइलों को मार गिराया गया भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की। पीएम मोदी और सेना प्रमुख की यह महत्वपूर्ण बैठक भारतीय रक्षा मंत्रालय की ओर से यह घोषणा किए जाने के कुछ घंटों बाद हुई है कि उसने देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर पाकिस्तान के मिसाइल हमले को विफल कर दिया है। सेना प्रमुख बैठक के लिए पीएम के आवास पर पहुंचे। उन्हें बताया गया कि 7-8 मई की रात पाकिस्तान ने उत्तरी और पश्चिमी भारत में स्थित कई सैन्य ठिकानों जैसे अवंतीपोरा,

श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नाल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री को जानकारी दी गई कि भारत ने मानवरहित विमान प्रणाली ग्रिड (यूएएस ग्रिड) और वायु रक्षा प्रणाली का उपयोग करके? भारत के कई शहरों पर हमला करने के प्रयास को विफल कर दिया। इन हमलों का मलबा कई स्थानों से बरामद हुआ, जो पाकिस्तानी हमलों का प्रमाण है। भारत ने शक्तिशाली एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली का उपयोग करके भारत पर हमला करने की कोशिश करने वाली पाकिस्तानी मिसाइलों को मार गिराया। आज सुबह भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में कई स्थानों पर एयर डिफेंस रडार और सिस्टम को निशाना बनाया। भारत की प्रतिक्रिया भी पाकिस्तान की ही तरह उसी तीव्रता से रही है। इस दौरान लाहौर में एयर डिफेंस सिस्टम को निष्क्रिय कर दिया गया है। रक्षा मंत्रालय ने आज ही एक बयान में कहा है कि पाकिस्तान ने एलओसी के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी, पुंछ, मेंढर और राजौरी सेक्टरों में मोर्टार और भारी कैलिबर आर्टिलरी का उपयोग करते हुए नियंत्रण रेखा पर अपनी अकारण गोलीबारी की तीव्रता बढ़ा दी है। पाकिस्तानी गोलीबारी के कारण 16 निर्दोष लोगों की जान चली गई है, जिनमें 3 महिलाएं और 5 बच्चे शामिल हैं।

दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों की बढ़ाई गई सुरक्षा, लाल किला और कुतुब मीनार के बाहर अतिरिक्त बलों की तैनाती

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बाद देश भर में सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों की सुरक्षा दिल्ली पुलिस ने बढ़ाई है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने लाल किला और कुतुब मीनार के पास सुरक्षा में इजाफा करते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की है। पुलिस के मुताबिक, एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है, और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, आमतौर पर ऐतिहासिक इमारतों के बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहती है, लेकिन बॉर्डर पर तनाव देखते हुए दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में भी सुरक्षा को और बढ़ाया गया है। बता दें कि दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं और इसी के चलते दिल्ली पुलिस की तरफ से एहतियात के तौर पर यह कदम उठाया गया है।

भारतीय सेना के अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान सशस्त्र बलों ने 8 और 9 मई की मध्यरात्रि को पूरे पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य हथियारों का उपयोग करके कई हमले किए। पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर कई बार संघर्ष विराम उल्लंघन (सीएफवी) का भी सहारा लिया। भारतीय सेना ने एक बयान में कहा कि ड्रोन हमलों को प्रभावी ढंग से खदेड़ दिया गया और सीएफवी को मुंहतोड़ जवाब दिया गया। भारतीय सेना राष्ट्र की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय सेना ने कहा कि सभी नापाक इरादों का बलपूर्वक जवाब दिया जाएगा। भारत ने गुरुवार रात को जम्मू, पठानकोट, उधमपुर और कुछ अन्य स्थानों पर सैन्य स्टेशनों पर हमला करने की पाकिस्तानी सेना की कोशिश को नाकाम कर दिया। नई दिल्ली की जवाबी कार्रवाई में न केवल ड्रोन और मिसाइलें नष्ट हुईं, बल्कि इस्लामाबाद के एयरबॉर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम विमान को भी मार गिराया गया, जो पाकिस्तान की हवाई निगरानी और युद्धक्षेत्र समन्वय क्षमताओं के लिए एक बड़ा झटका है।

संक्षिप्त समाचार

थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर लगाया गया रक्तदान शिविर: निर्मल जैन

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। 8 मई को अंतरराष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन द्वारा थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों एवं रक्त की कमी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए मई माह का पांचवा रक्तदान शिविर ,शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में आयोजित किया गया ।शिविर का उद्घाटन एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्लड मैन निर्मल जैन के द्वारा किया गया शिविर का शुभारंभ दिल्ली से पधारे भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश के सिख प्रकोष्ठ के अध्यक्ष आरपी सिंह एवं नविद्र सिंह द्वारा किया गया, दोनों अपने ननिहाल में आकर रक्तदान कर काफी खुशी महसूस की ,तत्पश्चात् श्रेयांश जेय , नियमित रक्तदाता भैया सायन कुमार, मोहम्मद हासिम ,रंजीत कुमार रंजन (9वीं वार), एसके सिंह, कृष्णा कुमार ,राहुल यादव, रविंद्र कुमार, रौनक राज, विजय कुमार एवं सत्येंद्र जायसवाल आदि रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया। श्रेयांश जेय ने प्रथम बार रक्तदान कर आनंद की अनुभूति की ,भविष्य में भी रक्तदान करने का आश्वासन दिया ।एक गर्भवती महिला को ओ नेगेटिव रक्त की आवश्यकता थी ,उन्हें रंजीत कुमार रंजन ने रक्तदान करके मदद की ,रक्तदान के पश्चात वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन ने समस्त रक्त दाताओं के उज्जवल भविष्य की? कामना करते हुए ,उनके इस नेक कार्य के लिए बहुत-बहुत साधुवाद किया, साथ ही रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। थैलेसीमिया के रोग से बचने के लिए सरकार को सभी वयस्कों को शादी से पहले मुफ्त थैलेसीमिया जांच की सुविधा उपलब्ध करनी चाहिए ,जिससे माइनर थैलेसीमिया पीड़ितों की जोड़ी न बने। शिविर को सफल बनाने में वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन ,सदस्यगणएवं तय मेडिकल कॉलेज के टेक्नीशियन एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर में बन रहे अतिरिक्त बजगृह एवं अभिलेखागार के निर्माण कार्य का अवलोकन किया

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। उपायुक्त नैन्सी सहाय के द्वारा कोषागार के बजगृह से संलग्न एक अतिरिक्त बजगृह के निर्माण के साथ-साथ निदेशक, कोषागार एवं सांस्थिक वित्त निदेशालय, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 175 दिनांक 30.04.2025 के आलोक में निर्मित होने वाले अभिलेखागार के निर्माण कार्य का अवलोकन किया गया। अवलोकन के क्रम में बजगृह निर्माण कार्य के उपरी तल्ले में होने वाले जिला पेंशन एवं लेखा कार्यालय के निर्माण कार्य का अनुमोदन दिया गया। उल्लेखनीय है कि वित्त विभागीय संकल्प संख्या 2049 दिनांक 29.07.2022 के द्वारा जिला भविष्य निधि कार्यालय को पुनर्नामित एवं पुनर्गठन करते हुए जिला पेंशन एवं लेखा कार्यालय के रूप में नामित करते हुए निदेशित किया गया है कि जिला पेंशन एवं लेखा कार्यालय द्वारा ही जिला स्तर पर पेंशन, लेखा, भविष्य निधि एवं राष्ट्रीय बचत संबंधी सभी कार्यों का निष्पादन किया जाना है।

वर्तमान आवंटित स्थान में तीन कार्यालयों के समायोजन होने से संचिकाओं एवं आवश्यक सामग्री का रख-रखाव के साथ-साथ पदस्थापित एवं प्रतिनियुक्त कर्मियों को कार्य करने में उत्पन्न होने वाली कठिनाई एवं सेवानिवृत/वृद्ध अंशदाताओं को वर्तमान कार्यालय के तृतीय तल्ला पर रहने के कारण संबंधित पेंशनरों को आने जाने में उत्पन्न होने वाली कठिनाई को देखते हुए उपायुक्त एवं जिला पेंशन एवं लेखा पदाधिकारी-सह-कोषागार पदाधिकारी द्वारा व्यक्तिगत रूचि लेते हुए उक्त निर्माण कार्य का स्वयं अवलोकन करते हुए उक्त कार्य को त्वरित गति से संपादित करने हेतु संबंधी संवेदक को निर्देश दिया गया।

38 डिग्री टेंपरेचर में चिलचिलाती धूप के बीच सांसद मनीष जायसवाल ने किया बरही विधानसभा क्षेत्र का तूफानी दौरा

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल लगातार अपने दैनिक दिनचर्या में आले सुबह से लेकर मध्य रात्रि त तक अपने लोकसभा क्षेत्र के जनता के बीच बने रहते हैं। शुक्रवार को चिलचिलाती धूप के बीच 38 डिग्री टेंपरेचर में सांसद मनीष जायसवाल ने बरही विधानसभा क्षेत्र का तूफानी दौरा किया। इस दौरान चौपारण के दो महायज्ञ अनुष्ठान के पूर्णाहुति में शामिल हुआ और पदमा में एक युवक युवक की दुर्घटना में आकस्मिक निधन पर उनके बीच पहुंचे एवं क्षेत्र के कई व्यक्तियों के लिए पारिवारिक और मांगलिक कार्यक्रमों में शरिक हुए।

चौपारण के विशनपुर और केंदुआ में महायज्ञ के पूर्णाहुति में हुए शामिल

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल शुक्रवार को बड़ी विधानसभा क्षेत्र के दौरे के क्रम में चौपारण प्रखंड अंतर्गत झापा पंचायत के ग्राम विशुनपुर में आयोजित 09 दिवसीय श्री दुर्गा देवी प्राण प्रतिष्ठा एवं नव चण्डी महायज्ञ और जगदीशपुर पंचायत के ग्राम केंदुआ में आयोजित 11 दिवसीय श्री श्री 1008 श्री महारुद्र यज्ञ सह शिव प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के पूर्णाहुति समारोह सह भंडारे में शामिल हुए और यज्ञ मंडप की परिक्रमा के साथ मंदिरों में माथा टेककर क्षेत्र की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना ईश्वर से की। इस दौरान दोनों महायज्ञों के आयोजन समिति द्वारा सांसद मनीष जायसवाल का अंग- वस्त्र भेंटकर एवं फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। सांसद मनीष जायसवाल को तपती दोपहर की प्रचण्ड गर्मी में अपने बीच पाकर क्षेत्रवासियों में अद्भुत उत्साह और श्रद्धा का भाव दिखा। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि धार्मिक अनुष्ठान यज्ञ के आयोजन की विशेष महत्ता है। ऐसे आयोजनों से धार्मिक चेतना जागृत होता है साथ ही सामाजिक एवं सांस्कृतिक रूप से भी हम समृद्ध होता है। इन महायज्ञों के माध्यम से चौपारण क्षेत्र में धार्मिक कर्मकांड, भजन- कीर्तन और कथा- प्रवचन से भक्ति एवं आस्था की बयार बही और लोगों का तन, मन और क्षेत्र का वातावरण शुद्ध हुआ। सांसद मनीष जायसवाल ने लोगों से अपील किया कि यज्ञ के दौरान जो अच्छी और प्रेरक जानकारी आपको प्राप्त हुई उसे अपने जीवन में आत्मसात कर दैनिक दिनचर्या के अमल में ज़रूर लाए तभी यज्ञ के आयोजन की सार्थकता पूरी होगी । इसी दौरान सांसद मनीष जायसवाल चौपारण भाग- 1 के जिला परिषद सदस्य सह भाजपा के वरिष्ठ नेता राकेश रंजन के आवासीय परिसर चौपारण प्रखंड के बेढ़ना पंचायत स्थित ग्राम सबैया पहुंचे और यहां इस क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं संग चाय के साथ संवाद हुआ। तत्पश्चात चौपारण प्रखंड अंतर्गत ग्राम झापा निवासी भाजपा कार्यकर्ता बिंदेश्वर नायक की सुपुत्री के शादी समारोह में शामिल होने उनके निवास पहुंचे एवं बिटिया रानी को शादी पूर्व आशीर्वाद दिया साथ ही ईश्वर से उसके सुखमय दाम्पत्य जीवन की कामना भी की।

मौके पर ये गणमान्य लोग रहें मौजूद

सांसद मनीष जायसवाल के दौरे के क्रम में पदमा में हजारीबाग के जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता, स्थानीय जिप सदस्य बसंत नारायण मेहता, स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि विजय मेहता, पप्पू मेहता, छोटू मेहता, आजसू नेता संजय मेहता, मनीष कुमार, सुधीर मेहता, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, चौपारण दौरे के क्रम में जिप सदस्य राकेश रंजन, भाजपा नेता मुकुंद साव, पूर्वी मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी, गुरुदेव गुप्ता, रंजीत चंद्रवंशी, प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा अशोक प्रजापति प्रभु चंद्रवंशी,रिशु वर्णवाल, रोहित जैन, ग्राम विशनपुर में आयोजित यज्ञ के अध्यक्ष रामचलितर राणा, सचिव शशि सिंह, कोषाध्यक्ष कैलाश साव, उपाध्यक्ष रामबृक्ष राणा, उप सचिव मनोज सिंह, उपकोषाध्यक्ष रक्षोपाल राणा और सक्रिय सदस्य दसरथ साव, पप्पू ठाकुर, मुकेश राणा, चंद्रशेखर सिंह, धन्नु साव, बिरेन्द्र राणा, राधेश्याम राणा, रामदेव गुप्ता, बबलू राणा, आदित्य ठाकुर और ग्राम केंदुआ में आयोजित यज्ञ के अध्यक्ष तुलसी साव, सचिव लव कुमार पंडित, कोषाध्यक्ष महावीर यादव, उपाध्यक्ष कैलाश पांडेय, उपसचिव चंदन कुमार यादव, उप कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चंद्रवंशी, संरक्षक विनय कुमार पांडेय सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

पदमा के नावाडीह निवासी पॉकलेन हेल्पर का आसाम के गुवाहाटी में हुआ आकस्मिक निधन, जानकारी पाकर सांसद पहुंचे शोकाकुल परिवारजनों के बीच

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बरही विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पदमा प्रखंड स्थित ग्राम नावाडीह निवासी पॉकलेन हेल्पर विकास कुमार मेहता (उम्र करीब 24 साल) के आसाम के गुवाहाटी में एक कंपनी के साइट पर कार्य के दौरान आकस्मिक निधन की बेहद दुःखद सूचना प्राप्त होते ही सांसद मनीष जायसवाल तत्काल पदमा के दाउजीनगर में उनके शोकाकुल परिवारजनों के बीच पहुंचे और उन्होंने घटना की पूरी विस्तृत जानकारी ली। मृतक पॉकलेन हेल्पर के दो मासूम बिटिया हैं। यहां समाज के लोगों के बीच मृतक के परिवारजनों को मुआवजा दिलाने के प्रयास को लेकर सांसद मनीष जायसवाल ने वार्ता की। उचित मुआवजा दिलाने का कोशिश में उन्होंने सकारात्मक पहल किया। ज्ञात हो कि चार दिन पहले ही इनका निधन हुआ था जिसके बाद शुक्रवार की सुबह शव पदमा पहुंचा है और शव आने के साथ क्षेत्र ने शोक की लहर दौड़ पड़ी है। सांसद मनीष जायसवाल ने ईश्वर से मृतक के आत्मा को शांति और शोकाकुल परिवारजनों को इस विकट दुःख से उबरने का अदम्य साहस प्रदान करने की कामना भी किया।

अन्नदा कॉलेज में गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर की 164 वीं जन्म जयंती धूमधाम से संपन्न

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। अन्नदा महाविद्यालय के लिटरेरी सोसाइटी ,बांग्ला विभाग तथा CSECA के संयुक्त तत्वावधान मैं गुरुदेव रवींद्रनाथ नाथ टैगोर की 164 वीं जन्म जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर नीलमणि मुखर्जी, प्रोफेसर इंचार्ज डॉ सुभाष कुमार एवं अन्य शिक्षकों द्वारा गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद बांग्ला विभाग के राजश्री राय ने सभा में उपस्थित सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अन्नदा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ नीलमणि मुखर्जी ने गुरुदेव के बहुआयामी व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को उनसे प्रेरणा लेने की बात कही और यह भी कहा कि गुरुदेव की रचनाएं आज भी प्रासंगिक है। प्रोफेसर इंचार्ज प्रोफेसर सुभाष कुमार ने भी गुरुदेव के विशिष्ट व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला एवं उनसे प्रेरणा लेने की बात कही। इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ बंशीधर प्रसाद रूखैयार ने नैतिक मूल्यों पर बात करते हुए यह कहा कि हमें देश भक्ति और नैतिकता गुरुदेव से सीखना चाहिए।

इस विशेष अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। सामाजिक विस्तार एवं सांस्कृतिक गतिविधि की समन्वयक डॉ रत्ना चटर्जी द्वारा रवींद्र संगीत प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय के सुरजीत दास ने भी रवींद्र संगीत प्रस्तुत किया। महाविद्यालय की छात्रा तनिष्का सोनल राय, संस्कृति रंजन, श्वेता कुमारी, चंदन कुमार, सौम्या त्रिवेदी ने अपने गायन एवं काव्य पाठ से सभी का मन मोह लिया। अनुज कुमार ने अपने गिटार वादन से रवींद्र संगीत की धुन बजाकर सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय में 3 मई 2025 को निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें निबंध प्रतियोगिता में श्वेता कुमारी प्रथम, मनीष कुमार पाठक द्वितीय एवं चंदन कुमार दास तृतीय स्थान पर रहे। सांत्वना पुरस्कार लक्ष्मी कुमारी को मिला। पेंटिंग प्रतियोगिता में देव आनंद प्रथम, मर्यादा जैन द्वितीय लोकेश कुमार तृतीय एवं श्रेया कुमारी को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं मेडल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर नीलमणि मुखर्जी ने प्रदान किया । कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ बादल रक्षित , डॉ सुचोरिता घोष, डॉ राजीव रंजन, डॉ शक्तिधर नाथ पाठक, डॉ छाया सिंह का विशेष योगदान रहा। इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन लिटरेरी सोसायटी की सदस्य डॉ छाया सिंह ने किया।

सी.एन.कॉलेज शासी निकाय की हुई बैठक, कॉलेज के विकास और शैक्षणिक बेहतरी का लिया निर्णय

कालेज का अध्यक्ष सांसद मनीष जायसवाल और सचिव चुने गए राजू चतुर्वेदी

आदिवासी एक्सप्रेस

रामगढ़/हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के रामगढ़ जिला अंतर्गत रामगढ़ शहर के रामनगर, मरार स्थित छोटा नागपुर महाविद्यालय (सी.एन.कॉलेज), रामगढ़ की शासी निकाय की बैठक हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कॉलेज परिसर में संपन्न हुई। बैठक में स्थाई शासी निकाय का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष के रूप में सांसद मनीष जायसवाल एवं सचिव राजू चतुर्वेदी और को-ऑप्ट शिक्षाविद् सदस्य के रूप में डॉक्टर सुरेश प्रसाद पाल का चुनाव किया गया। साथ ही नवनिर्वाचित शिक्षक प्रतिनिधि प्रो. खिरोधर साहु, (विभागाध्यक्ष, वाणिज्य) एवं विश्वविद्यालय प्रतिनिधि डॉ. के.के.गुप्ता (स्नातकोत्तर, हिंदी विभाग) को शासी निकाय की पहली बैठक में अभिनन्दन किया गया। बैठक में कॉलेज के विकास के साथ शैक्षणिक क्षेत्र में बेहतर करने को लेकर लंबी चर्चा- परिचर्चा हुई। इससे पूर्व सांसद मनीष जायसवाल ने कालेज परिसर का निरीक्षण कर जायजा लिया।

कॉलेज निरीक्षण के दौरान भाजपा नेता राजू चतुर्वेदी, रंजन सिंह फौजी, रामगढ़ जिले के सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी और रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

गैर मजरुआ खास जमीन की खरीद-बिक्री पर लगी रोक हटाना झारखंड हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला: पुर्व सांसद

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। झारखंड हाइकोर्ट ने राज्य में गैर मजरुआ खास जमीन की खरीद-बिक्री से रोक हटा दी है। हाइकोर्ट ने राजस्व, निबंधन व भूमि सुधार विभाग के उस आदेश को खारिज कर दिया है, जिसमें गैर मजरुआ खास जमीन के निबंधन पर रोक लगायी गयी थी। झारखंड हाईकोर्ट ने पुर्राव की राज्य सरकार के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत गैर मजरुआ खास जमीन की खरीद-बिक्री और रजिस्ट्री पर रोक लगा दी गई थी। यह फैसला राज्य भर के लाखों रैयतों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है।

हाई कोर्ट के फैसले का झारखंड राज्य विस्थापित संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सीपीआई के वरिष्ठ नेता सह पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने स्वागत किया एवं आभार व्यक्त किया है आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड हाईकोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है इस फैसले से झारखंड के गरीब परिवार के बीच में काफी खुशी का माहौल है गरीब वंचित परिवार के लोगों को हाई कोर्ट के फैसले से काफी राहत मिली है कहा कि गैर मजरूवा जमीन की खरीद बिक्री की रोक से कई गरीब परिवार संकट की स्थिति में आ गए थे। जमीन की खरीद बिक्री नहीं होने से गरीब परिवार के लोग काफी परेशान थे और काफी संकटों का सामना भी कर रहे थे। ऐसे में इस फैसले ने गरीब परिवार के लोगों के बीच में राहत का काम किया है।

साथ ही श्री मेहता ने झारखंड सरकार से अपील करते हुए कहा कि झारखंड सरकार हाई कोर्ट के आदेश के आलोक में जल्द से जल्द अंचल कार्यालयों को आदेश जारी कर गैर मजरूवा जमीन की रसीद काटने संबंधित आदेश जारी करें ताकि जल्द से जल्द गैरमजरूवा जमीन की रसीद काटने का कार्य शुरू कर किया जाए।

इस फैसले का स्वागत करने वालों में झारखंड राज्य स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता, सीपीआई के जिला सहसचिव निजाम अंसारी, सीपीआई नेता मजीद अंसारी, महेंद्र राम, अनंत कुमार आर्या, खतियानी परिवार के केंद्रीय महासचिव मोहम्मद हकीम शामिल हैं।

भारतीय सेना ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का लिया बदला: रेणु कुमारी

- भारतीय सेना की बहादुरी को सलाम: रेणु कुमारी

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। भारतीय सेना ने एयर स्ट्राइक कर चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में घुसकर आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया है जो भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को दर्शाता है। कांग्रेस ओबीसी मोर्चा प्रदेश सचिव रेणु कुमारी ने भारतीय सेना एवं केंद्र सरकार की इस कार्रवाई की जमकर प्रशंसा किया और सेना के साहसिक कदम को सलाम किया। रेणु कुमारी ने कहा कि भारतीय सेना के जज्बे को हम सलाम करते हैं। केंद्र सरकार एवं भारतीय सेना की बहादुरी ने आतंकियों की नींव हिला दिया है। कहा कि भारतीय सेना ने 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों के द्वारा किए गए कायराना आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देकर 26 पर्यटकों के नृशंस हत्या का बदला लिया है। कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में आज पूरा देश एकजुट होकर आतंकवादियों के खिलाफ लड़ रहा है। भारतीय सेना के शौर्य को दिल से सलाम, कहा कि देश का हर एक नागरिक आतंकवाद से मुक्ति चाहता है। आतंकवादियों के खिलाफ में पूरे देश में आक्रोश का माहौल बन चुका है उन्होंने पाकिस्तान के द्वारा भारतीय नागरिकों पर किए गए कायराना हमले को लेकर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि पाकिस्तान की हर एक कार्रवाई का भारतीय सेना और भारतीय नागरिक मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है।

रेणु कुमारी ने पाकिस्तान को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज आ जाए वरना वैश्विक पटल से उसका नामोनिशान मिटा दिया जाएगा।

हजारीबाग यूथ विंग द्वारा डेमोटांड़ बिरहोर बस्ती में सेवा कार्य, बच्चों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

- सेवा ही संगठन की आत्मा है, बच्चों की मुस्कान हमारा सबसे बड़ा पुरस्कार है : चंद्र प्रकाश जैन
- वचितों तक शिक्षा और पोषण पहुँचाना हमारा संकल्प है। समाज का वास्तविक उत्थान जमीनी स्तर से ही संभव है : करण जायसवाल

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हजारीबाग में सामाजिक,शैक्षणिक और धार्मिक गतिविधियों में लगातार अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराती आ रही संस्था हजारीबाग यूथ विंग ने डेमोटांड़ बिरहोर बस्ती के निवासियों के बीच विशेष सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य वंचित वर्ग के बच्चों और परिवारों तक शैक्षणिक एवं दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं को पहुँचाना था। कार्यक्रम के दौरान कक्षा नर्सरी, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय के बच्चों को विशेष रूप से चयनित शैक्षणिक पुस्तिकाओं का वितरण किया गया, साथ ही कॉपियां, रंगीन पेंसिल, स्टेशनरी की सामग्री, स्लेट, चॉक, नहाने का साबुन और हॉर्लिक्स मिक्सर भी प्रदान किए गए। बच्चों को ये सामग्री पाकर उनके चेहरों पर जो मुस्कान आई, वह न केवल आयोजन की सफलता का प्रमाण थी, बल्कि मानवता की गरिमा का प्रतीक भी बनी। सिर्फ बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि बस्ती के वयस्कों के बीच भी खाद्य सामग्री और जरूरत की वस्तुएं वितरित की गईं। सभी लाभार्थियों ने कतारबद्ध होकर अनुशासन और सादगी के साथ सामग्री प्राप्त किया। कार्यक्रम की सफलता में हजारीबाग यूथ विंग के सदस्यों की टीम भावना, सेवा-भाव और सकारात्मक दृष्टिकोण की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा की हजारीबाग यूथ विंग का उद्देश्य केवल सेवा करना नहीं, बल्कि समाज में समरसता और संवेदनशीलता की भावना को बढ़ावा देना है। डेमोटांड़ बिरहोर जैसे वंचित क्षेत्रों में बच्चों की आँखों में आशा की चमक लाना हमारे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है।

संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा की हमारा यह प्रयास एक छोटा-सा कदम है, लेकिन ऐसे प्रयासों की निरंतरता ही समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकती है। हम शिक्षा, पोषण और आत्मसम्मान की दिशा में काम करते रहेंगे ताकि कोई भी बच्चा सिर्फ अभाव में बड़ा न हो, बल्कि अवसरों के साथ बढ़े। हजारीबाग यूथ विंग की इस पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और भविष्य में ऐसे आयोजनों की आशा जताई। यह आयोजन न केवल एक सेवा कार्यक्रम था, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी थी.

मौके पर संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, अध्यक्ष करण जायसवाल, सचिव रितेश खण्डेलवाल, सह सचिव अभिषेक पांडे, उपाध्यक्ष विकास तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य रोहित बजाज, राजेश जैन सहित कई लोग मौजूद रहें.

कौलेश्वरी मंदिर में मुंडन संस्कार को लेकर उमड़ी हजारों श्रद्धालुओं की भीड़

● आस्था के केंद्र माता कौलेश्वरी मंदिर गेट के इर्द गिर्द गंदगी का अंबार ● मंदिर परिसर में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव

● जल्द ही श्रद्धालुओं की समस्या का होगा निदानः अंचलाधिकारी

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

चतरा। जिले के हंटरगंज प्रखंड स्थित सुप्रसिद्ध मां कौलेश्वरी तीन धर्मो का संगम स्थल है मंदिर में भारत के विभिन्न राज्यों सहित विदेशो तक प्रसिद्ध है। सप्ताह में सातो दिन मां की पूजा-अर्चना की जाती है। यहां सैंकड़ों श्रद्धालु पहुंचते हैं लेकिन शुक्रवार को कौलेश्वरी पहाड़ पर मुंडन संस्कार को लेकर हजारों श्रद्धालुओ का भीड़ उमड़ी। कौलेश्वरी की तलहटी हटवारिया में सैकड़ों की संख्या में बड़ी एवं छोटी गाड़ियों का काफिला दिखा.लेकिन आज भी मां कौलेश्वरी मंदिर प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार है।

जनप्रतिनिधियों भी नहीं ले रहे सुध

सांसद तो दूर किसी स्थानीय नेता की नजर भी यहां फैली गंदगी पर आज तक नहीं पड़ी है। लिहाजा, मंदिर मुख्य द्वार हटवरिया के इर्द गिर्द कचरा गृह बन चुका है।

गंदगी के बीच प्रसाद खाते लोग

कौलेश्वरी मंदिर परिसर में अगर किसी बात की बड़ी समस्या है तो वह मंदिर परिसर और उसके इर्द-गिर्द फैली गंदगी है। दरअसल, मंदिर में शुभ मुहूर्त मुंडन संस्कार में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। पूजा तांत्रिक पद्धति से की जाती है और पूजा के दौरान पाठा यानी बकरे की बलि दी जाती है. श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने के बाद यहां बलि देते हैं, फिर पहाड़ के नीचे यहीं इसे बनाकर प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। सालों से चली आ रही परंपरा के कारण यहां हजारों की तादाद में बलि पड़ती है। यहां एक जलमीनार है बना है जिसके इर्द गिर्द गंदगी का अंबार हैं वहां पर खाना खाना तो दूर रहना भी पसंद ना हो लेकिन मजबूरन श्रद्धालुओं के द्वारा बलि (बकरा) का प्रसाद ग्रहण किया जाता है श्रद्धालुओं का मानना है कि यह स्थल शुद्ध है।

मंदिर के मुख्य द्वार पास लगा मास्क हाई लाइट खराब

मंदिर के मुख्य द्वार पास लगा हाई मास्क लाइट सिर्फ शोभा की वस्तु बनी हुई है शाम ढलते ही मुख्य द्वारा वाला इलाका अंधेरा में डूब जाता है। जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है यहां लाइट ना होना प्रबंधन समिति और विभाग की कमियों को उजागर करता है। स्थानीय लोगों ने शीघ्र ही लाईट को चालू कराने की मांग की हैं।

बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव

इन तमाम समस्याओं के अलावा मंदिर परिसर में बुनियादी सुविधाओं का भी घोर अभाव है। भारी तादाद में यहां महिला श्रद्धालु आती हैं। बावजूद इसके यहां शौचालय, पीने योग्य पानी, साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं नदारद हैं, ऐसे में अधिक परेशानी महिला भक्तों को ही होती है।

मंदिर से सालाना लाखों की है आमदनी

कौलेश्वरी मंदिर के लिए कई आमदनी के रास्ते हैं। साथ ही मंदिर परिसर में आने वाली गाड़ियों से प्रवेश शुल्क भी वसूला जाता है। जो मंदिर की रखरखाव जैसे कामों पर खर्च होना है। लेकिन जिस तरह से यहां अव्यवस्था है वैसे में यह सवाल भी उठता है कि मंदिर को आमदनी है तो फिर मंदिर के रखरखाव पर ना के बराबर खर्च क्यों किए जा रहे हैं। आखिर प्रबंधन समिति के सदस्यों के द्वारा इसे गम्भीरता से क्यों नहीं लिया जा रहा है। इस संबंध में पूछे जाने पर कौलेश्वरी प्रबंधन समिति के सचिव सह अंचलाअधिकारी अरुण कुमार मुंडा ने बताया कि जल्द से जल्द हाइ मास्क लाइट रिपेयर करवा दी जाएगी वही श्रद्धालुओं का समस्या का समाधान कर लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बालूमाथ कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित 17 वीं सलाहकार समिति की बैठक सपन्न

संवाददाता राम कुमार

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र में शुक्रवार को 17 वीं सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता डॉ रेखा सिन्हा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान एवं वरीय वैज्ञानिक महेश चंद्र जेराई ने वर्ष 2024 के कार्यकर्मो को प्रदर्शित किया एवं आगामी वर्ष 2025 के कार्यक्रम को समिति को स्वीकृत हेतु पेश किया। डॉ अरविंद मिश्रा,डॉ एसपी कुमार,डॉ आरती विना इक्का एवं डॉ सुनीता कुमारी कमल ने अपने-अपने कार्यो की प्रगति को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मौके पर डीडीएम नाबार्ड आत्मा लातेहार के उपनिदेशक सविता उरांव समाज प्रगति केंद्र चंदवा के प्रिंस,एफपीओ के सदस्य मुस्तकीम अंसारी तथा राज्य तकनीकी सलाह डॉ बीडीएस मुंडा ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किया। प्रगतिशील किसान विनोद चौधरी,बीरबल उरांव,जावा उरांव, प्रभात मिंज ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किया। इस मौके पर कई किसान एवं अतिथि शामिल रहे।

जीसीपीए कॉलेज में शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त परीक्षा संचालन पर समीक्षा सभा आयोजित, अधिकारियों ने की सराहना

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

छतरपुर, पलामू। छतरपुर अनुमंडल अंतर्गत गुलाबचंद प्रसाद अग्रवाल (जीसीपीए) कॉलेज में स्नातक सत्र 2023-27 के सेमेस्टर-2 एवं सत्र 2022-26 के सेमेस्टर-3 की परीक्षा नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय के निर्देशन में 9 मई को संपन्न हुई। परीक्षा के अंतिम दिन 290 विद्यार्थियों में 269 परीक्षार्थी उपस्थित हुए। वहीं 21 विद्यार्थी अनुपस्थित हो गए। परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त वातावरण में पूरी की गई, जिसकी जानकारी केंद्राधीक्षक-सह-प्रभारी प्राचार्य प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने दी।

केंद्राधीक्षक प्रो. अखिलेश सिंह ने बताया कि परीक्षा केंद्र पर पुलिस प्रशासन, मजिस्ट्रेट रंजीत कुमार तथा कॉलेज कर्मियों के सहयोग से सभी परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता एवं अनुशासन के साथ संपन्न कराई गईं। उन्होंने कहा कि अंतिम दिन परीक्षा के उपरांत समस्त कर्मियों के साथ बैठक कर परीक्षा की समीक्षा की गई, और शांतिपूर्ण संचालन हेतु सभी वीक्षकों को बधाई दी गई। परीक्षा नियंत्रक प्रो. अमित कुमार सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए सभी शिक्षकों और कर्मियों को उनके समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने आगामी परीक्षाओं में भी इसी तरह का सहयोग बनाए रखने की अपील की।सभा में मजिस्ट्रेट रंजीत कुमार ने भी संबोधन दिया और सभी कर्मियों की कार्यशैली की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।सभा के माध्यम से परीक्षा प्रक्रिया की समग्र समीक्षा की गई और भविष्य में भी इसी प्रकार अनुशासित वातावरण में परीक्षाएं कराने के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान कॉलेज के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में बाल विवाह के खिलाफ चला जागरूकता अभियान

● विद्यालय की छात्राओं ने निबंध प्रतियोगिता, रैली और नाटक के माध्यम से बाल विवाह के दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- लालू कुमार यादव

हुसैनाबाद, पलामू। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय हुसैनाबाद में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बाल विवाह के दुष्परिणामों को समाज में उजागर करना और इसके उन्मूलन के लिए लोगों को जागरूक करना था। कार्यक्रम की शुरुआत एक जागरूकता सेमिनार से हुई, जिसमें विद्यालय की शिक्षिकाओं ने बाल विवाह के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। सेमिनार में बाल विवाह के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसके बाद विद्यालय के छात्राओं और शिक्षिकाओं ने एक रैली आयोजित की, जिसमें बाल विवाह नहीं सहेंगे, किशोरियों को शिक्षा दो जैसे स्लोगन लिखे गए पोस्टर और बैनर के साथ भाग लिया। रैली में शामिल छात्राओं ने नारे लगाते हुए बाल विवाह के खिलाफ समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया।इसके साथ ही, एक नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने बाल विवाह की समस्या को नाटक के रूप में किया और उसके सामाजिक असर को दर्शाया। नाटक में यह बताया गया कि कैसे बाल विवाह से युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ता है और यह समाज के लिए नुकसानदायक है।इसके अलावा, विद्यालय में एक निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने बाल विवाह के दुष्परिणामों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यालय द्वारा पुरस्कार दिए गए।इस अवसर पर विद्यालय की वार्डन, किरण कुमारी और अन्य शिक्षिकाएं भी मौजूद थीं। उन्होंने इस प्रकार के जागरूकता अभियानों के महत्व पर जोर दिया और कहा कि समाज को बाल विवाह जैसी कुरीतियों से मुक्ति दिलाने के लिए ऐसे कार्यक्रम जरूरी हैं।इस अभियान के माध्यम से विद्यालय ने बाल विवाह की समस्या को लेकर एक मजबूत संदेश दिया और इस पर नियंत्रण पाने के लिए सभी को मिलकर काम करने का आह्वान किया।

धुना में आठवें दिन महायज्ञ महोत्सव हुयी संपन्न

जागरण कार्यक्रम का आयोजित किया गया, छोटे बच्चे ने लिया भाग

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। इटखोरी प्रखंड के धुना में नवनिर्मित देवी मंडप प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पिछले 1 मई से आयोजित नौ दिवसीय शतचंडी महायज्ञ महोत्सव के आठवें दिन गुरुवार को यज्ञाचार्य भोला पांडेय एवं उनके सहयोगी पुरोहितों ने विधि विधान के साथ वेदी पूजन की। इसके बाद विधि विधान के साथ दुर्गा सप्तशती का पाठ किया गया। फिर संध्या में बारात भ्रमण हुआ। इससे एक दिन पहले बुधवार रात्रि यज्ञाचार्य भोला पांडेय ने अपने कथा वाचन में श्रीमद्भागवत के महात्म्य के विषय पर विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद स्थानीय बच्चों एवं बच्चियों ने नशा मुक्ति विषय पर गीत की प्रस्तुति दी। यह गीत ग्रामीणों के लिए प्रेरणा दायक रहा। बच्चों ने कविता का भी पाठ किया। यहां आयोजित देवी मंडप प्राण प्रतिष्ठा आग का सह शतचंडी महायज्ञ महोत्सव का पूर्णाहुति 9 मई दिन शुक्रवार को हवन पूजन, ब्राह्मण भोजन एवं भव्य भंडारा के साथ किया होगा। यज्ञ विसर्जन के मौके पर इसी रात्रि यहां भक्ति जागरण कार्यक्रम का आयोजन होगा।जिसकी तैयारी यज्ञ कमेटी द्वारा पूरी कर ली गई है। दिन शुक्रवार को प्रातः 6:41 से लेकर 8:55 के अंदर देवी प्राण प्रतिष्ठा होगा। यज्ञ को लेकर यहां पुरोहितों द्वारा ध्वनि यंत्र पर पढ़े जा रहे वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा गांव भक्ति की शक्ति में भाव विभोर हो गया है। यज्ञ को सफल बनाने में धुना यज्ञ कमेटी के सभी सदस्य और यजमान तथा ग्रामीण जुटे हुए हैं।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, एक लाख से अधिक की संपत्ति जलकर राख

जिला प्रशासन से मुआवजे की मांग

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज थाना क्षेत्र के लेंजवा पंचायत अंतर्गत अकौना गांव में गुरुवार की देर शाम एक घर में शॉट सर्किट से अचानक आग लग गई। इस दौरान लोगों में अफरातफरी का माहौल कायम हो गया। लोग अभी कुछ समझ पाते तब तक आग ने पूरे घर को अपने आगोश में ले लिया। स्थानीय लोगों की मदद से किसी तरह आग पर काबू पाया जा सका। तब तक आधा घर जल चुका था। पीड़ित के अनुसार लाखों की संपत्ति का नुकसान हुआ है घर में रखे अनाज, आभूषण, कपड़ा आदि सारा सामान जलकर राख हो गया है। बताया जाता है कि जिस वक्त घर में आग लगी उस वक्त पीड़ित परिवार घर के बाहर अपने नतनी के ईलाज के लिए औरु गए थे जब पीड़ित परिवार घर आए तो देखा कि अचानक आग लग गई। मकान से आग की लपटें देख स्थानीय लोगों में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय थाने को दी। सूचना मिलते ही हंटरगंज थाना सब इंस्पेक्टर कृष्णा कुजूर दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गृह मालिक कांति देवी ने बताया कि करीब एक लाख से अधिक रुपये की संपत्ति (अनाज जेवरात कपड़ा,इत्यादि) घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गई है उन्होंने कहा कि आग लगने से मेरे समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है उन्होंने घटना की जांच कर मुआवजे की मांग की है। आगे बताती है कि मेरे पति मजदूरी करके (राजमिस्त्री) परिवार का भरण पोषण करते हैं इस हाल में बिना मुआवजा के घर बनाना संभव नहीं है।आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित उमेश यादव ने बताया कि हम दोनों पति पत्नी अपनी नतनी के ईलाज हेतु औरु गए थे, तभी आग लगी, आग लगने का कारण अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन अंदेशा व्यक्त किया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी होगी। इधर जानकारी मिलते ही स्थानीय मुखिया योगेन्द्र कुमार यादव और जिप सदस्य प्रतिनिधि बेचन पासवान पहुंचे पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि जो भी सरकार की आपदा राहत की तहत मुआवजा होगा जिला प्रशासन से दिलवाने का प्रयास किया जाएगा।

आगामी 30 जून को हूल दिवस की तैयारी को लेकर बहुउद्देशीय सिद्धू कानू मुर्मू आदिवासी एभेन वैसी द्वारा डाडो पंचायत में चलाया गया लोगों के बीच जागरूकता अभियान

रामगढ़/रामजी साह।

आगामी 30 जून को हुल दिवस की तैयारी को लेकर शुक्रवार को बहुउद्देशीय सिद्धू कानू मुर्मू आदिवासी एभेन वैसी की बैठक तथा जागरूकता अभियान डांडो पंचायत के पदनीदुमा समेत कई गांव में चलाया गया । लोगों को जागरूक किया गया एवं सहयोग के रूप में प्रति घरों से एक मुट्ठी चावल तथा एक रुपैया आर्थिक सहयोग लिया गया ताकि आगामी 30 जून को आयोजित होने वाले हुल दिवस में ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। मौके पर मंगल सोरेन बिहारी हांसदा इमानुएल सोरेन अगहन मुर्मू महानंद मुर्मू मीरा मुर्मू जॉन मुर्मू सहदेव मुर्मू स्वरागिनी टुडू सुमित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद थे।

फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने ढोल बजाकर इश्तिहार चिपकाया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता बड़कागांव

बड़कागांव। फरार वारंटी अभियुक्त के घर बड़कागांव पुलिस ने शुक्रवार को ढोल बजाकर इश्तिहार चिपकाया। मामले को लेकर पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि बड़कागांव थाना कांड संख्या 222/20 के प्राथमिकी फरार अभियुक्त सहदेव महतो उर्फ सुभाष जी उर्फ अनुज महतो एवं प्राथमिकी अभियुक्त नताशा पति सहदेव महतो उर्फ सुभाष जी उर्फ अनुज महतो दोनों ग्राम कुठान थाना केरेडारी के विरुद्ध ढोल बजाकर उनके घर एवं केरेडारी बाजार में इश्तिहार चिपकाया तथा निर्देश दिया की 30 दिनों के अंदर माननीय न्यायालय में आत्मसमर्पण करें अन्यथा कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

युवा समाजसेवी के लोगों ने निजी खर्च से जर्ज़र सड़क को करवाया मरम्मत लोगों ने किया सरहानीय

पलामू। जिले के छतरपुर प्रखंड अंतर्गत आदर्श पंचायत डाली के कलही खाड़ में विगत कई वर्षो से जर्जर सड़क को युवा समाजसेवी सकील अंसारी बसीर अंसारी व पत्रकार यमुना कुमार यादव व मुमताज हाफिज जी विजय सिंह के द्वारा अपने निजी खर्च से लगभग 1 किलो मीटर जर्जर सड़क का मरमत कराया गया। यह सड़क चेगौना धाम से होते हुए डाली होते हुए पाटन तक जाती हैं। यह सड़क डाली पंचायत अंतर्गत आता हैं, और डाली पंचायत आदर्श पंचायत घोषित हैं, दुःख की बात तो यह है कि पंचायती राज बहाल होने के बाद से 6 बार एक ही परिवार के लोग गांव के मुखिया बनते आए हैं किंतु उन्हें सड़क शिक्षा स्वास्थ्य जैसे कार्यो से कोई मतलब नहीं रहा हैं। वहीं जर्जर सड़क के बारे में ग्रामीणों से पूछने पर पता चला कि उनके गांव के मुखिया गांव में नहीं रहते है इस लिए जर्जर सड़क को बनाना मुनासिफ नहीं समझते हैं। वही ग्रामीणों के द्वारा बताया गया की सड़क की स्थिति इतनी बद से बदत्तर हो गयी थी कि राहगीरों,दो पहिया वाहनों,साइकिल से चलने वाले लोग यहाँ तक की पैदल चलने वालों भी अपना जान जोखिम में डाल कर सड़क पार करने पर मजबूर थे। बीते दिनों मे कई राहगीर बढ़े दुर्घटनाओं से बाल बाल बचे। सड़क में ने जगह जगह पर 5-5 फिट के गड्डे बन गए थे। जबकि डाली के चौकीदार दिलिप कुमार की उसी सड़क मोटर साइकल से दुर्घटना होने के कारण हाथ पैर में गंभीर चोट भी आई है। वहीं आदर्श पंचायत डाली में जिस जगह पर सड़क या नाली की आयाश्यकता हैं वहां पर सड़क या नाली का निर्माण नहीं कराया जाता है जबकि सरकार के पैसा को खाना पूर्ति करने के बिना जरूरत वाले जगहों पर सड़क और नाली का निर्माण करा कर सरकार के पैसा को लूटा जा रहा हैं। डाली में कई ऐसे जगह पर नाली और सड़क बनाया गया जिसकी आवश्यकता नहीं थी। दुर्भाग्य की बात तो यह है कि डाली पंचायत के ही एक ही परिवार के मुखिया और जिला पार्षद दोनों हैं और दोनों रिश्ते में मां और पुत्र हैं। फिर भी डाली पंचायत विकाश के जगह विनाश के दहलीज पे खड़ा हैं। वहीं ग्रामीणों का आरोप हैं कि मेरे गांव के मुखिया व गांव की जिला पार्षद जो छत्तरपुर पूर्वी क्षेत्र के जिला पार्षद है एक बार भी गांव के लोगों के बारे में नहीं सोचा हैं । सड़क बनाने के दौरान मौके पे आशिक अंसारी शमीम अंसारी संजर अंसारी हयातुल अंसारी मिस्टर अंसारी पूर्व पंचायत समिति सदस्य नईमुद्दीन अंसारी सफीक अंसारी मुख्तार अंसारी के इस्लाम अंसारी के अलावे सैकड़ों राहगीर उपस्थित थे।

झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (JSLPS) की जिला स्तरीय समीक्षा सह योजना बैठक सम्पन्न

दुमका। दिनांक 9 मई 2025 को झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (JSLPS) के अंतर्गत जिला स्तरीय वार्षिक समीक्षा सह योजना बैठक का आयोजन जिला बैठक कक्ष, डीएमएमयू, दुमका में सफलतापूर्वक किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला कार्यक्रम प्रबंधक (DPM) निशांत एक्का ने की। इस बैठक में सभी जिला प्रबंधक (थीमैटिक हेड), प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक (BPM) तथा प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (BPO) उपस्थित रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक कार्य योजना तैयार करना तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रगति की समग्र समीक्षा करना था। इस दौरान RSETI, DDU-GKY, वित्तीय समावेशन (FI), सामाजिक संवहन एवं संस्थागत निर्माण (SM&IB), कौशल विकास, कृषि एवं गैर कृषि आजीविका, निगरानी एवं मूल्यांकन (M&E), एमआईएस एवं वित्तीय प्रबंधन जैसे विषयों पर रणनीति आधारित चर्चा की गई।

बैठक की विशेष बात यह रही कि RSETI (ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान) के परियोजना निदेशक स्वयं उपस्थित रहे और उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता, चुनौतियों और आगामी कार्ययोजना पर अपने विचार साझा किए। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के योजना के अंतर्गत संचालि विषयों एवं लक्ष्य के अनुकूल प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रगति की समीक्षा mpr.swalekha.in एवं LokOS पोर्टल पर आधारित डेटा के माध्यम से की गई। निगरानी एवं मूल्यांकन प्रभारी श्री कौशिक मंडल (DM M&E) द्वारा प्रदर्शन संकेतकों पर आधारित एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई।

बैठक का एक मुख्य आकर्षण ब्लॉक रैंकिंग का प्रस्तुतीकरण रहा, जिसके माध्यम से प्रखंडों के बीच सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रखंडों की घोषणा की गई, जिसमें प्रथम स्थान पर दुमका सदर, द्वितीय स्थान पर मसलिया, तथा तृतीय स्थान पर सरैयाहाट प्रखंड रहा। इन तीनों प्रखंडों के BPM को जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा विशेष रूप से शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया ।साथ ही, अन्य प्रखंडों द्वारा डोमेनवार किए गए उत्कृष्ट कार्यों को भी सराहा गया तथा ऐसे प्रखंडों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

बैठक में जिला वित्त प्रबंधक (DFM) अमित जलान, M&E तथा MIS प्रभारी कौशिक मंडल, सभी जिला प्रबंधक, BPM, BPO तथा RSETI के परियोजना निदेशक सहित सभी संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। यह बैठक जिला स्तर पर योजनाओं के समुचित क्रियान्वयन, प्रगति मूल्यांकन तथा कार्यक्षमता वृद्धि के लिए एक प्रेरणादायक मंच साबित हुई।

संक्षिप्त समाचार

चिरुडीह के पास यात्री बस के चपेट में आने से एक व्यक्ति की हुई मौत

शिकारीपाड़ा/दुमका/

शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के चिरुडीह के पास शुक्रवार को यात्री बस के चपेट में आने से घटना स्थल पर ही एक व्यक्ति की हुई मौत, मृतक व्यक्ति का नाम पाचू मियां ग्राम नवपहाड़ है, बताया जा रहा है पाचू मियां अपने पत्नी संग अपने गांव से चिरूडीह ग्राहक सेवा केंद्र में पैसा निकासी के लिए गया था लौटने के क्रम में पाचू मियां और उसकी पत्नी दोनों यात्री बस के चपेट में आ गई, चपेट में आने के कारण पाचू मियां कि घटना स्थल पर ही मौत हो गई और बताया जा रहा है उसकी पत्नी घायल हुई है। मौके पर यात्री बस घटना स्थल से भाग गया लेकिन पुलिस की तत्परता से भाग रही बस को पकड़ा गया। और थाना परिसर ला कर रखा गया है। वहीं लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुमका भेज दिया है। और पुलिस आगे की कार्यवाही में जुट गई है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कढबिंधा के समीप मैदान में 65 बर्षिय वृद्ध व्यक्ति की शव को सुचना पर पुलिस ने किया बरामद

रामगढ़/रामजी साह।

रामगढ़ थाना क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कढबिंधा के समीप मैदान पर सुचना पर पुलिस ने शुक्रवार संध्या 04 बजे एक 65 बर्षिय वृद्ध व्यक्ति के शव को बरामद र पोस्मार्टम हेतु दुमका भेजने की तैयारी में लग गई है। स्थानीय लोगों ने शव की पहचान रामगढ़ थाना क्षेत्र के सुसनिया गांव के सुफल मुर्मू के रुप में पहचान कर मृतक के परिजनों और पुलिस की सुचना दिया। सुचना पर पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु दुमका भेजने की तैयारी में थी।वहीं मृतक का चेहरा लहुलुहान देखा गया है।मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक सूफल मुर्मू विगत 24 घंटे से लापता था परिजन हर जगह तालाश रहे थे कि शोच करने गये कुछ लोगों ने शव को मैदान में देखकर शव को पहचान कर मृतक के परिजनों को सुचना ददे दिया।वहीं थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि यह हत्या है या कुछ और कारण यह तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद खुलासा हो पायेगा। बहरहाल शव के मिलने से क्षेत्र में सनसनी फ़ैल गई है। बहरहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

पंचायतों में टैंकर से उपलब्ध कराया जा रहा है पानी

● ड्राइजोन में संजीवनी बन रहा टैंकर

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- गांवों में पेयजलापूर्ति की समस्या को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर टैंकर की खरीदारी की गई है, तथा पेयजल की दिक्कत ग्रामीणों में न हो इसकी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। जिस गांव में चापानल या पानी टंकी में जलस्तर कम हो गया है वैसे जगहों पर टैंकर का पानी संजीवनी बनी हुई है। जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के पुसरभीटा गांव, पतरापाड़ा गांव, उदलबनी गांव, महेशपुर प्रखंड के भेटाटोला, पाकुड़िया प्रखंड के बनियापसार पंचायत सहित अन्य ग्रामों में ग्रामीणों को टैंकर के माध्यम से जरूरतमंद को पीने का पानी उपलब्ध कराया गया है जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखी जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया। जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू ने बताया कि उपायुक्त के आदेशानुसार 15 वें वित्त आयोग योजना से जिला प्रखंड के सभी ग्राम पंचायतों में टैंकर उपलब्ध है। किसी भी पंचायत या ग्राम के ग्रामीणों को पेयजलापूर्ति के लिए ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव या मुखिया से सम्पर्क करें, पेयजल उपलब्ध कराई जायगी।

जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर अपर समाहर्ता ने की सुनवाई

● प्राप्त आवेदनों पर लिया संज्ञान, संबंधित पदाधिकारियों को निष्पादन का दिया जरूरी निर्देश

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। अपर समाहर्ता ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में जमीन से संबंधित, भू अर्जन से संबंधित एवं रोजगार आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे।

आवास समन्वयक की मनमानी को लेकर लोग परेशान, जियो टेक में कर रहे पैसों की उगाही

● प्रखंड आवास समन्वयक मुकेश कुमार गांधी पिछले दस वर्षों से एक ही प्रखंड में डटे हुवे रहने के कारण आवासों में हो रही गड़बड़ी

पालोजोरी। पालोजोरी प्रखंड मुख्यालय में इन दिनों भ्रष्टाचार की आलम छाई हुई है। बता दें कि सरकार द्वारा पंचायती राज अधिनियम के तहत् लोगों को मिल रही मूलभूत सुविधाओं को मद्देनजर रखते हुए उनकी आकांक्षाओं को पूरी करना सरकार की दायित्व बनती है। जबकि वहीं कुछ ऐसे लोग जो अपनी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रह जाने के बाद तत्पश्चात यदि वो प्रखंड मुख्यालय के आवास समन्वयक से मिलने पहुंचते हैं अपने काम को लेकर तो उन्हें ना सिर्फ काम बल्कि झल्लाहट, अभद्रता के अलावा और कुछ नहीं मिलता बताया जाता है की इन दिनों पीएम आवास प्लस में जियो टेक के नाम पर आवास समन्वयक ग्रामीण क्षेत्रों में घूम घूमकर केवल मात्र पैसों की उगाही कर रहे हैं। यही नहीं इसकी बीते कुछ दिन पूर्व ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों के शिकायत के आधार पर स्थानीय विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह के द्वारा उन्हें कड़ी फटकार लगाई गई थी। जो की वहीं रवैया फिर से दोहराया जा रहा है, वहीं लोगों का कहना है की प्रखंड आवास समन्वयक मुकेश कुमार गांधी पिछले दस वर्षों से एक ही प्रखंड में डटे हुवे रहने के कारण आवासों में हेर-फेर मुखिया के अनुरूप कार्य करना तथा योग्य लाभुकों को अयोग्य करार कर मोटी रकम लेकर सामर्थवान व्यक्ति का चयन कर उन्हें योग्य क़रार कर वैसे लोगों को आवास समन्वयक द्वारा आवास दी जा रही है।

उपायुक्त ने नगर परिषद कार्यालय में नगर परिषद द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक की

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने नगर परिषद कार्यालय में नगर परिषद अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। बैठक में उपायुक्त ने नगर परिषद क्षेत्र में कार्यरत सभी कनीय अभियंता, सहायक अभियंता एवं अन्य कर्मियों से मुलाकात की एवं उनके कार्यक्षेत्र की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, शहरी क्षेत्र, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन तथा स्वच्छ भारत मिशन, 15 वे वित आयोग, शहरी जलापूर्ति, होल्डिंग टैक्स आदि की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान परिषद क्षेत्र में सफाई, स्ट्रीट लाइट,पेयजल समस्या एवं अन्य नागरिक समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु उपायुक्त ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए एवं नागरिकों को उचित रिस्पॉन्स दिया जाए। नगर परिषद क्षेत्र की बंदोबस्ती एवं राजस्व संग्रहण की जानकारी ली, नगर परिषद को राजस्व बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने नगर परिषद क्षेत्र में सफाई, पेयजल आपूर्ति, बिजली एवं अन्य आवश्यक सेवाओं की नियमित जांच एवं त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उपायुक्त ने नगर परिषद, प्रशासक को निर्देशित किया कि सभी कर्मियों के कार्यों की गहन समीक्षा करें एवं अधिकारियों सहित सभी कर्मी भी नियमित रूप से फील्ड विजिट करें एवं शहरी क्षेत्र के समस्याओं को स्वयं जाकर देखे एवं उन समस्याओं का निवारण करें। पुराने दुकानों का नया दर 1200 रुपया निर्धारित है। सख्त कार्रवाई करते हुए दुकान का बकाया भाड़ा वसूल करना सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी लंबित आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। शहरी जलापूर्ति योजना के तहत शहर के लोगों को निर्बाध रूप से पानी मिले इसे सुनिश्चित करें।

इस दौरान मुख्य रूप से नगर परिषद, प्रशासक श्री अमरेन्द्र कुमार चौधरी, सीटी मैनेजर मृत्युंजय पांडे, सिटी मिशन मैनेजर मनीष कुमार मिश्रा, सहायक अभियंता पीयूष कुमार, सभी कनीय अभियंता, प्रधान सहायक जय बर्मन सहित एवं कर्मी मौजूद रहें।

बिआरसी ने प्रखंड स्तरीय कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

हिरणपुर (पाकुड़) शुक्रवार को स्कूली बच्चों की प्रखंड स्तरीय कैरम प्रतियोगिता का आयोजित हुई, उक्त आयोजन प्रखंड संसाधन केंद्र हिरणपुर में की गई। इस प्रतियोगिता में 17 और 19 वर्ष के बालक-बालिकाओं ने भाग लिया, जिसमें 17 वर्ष के एकल बालक वर्ग में आरिफ अंसारी प्लस टू विद्यालय पर ताला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं बालिका में सिनी कुमारी हिरणपुर ने जीत दर्ज कराई, वही 17 वर्ष के डबल बालक में रोशन कुमार रक्षित, छोटू दत्ता, जबकि बालिका में शिउ दे, प्रियंका कापुरी हिरणपुर, जबकि 19 वर्ष के एकल बालक में रामलाल साहा बड़तल्ला, बालिका में जैनव कौशर, हिरणपुर, 19 वर्ष के बालक वर्ग के डबल में कुंदन भंडारी, रामलाल शाह बरतल्ला और बालिका में मनीषा कुमारी और सर प्रवीण ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को बीपीओ किशन भगत के द्वारा शील्ड देकर पुरस्कृत किया गया।

इस संबंध में बीपीओ किशन भगत ने बताया कि शिक्षा के साथ खेलकूद में भी जागृति करने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

मौके पर बीआरपी संजय जयसवाल, खेल शिक्षक नवल किसको, निशांत नवीन, लीला तिर्की आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

अपर समाहर्ता ने किया ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। अपर समाहर्ता गौतम भगत ने समहरणालय स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस में रखे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा एवं प्रबंधन का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता ने वेयरहाउस में सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से मूल्यांकन किया और सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उनकी सुरक्षा और रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपर समाहर्ता ने वेयरहाउस में फायर सेफ्टी उपकरणों की उपलब्धता और सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की। साथ ही उन्होंने कर्मियों को नियमित अंतराल पर प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए ईवीएम की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कू व सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त ने जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की समस्याएं सुनी

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। जनता दरबार में जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने अपनी समस्याओं से उपायुक्त हेमंत सती को अवगत कराया। उपायुक्त ने लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी। साथ ही उनके सामाधान को लेकर उन्हें आश्वस्त कराया।संज्ञान में आए हुए शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने की बात कही। गौरतलब है कि जनता दरबार के दौरान शिकायत के रूप में आए आवेदन विभिन्न विभागों व योजना से संबंधित एवं असंबंधित रहे। जनता दरबार में शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को उनका समाधान करने को लेकर निर्देशित किया। सभी आवेदनों की भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें।

बाइक और ई रिक्शा में टक्कर होने से दो युवक हुए घायल

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बरहरवा पाकुड़-बरहरवा मुख्य पथ अंतर्गत कोटालपोखर थाना क्षेत्र के विजयपुर के पास मोटरसाइकिल और टोटो में टक्कर हो गयी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो युवक घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, पाकुड़ जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के विक्रमपुर के अजफारुल शेख व शनावर शेख अपनी मोटरसाइकिल से गुमानी की ओर से आ रहे थे। इसी दौरान उनकी मोटरसाइकिल टोटो से टोटो की टक्कर हो गयी। हादसे में दोनों मोटरसाइकिल सवार घायल हो गए। आसपास के लोगों की मदद से दोनों को प्राथमिक इलाज कराया गया।

कालाजार प्रभावित गांवों का केंद्रीय टीम ने किया निरीक्षण

● निरीक्षण के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य टीम ने कालाजार उन्मूलन को लेकर प्रशासन द्वारा अबतक किए गए कार्यों की सराहना की

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़- कालाजार उन्मूलन के लिए केंद्रीय टीम द्वारा पाकुड़ जिले के कालाजार प्रभावित गांव का निरीक्षण किया गया। तीन दिवसीय दौरे पर आयी टीम द्वारा लिट्टीपाड़ा प्रखंड के बड़ा कुटलो गांव और अमड़ापाड़ा प्रखंड के बदाहा गांव का निरीक्षण किया जहां से संतोषजनक परिणाम प्राप्त हुए। आईआरएस गतिविधियां प्रभावी ढ़ंग से क्रियान्वित पाई गई और रोगियों की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार देखा गया जो मजबूत स्वास्थ्य सेवा समर्थन को दर्शाता है। लिट्टीपाड़ा प्रखंड में टीम ने सामुदायिक भागीदारी को भी बढ़ावा दिया। जहां कालाजार रोगियों के बीच पोषण कीट का वितरण किया गया ताकि उनकी रोक प्रतिरोधक क्षमता और स्वास्थ्य में सुधार हो सके। इसके अलावा कालाजार चैंपियन- जो समुदाय स्वास्थ्य कार्यकर्ता है और बीमारी नियंत्रण में अहम भूमिका निभा रहे हैं उनको टी शर्ट, टोपी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही कालाजार के मरीजों से मुलाकात कर आवश्यक जानकारी दी गई तथा फीडबैक लिया गया।

टीम के अधिकारियों ने बताया कि यह दौरा प्रशासन की कालाजार उन्मूलन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है और इसमें समुदाय की सक्रिय भागीदारी तथा फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों की समर्पित भूमिका को प्रमुख माना है।आगे की कार्य योजना के तहत राष्ट्रीय और राज्य स्तर की टीमों ने जिला और प्रखंड स्तर पर रोगियों की चिकित्सा देखभाल, वेक्टर निगरानी, आईआरएस की गुणवत्ता में सुधार और पोषण एवं जागरूकता कार्यक्रमों के विस्तार की सराहना की। उन्होंने कहा कि झारखंड के कुछ जिलों में अभी भी कालाजार एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है, लेकिन पाकुड़ जैसे जिलों में तेजी से हो रहे प्रयास राज्य को कालाजार उन्मूलन के लक्ष्य के करीब ला रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक, एनवीबीडीसीपी, केंद्रीय टीम डॉक्टर छवि पंत जोशी, राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर राजत रंजन, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, भीबीडी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ कौशलेश कुमार सिंह, डब्ल्यूएचओ की राज्य और जोनल टीम, राज्य और जिला पिरामल टीम, राज्य कालाजार सलाहकार सहित अन्य मौजूद रहे।

भारत ने आर्थिक प्रगति के बल पर आतंकवादी ठिकानों को किया नेस्तनाबूद

प्रहलाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2013-14 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी आगे निकल गया है। इससे भारतीय नागरिकों की आय भी लगभग दुगनी हो गई है एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भी भारी कमी दर्ज हुई है।

भारत ने अंततः पाकिस्तान के कई आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर ही दिया। भारत के इस कठोर कदम से भारतीय नागरिकों को संतुष्टि मिली है, विशेष रूप से उन परिवारों को जिन्होंने हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के हमले में अपने सगे सम्बन्धियों को खोया है। विश्व के लगभग समस्त देशों ने भारत के इस कदम का समर्थन ही किया है क्योंकि आतंकवादियों से अपने देश के नागरिकों की रक्षा करना किसी भी देश की सरकार का प्रथम कर्तव्य है। भारत को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर हमले करने का साहस कहां से मिलता है। यह मिलता है भारतीय नागरिकों की एकजुटता से, वर्तमान केंद्र सरकार पर देश के नागरिकों का भरपूर विश्वास है एवं वह यह सोचती है सही समय पर एवं सही स्थान पर भारतीय सेना आतंकवादियों पर हमला करके अपने नागरिकों के मारे जाने का बदला जरूर लेगी। दूसरे, संभवतः भारत की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति से भी केंद्र सरकार को कठोर निर्णय लेने का बल मिलता है। इस संदर्भ में, हाल ही में अच्छी खबर यह आई है कि भारत जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चोथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है एवं संभवतः वर्ष 2026 के अंत तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को भी पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारतीय अर्थव्यवस्था आज भी विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। विश्व के लगभग समस्त वित्तीय संस्थान भारत के संदर्भ में यह भविष्यवाणी करते हुए दिखाई दे रहे है कि आगे आने वाले कई दशकों तक भारत इसी प्रकार विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा।

भारत ने पिछले 10/11 वर्षों के दौरान वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रमों को लागू किया है। जिसका परिणाम स्पष्ट रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। माह अप्रेल 2025 में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण नित नई ऊंचाईयां छूते हुए 2.37 लाख करोड़ रुपए के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। यह सब देश के नागरिकों द्वारा अप्रत्यक्ष करों के नियमों का अनुपालन करने के चलते सम्भव हो पा रहा है। अप्रेल 2025 माह में ही फैक्ट्री उत्पादन के मामले में पिछले 10 माह के उच्चत्तम स्तर को पार किया गया है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत अमेरिकी डॉलर की तुलना में तेजी से बढ़ती जा रही है और यह अपने पिहले 7 माह के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई है। और तो और, सरकारी उपक्रमों एवं निजी कम्पनियों की लाभप्रदता में भी भारी सुधार देखने में आ रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान भारतीय स्टेट बैंक ने 70,901 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसी प्रकार, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 69,621 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक ने 64,062 करोड़ रुपए, ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, टाटा कंसल्टैंसी सर्विसेज लिमिटेड ने 45,908 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक ने 44,256 करोड़ रुपए, इंडियन आइल कॉर्पोरेशन ने 41,729 करोड़ रुपए, लाइफ इन्शुरन्स कॉर्पोरेशन ने 40,915 करोड़ रुपए, कोल इंडिया लिमिटेड ने 37,402 करोड़ रुपए एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड ने 31,399 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। आपको ध्यान में होगा कि आज से कुछ वर्ष पर तक केंद्र सरकार को कई सरकारी उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए लाखों करोड़ रुपए की सहायता केंद्रीय बजट के माध्यम से इन सरकारी उपक्रमों की करनी होती थी। आज स्थित एकदम बदल गई है एवं आज ये लगभग समस्त उपक्रम केंद्र सरकार के लिए कमाऊ पूत की भूमिका निभाते हुए नजर आ रहे हैं एवं करोड़ों रुपए का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध करा रहे हैं। यह सब केंद्र सरकार द्वारा इन उपक्रमों में सुधार कार्यक्रमों को लागू करने के चलते ही सम्भव हो सका है।

वर्ष 1991 में विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में भारत भयावह स्थिति में पहुंच गया था तथा उस समय भारत के पास केवल 15 दिवस के आयात के बराबर ही विदेशी मुद्रा भंडार बच गया था और भारत को अपने स्वर्ण भंडार को ब्रिटेन के बैंकों में गिरवी रखकर विदेशी मुद्रा भंडार की व्यवस्था करनी पड़ी थी। आज स्थिति इस ठीक विपरीत है आज भारत के पास लगभग एक वर्ष के आयात के बराबर की राशि का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है और यह 68,813 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर निकल गया है जो भारत के इतिहास में आज तक के उच्च्तम स्तर के बहुत करीब है। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत से विभिन्न उत्पादों एवं सेवा क्षेत्र के निर्यात अपने उच्चत्तम स्तर 82,490 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। जिसके चलते भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में अतुलनीय सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत से विभिन्न देशों को निर्यात में अभी और सुधार होता हुआ दिखाई देगा क्योंकि भारत ने हाल ही में ब्रिटेन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है इससे भारत के सेवा क्षेत्र को अत्यधिक प्रोत्साहन मिलने जा रहा है और ब्रिटेन में भारतीय इंजिनीयर एवं डाक्टर के साथ ही अन्य क्षेत्रों में कार्य करने के लिए भारतीयों की मांग में वृद्धि दृष्टिगोचर होगी। अमेरिका के साथ भी भारत का द्विपक्षीय व्यापार समझौता अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है और यूरोपीयन यूनियन देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता दिसम्बर 2025 तक सम्पन्न होने की प्रबल सम्भावना है। इसके बाद भारत से विकसित देशों को निर्यात निश्चित रूप से बढ़ेंगे और इसके चलते बहुत सम्भव है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के निर्यात अपने उच्चत्तम स्तर अर्थात एक लाख करोड़ अमेरिको डॉलर के स्तर को भी पार कर जाएं। यदि ऐसा होता है तो भारत में विदेशी मुद्रा भंडार भी एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकते हैं क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें भी कम होती हुई अर्थात लगभग 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर होती हुई दिखाई दे रही हैं जबकि भारत अपने उपयोग का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल का आयात विभिन्न देशों से करता है। साथ ही, भारत को स्वर्ण के आयात को भी नियंत्रण में रखना होगा। इससे, भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में और अधिक मजबूत होगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई कमी और वर्ष 2025 के खरीफ मौसम के दौरान मौसम विभाग द्वारा की गई सामान्य से अधिक मानसून की भविष्यवाणी के कारण खुदरा कृषि क्षेत्र में मुद्रा स्फीति (महंगाई) की दर मार्च 2025 माह में कम होकर 3.73 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई है।

वित्तीय वर्ष 2013-14 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी आगे निकल गया है। इससे भारतीय नागरिकों की आय भी लगभग दुगनी हो गई है एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भी भारी कमी दर्ज हुई है। इससे देश के नागरिकों में उत्साह का माहौल जागा है तथा वे एकजुट होकर केंद्र सरकार के आतंकवाद के विरुद्ध लिए जा रहे निर्णयों का भारी समर्थन करते हुए दिखाई दे रहे है। इससे यह सिद्ध हो रहा है कि भारत की आर्थिक क्षेत्र में मजबूती के चलते केंद्र सरकार को भी आतंकवाद के विरुद्द कड़े निर्णय लेने में कोई हिचक नहीं हो रही है। साथ ही, भारत की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति के चलते विश्व के अन्य कई देश भी आतंकवाद की लड़ाई में भारत के साथ खड़े नजर आ रहे है। आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक स्थित जितनी अधिक सुद्दढ़ होती जाएगी, वैश्विक पटल पर भारत के लिए अन्य देशों का समर्थन और अधिक मजबूत होता जाएगा। और फिर, उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी एवं भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने का अधिकार भी तो है। भारत की आर्थिक स्थिति जितनी अधिक मजबूत होगी, केंद्र सरकार के सुरक्षा सम्बंधी निर्णय भी उतने ही मजबूत रहेंगे।

संपादकीय

भारत का करारा जवाब

जैसी उम्मीद थी भारत ने पहलगाम हमले का करारा जवाब पाकिस्तान की सरकार, सेना और वहां पल-बढ़ रहे आतंकवादियों को दिया। मंगलवार देर रात सेना के लड़ाकू विमानों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के नौ ठिकानों को जमींदोज कर दिया। इनमें जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के प्रशिक्षण शिविर और मुख्यालय शामिल हैं। खुद पाकिस्तानी सेना ने भारत के इस रणनीतिक हमले को स्वीकारते हुए कहा कि इन हमलों में कम-से-कम 31 लोग मारे गए और 57 अन्य जख्मी हैं।

दरअसल, कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 पर्यटकों की कायरतापूर्वक हत्या किए जाने के बाद से ही देश में उबाल है। सरकार पर इस बात का भारी जन दबाव था कि वह पाकिस्तान को कभी न भूलने वाला सबक सिखाए। उस घटना के बाद से ही यह कयास लगाए जाने लगे थे कि भारत पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करेगा। अच्छी बात यह है कि भारत ने पाकिस्तान के किसी रिहायशी इलाकों में बम नहीं गिराए। बेहद सटीक और गुप्त खुफिया जानकारी के आधार पर सेना ने उन अड्ड़ों को चुना जहां आतंकवादी न केवल ट्रेनिंग लेते हैं बल्कि उनके परिवार के लोग भी शरण पाए हुए थे। स्वाभाविक है, कई दिनों की बैठकों के बाद केंद्र सरकार और सेना के आला अधिकारियों के दिलोदिमाग में था कि इस बार चुन-चुनकर आतंकवादियों को जहन्नुम पहुंचाया जाए। सरकार की हरी झंड़ी मिलते ही सेना अपने काम में जुट गई। हालांकि अभी भी दोनों देशों के बीच भारी तनाव की स्थिति है। पाकिस्तान इतने पर भी यह समझ पाने में असमर्थ है कि आतंकवाद को प्रश्रय देने या उसका इस्तेमाल पड़ोसी मुल्क में करने के नुकसान भयावह हैं, मगर वह इसे मानने को राजी नहीं है। कई सारे देशों ने भारत की कार्रवाई पर संयमित टिप्पणी की है और तनाव को कम करने का सुझाव भी दिया है, मगर लाख टके का सवाल यह है कि पाकिस्तान को समझाने-बुझाने की बजाय तनाव को और ज्यादा बढ़ाने से केवल पाकिस्तान का ही नुकसान होगा। किसी के इशारों या उसकी गोद में खेलने की बजाय पाकिस्तान के हुक्मरानों को आतंकवाद का खेल अब जमीन में गाड़.देना चाहिए। वहां की अवाम को भी अपनी सरकार से अमन और सौहार्द से रहने का दबाव बनाना चाहिए।

चिंतन-मनन

काम में तल्लीनता

एक साधक से पूछा गया-आप साधना करते हैं? उसने कहा, जब भूख लगती है, तब खा लेता हूं और जब नींद आती है, तब सो जाता हूं। यही है मेरी साधना। उसने कहा, बड़ी सीधी बात है। यह तो मैं भी कर सकता हूं। साधक से कहा, अच्छा आओ, भोजन करें। दोनों भोजन करने बैठे। भोजन पूरा हुआ। साधक ने पूछा, भोजन कर लिया? हां, कर लिया।

क्या खाया?

रोटी, शाक, चावल और मिठाई।

केवल भोजन ही किया या कुछ स्मृति और कल्पना भी की? भोजन करते-करते अनेक स्मृतियां सामने आ गई। मीठी-मीठी कल्पनाएं भी कीं। भोजन यंत्रवत चलता रहा और मैं उन स्मृतियों और कल्पनाओं में डूबता रहा। परोसी हुई थाली खाली हो गई। हाथ धोकर उठ खड़ा हुआ। साधक ने कहा, भाई! तुमने भोजन कहां किया? भोजन कहां खाया? तुमने तो स्मृतियां खाई हैं, कल्पनाएं खाई हैं, विचार खाया है, रोटी और मिठाई कहां खाई

केवल रोटी और मिठाई खाना बहुत कठिन होता है। आदमी विचार खाता है, कल्पना खाता है। आयुर्वेद का एक सूत्र है, तन्मना भुजीत- भोजन करते समय इसी बात का ध्यान रहे कि मैं भोजन कर रहा हूं। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से कही हुई बात है, किन्तु साधना की दृष्टि से यह और अधिक महत्वपूर्ण बन जाती है। साधक जो काम करे वह उसी में तन्मय बन जाए अन्यथा व्यक्तित्व खण्डित हो जाता है। डुयल पर्सनेलिटी खतरनाक होती है। जहां खंडित व्यक्तित्व होता है, वहां कोई सम्बन्ध स्थापित नहीं हो सकता।

जय हिंद ... जय हिंद की सेना

राधा रमण

दुनिया जानती है कि मानव सभ्यता के लिए आतंकवाद सबसे बड़ा खतरा है और पड़ोसी देश पाकिस्तान इसका पोषक। इसको लेकर भारत समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय फोरम पर मामला उठाते रहा है। देश की आजादी के बाद से ही पाकिस्तान के शासक और पाकिस्तान की सेना को जब भी मौका मिला उन्होंने भारत और भारतीयों के सीने में खंजर भोंकने की कोशिश की। देश ने हर बार इसका प्रतिवाद किया लेकिन दुष्ट पड़ोसी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता है। आजादी के बाद पाकिस्तान ने 1965, 1971 और 1999 में भारत से आमने-सामने की युद्ध किया और हर बार बुरी तरह पराजित हुआ। उसके सैनिकों तक ने सरेंडर किया। उसकी सैकड़ों एकड़ जमीन भारत के कब्जे में आई। लेकिन हर बार माफी मांगने के बाद भारत ने उसे माफ कर दिया। कहने की जरूरत नहीं कि दुनिया को अब पता चल गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में आज का भारत नया भारत है। यह न तो किसी पर अन्याय करता है न अन्याय सहता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तो वर्षों से कहते रहे हैं कि ह्यहम किसी को छेड़ेंगे नहीं और अगर किसी ने अकारण छेड़ा तो छोड़ेंगे भी नहीं।ह्य

ताजा मामला पिछले माह की 22 अप्रैल का है जब परिवार के साथ पहलगाम के बायसरन घूमने गए निहत्थे पर्यटकों पर पाकिस्तान पोषित आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी और धर्म पूछ-पूछकर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी। दुखद और दर्दनाक यह कि उन्होंने महिलाओं के सामने ही उनके पतियों को मारकर उनकी मांग का सिन्दूर पोंछ दिया। यही नहीं तब से लेकर 6 मई की रात तक पाकिस्तानी सेना सीमा पर लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन करती रही। आखिर भारत कब तक चुप बैठता ! हमारे प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री लगातार दुनिया के देशों को पाकिस्तान की हरकत बताते रहे, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। आखिर में सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर देश के विपक्षी दलों से उनकी राय पूछी तो सबने मुक्तकंठ से सरकार को देश रक्षा के लिए कदम उठाने की खुली छूट दे दी। नतीजतन, राष्ट्रपति की सलाह पर सरकार ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए सेना को फ्री हैंड दे दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय बेटियों के सामने उनकी मांग का सिन्दूर पोंछनेवाले आतंकियों को सबक सिखाने के लिए इस मिशन का नाम ह्यऑपरेशन सिन्दूरह्न रखा और कहा कि, समय, स्थान और तरीका सेना खुद तय करे।

फिर 6-7 मई की रात जो कुछ हुआ उसे दुनिया ने देखा। रात 1.05 बजे से 1.30 बजे के बीच महज 25 मिनट के सैन्य ऑपरेशन में हमारे जांबाज सैनिकों ने पाकिस्तानी आतंकियों की चूल हिला दी। पाकिस्तान सीमा के भीतर 100 किलोमीटर घुसकर उसके नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसमें जैश-ए-मोहम्मद का प्रशिक्षण स्थल बहावलपुर में मरकज सुभानअल्लाह, तेहरां कला स्थित सरजाल, कोटली में मरकज अब्बास और मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल शामिल है। इसी तरह लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी ठिकाने मुरीदके में मरकज तैयबा, बरनाला में मरकज अहले हदीस और मुजफ्फराबाद में सवाई नाला पर बम बरसाये गए। इसके अलावा हमारे जाबांज हिजबुल मुजाहिद्दीन की शरणस्थली कोटली का मरकज राहिल शाहिद (गुलपुर कैंप) और सियालकोट स्थित मेहमूना जोया पर काल बनकर टूटे। लक्षित हमले में पांच गुलाम कश्मीर (पीओके) और चार पाकिस्तान के हैं। भारतीय सेना के हमले में जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के नौ परिजन और 5 शागिर्द भी मारे गए हैं। बताया तो यह भी जाता है कि इनमें मसूद अजहर का छोटा भाई अब्दुल रऊफ अजहर भी मारा गया। अब्दुल रऊफ जैश-ए-मोहम्मद का ऑपरेशन हेड होने के साथ-साथ मसूद अजहर का दाहिना हाथ माना जाता था। बताया जाता है कि अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या अब्दुल रऊफ अजहर ने ही की थी। वर्ष 1999 में हुए भारतीय विमान आईसी-814 के अपहरण में भी अब्दुल रऊफ अजहर का नाम आया था। उसे विमान अपहरण का मास्टर माइंड बताया गया था। उस मामले में तत्कालीन सरकार ने जिन तीन आतंकियों को जेल से रिहा किया था, उसमें मसूद अजहर भी शामिल था।

आजकल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पिछले 25 वर्षों से निरीहों की मौत का सौदागर मसूद अजहर अपनों की मौत पर जार-जार रोते दिखाई पड़ रहा है। रोते-रोते वह कहता है कि ह्ययह देखने से पहले काश, मैं भी मर गया होता।ह्य मसूद अजहर पहले हरकत-उल-मजाहिद्दीन और हरकत-उल-अंसार का कमांडर हुआ करता था। आजकल पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की पनाह में एबटाबाद के किसी गुप्त ठिकाने पर मुंह छिपाकर बैठा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर छापामार हमले के बाद सर्वदलीय बैठक में ब्यौरा देते हुए बताया कि भारतीय सैन्य हमले में सौ से अधिक आतंकी मारे गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ह्यऑपरेशन सिन्दूरह्न अभी बंद नहीं किया गया है। अभी तक हमने पाकिस्तानी नागरिकों और सैन्य ठिकानों पर आक्रमण नहीं किया है। हमने अभी केवल कुछ आतंकी ठिकाने नष्ट किये हैं। यह बानगी भर हैं। हम पाकिस्तान के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं। अगर, इतने पर भी नापाक पाकिस्तान अपनी हिमाकत और हरकत से बाज नहीं आया तो भारत फिर धावा बोलेगा। हमारी सेना पाकिस्तान से सीधी लड़ाई के लिए भी कमर कसकर तैयार है। निःसंदेह ऐसा कहकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गेंद पाकिस्तान के पाले में डाल दी है। भारतीय सैनिकों की जांबाजी से पाकिस्तान के हौसले पस्त हो गए हैं। कल तक परमाणु हथियार की गीदड़भभकी देनेवाले पाकिस्तानी राजनेता अब विश्व समुदाय के पास भारत से बचाने की गुहार लगाते फिर रहे हैं। हालांकि आतंक की फैक्ट्री बन चुके पाकिस्तान में वहां के राजनेताओं की कम ही चलती है। वहां सरकार पर सेना का नियंत्रण रहता है और आतंकियों को सेना की शह मिलती रही है। यही कारण है कि 8 मई की रात आतंकियों के समर्थन में पाकिस्तानी सेना ने जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी, मेंढर, पुंछ, अवंतीपोरा, सांबा, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, जैसलमेर, फालोदी, भुज आदि कई स्थानों पर 50 से अधिक मिसाइल और आत्मघाती ड्रोन से हमला कर दिया जिसे भारतीय सेना ने आकाश में ही नाकाम कर दिया। यही नहीं, जवाबी कार्रवाई में भारत ने पाकिस्तान का लाहौर और कराची स्थित एयर डिफेन्स सिस्टम और रावलपिंडी का स्टेडियम तबाह कर दिया। भारत ने ह्यऑपरेशन सिन्दूरह्न के तहत पाकिस्तान के आतंकी शिविरों को निशाना बनाया था लेकिन पाकिस्तान भारत से खुला युद्ध करने और आमादा है। दूसरी तरफ उसकी आतंरिक स्थिति भी ठीक नहीं है। आर्थिक मोर्चे पर बेहाल पाकिस्तान को बलूच विद्रोहियों से निपटना भी मुश्किल हो रहा है। समय-समय पर बलूच लिबरेशन आर्मी के लड़ाके पाकिस्तानी सैनिकों को मारते-पीटते रहते हैं। इसके अलावा पीओके का बड़ा तबका भारत में घुसने और पनाह के लिए तैयार बैठा है।

इससे पहले कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बायसरन हमले के बाद देश की जनता आशा-भरी निगाह से सरकार की ओर देख रही थी। इसलिए जो कुछ हुआ, वह होना ही था। भारत हमेशा से अहिंसा का पुजारी रहा है, आज भी है, लेकिन हम अपने नागरिकों की सुरक्षा करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। यह नया भारत है जो दुश्मन की आँख में आँख डालकर बात करता है। कोई हमारी तरफ गलत नजर रखेगा तो हम उसको उसी की भाषा में जवाब देना जानते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यवहार कुशलता के कारण अमेरिका, रूस, फ्रांस समेत दुनिया के अधिकांश देश यह मानते हैं कि भारत को अपनी सुरक्षा करने का पूरा हक है। बायसरन में पिछले माह जो हुआ उसे कत्तई सही नहीं ठहराया जा सकता। बायसरन की घटना मानवीयता को शर्मसार करनेवाली है। इस बीच, अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसद रो खन्ना ने पाकिस्तान आर्मी चीफ को तानाशाह बताते हुए कहा कि पाकिस्तान भारत के हमले का पलटवार करने की गलती नहीं करे, अन्यथा उसे भारी पड़ेगा।

बहरहाल, दोनों देश युद्ध के मुहाने पर खड़े हैं। पाकिस्तानी सेना के दबाव में वहां के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ आतंकियों की मौत का बदला लेने की बात कर रहे हैं। दुनिया ने देखा कि आतंकियों के अंतिम संस्कार में वहां की सेना के बड़े अधिकारी और राजनेता कैसे मातम मना रहे थे। इधर, भारत के जांबाज सैनिक पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने की बाट जोह रहे हैं। हालांकि युद्ध किसी समस्या का निदान नहीं है। लेकिन राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर इस बात से इत्तेफाक नहीं रखते। तभी तो वह ह्यकुरुक्षेत्रह्न में लिखते हैं कि -

युद्ध को तुम निन्द्य कहते हो, मगर,
जब तलक हैं उठ रहीं चिनगारियाँ
भिन्न स्वर्थों के कुलिश-संघर्ष की,
युद्ध तब तक विश्व में अनिवार्य है।

जेनेरिक दवाएं लिखने के कानूनी आदेश का उजाला

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को मरीजों के लिए जेनेरिक दवाइयां लिखने एवं किसी विशेष कंपनी की दवाइयां न लिखने की नसीहत देकर न केवल गरीब मरीजों को राहत पहुंचाई है बल्कि चिकित्सा क्षेत्र में व्याप्त मनमानी, मूल्यहीनता, रिश्वत एवं अनैतिकता पर अंकुश लगाने की दिशा में सराहनीय एवं प्रासंगिक पहल की है। सुप्रीम कोर्ट से पहले राजस्थान उच्च न्यायालय ने भी ऐसा ही फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की पीठ संदीप मेहता, विक्रम नाथ और संजय करोल ने दवा कंपनियों से जुड़ी याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है। इस याचिका में दवा कंपनियों पर मनमानी एवं रिश्वतखोरी का आरोप लगाया गया था। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर पूरे देश में इस फैसले का पालन हो, तो इससे अहम सुधार हो सकता है। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा- डॉक्टरों पर अक्सर दवा कंपनियों से रिश्वत लेने का आरोप लगता है। ऐसे में अगर डॉक्टर जेनेरिक दवाएं लिखेंगे, तो उनपर लगने वाले इल्जाम का मुद्दा भी हल हो जाएगा। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक दवाओं का लाभ मिल सकेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जेनेरिक दवाइयों को जनव्यापी बनाने की दिशा में सार्थक पहल की है। पूरी दुनिया में जेनेरिक दवाइयों को ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए व्यापक स्तर पर काम हो रहा है, लेकिन दवा माफिया इसमें बाधाएं खड़ी कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता से दवा कंपनियों व चिकित्सकों के अपवित्र गठबंधन को तोड़ा जा सकता है, जो बड़ी आबादी की एक बड़ी समस्या का सटीक समाधान होगा।

निश्चित ही डॉक्टर अगर सिर्फ जेनेरिक दवाएं लिखें तो दवा कंपनियों की रिश्वतखोरी बंद हो सकती है। शीर्ष अदालत उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें फार्मास्युटिकल मार्केटिंग की समान संहिता पर कानून बनने तक दवा कंपनियों की अनैतिक विपणन प्रथाओं को नियंत्रित करने के दिशा-निर्देश की मांग की गई थी। भारत में किफायती जेनेरिक दवाओं का उत्पादन एवं प्रचलन एक जीवन रेखा है, लेकिन इसके गुणवत्ता के आश्वासन को मजबूत करने के साथ डाक्टरों की मनमानी पर नियंत्रण करना होगा, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय की पहल एक रोशनी बनेगा। आज जबकि देश में लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज एवं महंगी दवाइयां बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये जेनेरिक दवाओं पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इजाफा हुआ है। मोदी सरकार ने जेनेरिक दवाओं को ज्यादा स्वीकार्य बनाने एवं सर्वसुलभ कराकर एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात किया है।

जेनेरिक दवाएं, जो ब्रांडेड दवाओं का सस्ता विकल्प होती हैं, वही सक्रिय तत्व (एक्टिव इंग्रेडिएंट) रखती हैं और उतनी ही प्रभावी होती हैं। फिर भी, इनका उपयोग भारत में अपेक्षाकृत कम है, क्योंकि डॉक्टरों पर कोई बाध्यकारी कानून नहीं है। हालांकि, भारतीय मेडिकल काउंसिल ने डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, लेकिन ये बाध्यकारी नहीं, एक स्वैच्छिक संहिता है, जिसका पालन डाक्टर अपनी मर्जी से करते हैं। कोर्ट ने दवा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर तत्काल रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की आवश्यकता पर बल दिया। कोर्ट की यह टिप्पणी स्वास्थ्य क्षेत्र की दिशा में एक अहम कदम हो सकता है। यहीं नहीं, आम जनता को सस्ती और सुलभ दवाओं का भी मार्ग प्रशस्त हो सकता है। भारत में दवा उद्योग एक विशाल और जटिल क्षेत्र है, जहां दवा कंपनियां अक्सर अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए अनैतिक तरीकों का सहारा लेती हैं। ये कंपनियां डॉक्टरों को मुफ्त उपहार, विदेश यात्राएं, महंगे रात्रिभोज और अन्य प्रलोभन देकर अपनी ब्रांडेड दवाओं को प्रचारित करने के लिए प्रेरित करती हैं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

हलदिया-बरौनी पाइप लाइन से लाखों का क्रूड ऑयल चोरी

क्राइम संवाददाता द्वारा

मधुपुर. थाना क्षेत्र के बदिया के निकट हलदिया-बरौनी पाइप लाइन को क्षतिग्रस्त कर लाखों की क्रूड ऑयल की चोरी का मामला सामने आया है. घटना गुरुवार की रात के करीब डेढ़ बजे की बताया जा रही है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि रात को क्रूड ऑयल पाइप लाइन का प्रेशर कम मिलने पर जसीडीह स्थित नियंत्रण कक्ष ने इसकी सूचना अपने विभागीय अधिकारियों समेत तत्काल पुलिस को दी. इसके बाद आइओसी के कर्मी समेत पुलिस भी सक्रिय हुई. बताया जाता है कि पेट्रोलिंग के दौरान मधुपुर के बदिया में पाइप लाइन को क्षतिग्रस्त कर तेल निकालने का मामला सामने आया है, लेकिन घटना स्थल पर पुलिस व आइओसी के कर्मी के पहुंचने से पूर्व ही टैंकर लेकर तेल चोरी करने वाले गिरोह के सदस्य भागने में सफल रहे. घटनास्थल के निकट टैंकर के वाहन के निशान भी मिले हैं. हालांकि कितने लीटर ऑयल की चोरी हुई है. यह अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है. पर एक टैंकर तेल की कीमत भी लाखों में होती है. घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक के अलावा मधुपुर थाना के पुलिस ने भी पहुंच कर मामले की जांच की. विभागीय स्तर पर भी जांच की जा रही है. बताते चले कि इससे पूर्व भी मधुपुर के बदिया में पाइप लाइन को क्षतिग्रस्त कर क्रूड ऑयल चोरी किये जाने की घटना सामने आ चुकी है. इस दौरान टैंकर के खेत में फंस जाने के कारण पुलिस ने स्थल से टैंकर भी बरामद किया था. इस मामले में फिलहाल पुलिस कुछ भी कहने से इंकार कर रही है.

बिल बकाया होने पर भी अस्पताल नहीं रोक सकेंगे डेड बॉडी, झारखंड में लागू

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची। किसी मरीज की मृत्यु के बाद बिल भुगतान नहीं होने पर कोई अस्पताल शव को रोक नहीं सकेगा।

राज्य सरकार ने केंद्र के इस निर्देश को सख्ती से लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग ने सभी उपायुक्तों तथा सिविल सर्जनों को पत्र भेजकर केंद्र के इस निर्देश को लागू करने को कहा है। सभी उपायुक्तों और सिविल सर्जनों को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मरीजों की शिकायतों को सुलझाने एवं चिकित्सा सेवा को बेहतर बनाने के लिए एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत पेंशेंट राइट एवं रेस्पांसिबिलिटी चार्टर को लागू किया गया है। साथ ही सभी अस्पतालों को इसे प्रदर्शित भी करना है। इस चार्टर में कहा गया है कि कोई अस्पताल किसी कारण से मरीज का शव रोक नहीं सकता। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस एक्ट के तहत सभी अस्पतालों को मरीजों के शव को शीघ्र और सम्मानूपर्वक परिजनों को सौंपने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पत्र में यह भी कहा गया है कि शव को नहीं रोकने के निर्देश के बाद भी निजी अस्पतालों में बिल का भुगतान नहीं होने पर शव रोके जाने की शिकायतें अक्सर आती रहती हैं।

उठती रही है ये बात : विभाग की समीक्षा बैठकों में भी यह विषय उठता रहा है। इसलिए सभी उपायुक्त और सिविल सर्जन अपने जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों को इस नियम को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश देने की कार्रवाई की जाए।

बताते चलें कि स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी भी कई मौके पर कह चुके हैं कि कोई निजी अस्पताल मरीज के शव को रोक नहीं सकता। ऐसा करने पर संबंधित अस्पताल के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आम्रपाली: कोल उत्पादन मे 50 फीसदी की गिरावट, सीसीएल परेशान

संवाददाता द्वारा

टंडवा। पिछले साल बाइस सौ करोड़ की विशुद्ध मुनाफा देने वाली आम्रपाली कोल परियोजना का कोल उत्पादन क्षमता 50 फीसदी कम हो गयी है। इसके पीछे पर्याप्त जमीन न मिलना बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार 31 मार्च से पूर्व आम्रपाली में हर रोज 75 से 80 हजार टन कोयले की उत्पादन थी। परन्तु आम्रपाली टंडवा रोड डायवर्ट नहीं होने से कोयले की उत्पादन हर रोज 40 से 45 हजार टन की रह गयी। पिछले 38 दिनों से यही तस्वीर है। इससे कोल इंडिया से लेकर सीसीएल के सीएमडी खासे परेशान हैं। सीएमडी के माथे पर पसीना तड़क रहा है।

एक समय था कि जब शिवपुर रेलवे साइडिंग से हर रोज 15 से 16 रैक कोयले की डिस्पैच थी पर अभी 8 रैक कोयले की बिक्री हो रही है। बताया गया कि फौरेस्ट लैंड का 431 हेक्टेयर जमीन का दिल्ली से स्टेज टू का अनापत्ति प्रमाण पत्र सीसीएल को नहीं मिला है। वहीं आम्रपाली टंडवा मेन रोड डायवर्ट नहीं होने से कोयले की उत्पादन में गिरावट आयी है। अधिकारियों की मानें तो 2025-26 में आम्रपाली को 28 मिलियन टन कोयले की उत्पादन का लक्ष्य है। इधर कोयले की उत्पादन कम होने से रोड सेल के कोयले की बिक्री भी प्रभावित हुआ है। इस मामले में पीओ अकरम का कहना है कि कोल उत्पादन में कमी जरूर आई है पर जल्द ही समाधान कर लिया जायेगा।

आम्रपाली टंडवा मेन रोड डायवर्ट नहीं होने से कोयले की उत्पादन में गिरावट आयी है. इधर कोयले की उत्पादन कम होने से रोड सेल के कोयले की बिक्री भी प्रभावित हुई है. इसके पीछे पर्याप्त जमीन नहीं मिलना बताया जा रहा है. इस मामले में पीओ अकरम का कहना है कि कोल उत्पादन में कमी जरूर आई है पर जल्द ही समाधान कर लिया जायेगा।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न, मिशन वात्सल्य योजना व बाल संरक्षण पर हुई विस्तृत चर्चा

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की एक अहम बैठक जिला समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित की गई। बैठक में मिशन वात्सल्य योजना की विस्तृत जानकारी दी गई तथा बाल संरक्षण के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 170 बच्चों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ दिया जाएगा। उपायुक्त ने बाल कल्याण समिति के कार्यों की समीक्षा करते हुए पदाधिकारी को निर्देश दिया कि चिन्हित बच्चों को सभी कल्याणकारी योजनाओं से शीघ्र जोड़ते हुए उनका समुचित संरक्षण सुनिश्चित किया जाए।बैठक में पंचायती राज विभाग द्वारा गठित महिला, शिशु एवं सामाजिक कल्याण समिति के अंतर्गत कार्य कर रही जिला परिषद समिति, प्रखंड स्तरीय समिति एवं पंचायत स्तरीय समितियों के कार्यों की भी समीक्षा की गई। इन समितियों के माध्यम से महिला एवं बच्चों से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी कार्रवाई हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। विशेष किशोर पुलिस इकाई (एस जे पी यू) द्वारा बाल मित्र थाना एवं जिला बाल संरक्षण इकाई (डी सी पी यू) के साथ की जा रही मासिक समीक्षा बैठक पर भी चर्चा हुई। साथ ही श्रम विभाग द्वारा संचालित धावा दल के मासिक अभियान, जिसमें बाल विवाह, बाल श्रम, बाल व्यापार एवं पोक्सो एक्ट के तहत प्रस्तुत मामलों पर कार्रवाई होती है, की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने इन मामलों में बच्चों के पुर्नवास, विद्यालय में नामांकन, कौशल प्रशिक्षण एवं परिवार को योजनाओं से जोड़ने पर विशेष बल दिया। इसके अतिरिक्त, सीसीआई (चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूशन) एवं एसएए (विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी) के लिए स्थायी भवन की व्यवस्था, बालगृह में रह रहे बच्चों की नियमित मासिक स्वास्थ्य जांच एवं दत्तक ग्रहण हेतु चयनित बच्चों के लिए चिकित्सकीय प्रतिवेदन तैयार करने हेतु विशेषज्ञ डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति पर भी विचार हुआ। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया, जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी पंकज झा, श्रम अधीक्षक वीरेन्द्र नाथ महतो, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, नगर प्रशासक (साहेबगंज, राजमहल, बरहरवा) सहित चाइल्डलाइन से जुड़े कर्मी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के अंत में उपायुक्त ने बाल हित में कार्य कर रहे सभी विभागों के समन्वय पर जोर देते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी बच्चा सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

संजीव कुमार हत्याकांड मे दो युवक गिरफ्तार

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। जिरवाबाड़ी थाना में आज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी साहिबगंज किशोर कुमार तिर्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि दिनांक-04 मई 25 को नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कॉलेज रोड चैती दुर्गा के पास जी0 एस0 इलेक्ट्रोनिक्स मालिक राजीव कुमार गुप्ता उर्फ गुड्डु, पिता- स्व0 गौरी शंकर साह को उनके दुकान में घुसकर दो अज्ञात अपराधियों के द्वारा गोली मार दी गयी थी, जिसमे इलाज के क्रम में उनकी मृत्यु हो गई। इस संबंध में नगर थाना कांड सख्या- 74/25, दिनांक 05 मई 25, धारा- 103(1) बीएनएस एवं 27 आर्म्स एक्ट अंकित किया गया है। घटना के गंभीरता को देखते पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह साहेबगंज के द्वारा नितिन खण्डेलवाल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बरहरवा के नेतृत्व में कांड के उद्भेदन एवं अपराधकर्मी की गिरफ्तारी हेतु एक एसआईटी टीम का गठन किया गया था। पुलिस अधीक्षक साहेबगंज के द्वारा गठित एसआईटी टीम के द्वारा पूर्व मे ही इस घटना में शामिल तीन अभियुक्त मनीष कुमार मंडल, कुश कुमार मंडल एवं बिनोद कुमार ताती को इस घटना में प्रयुक्त देशी पिस्टल और जिंदा 42 पीस गोली, एवं हत्था हेतु मारने के लिये मिले पैसे एवं मनीष कुमार मंडल के द्वारा घटना के समय पहने गये कपड़ो को बरामद किया गया था। पुलिस अधीक्षक द्वारा गठित एसआईटी के द्वारा इस कांड में संलिप्त छंगुरी रजक उर्फ चुटरा, उम्र 20 वर्षीय, पिता गोनी रजक, साकिन प्रेमनगर, थाना जिरवाबाड़ी को गिरफ्तार किया गया। छंगुरी रजक उर्फ चुटरा के निशानदेही पर गोविन्द कुमार मंडल, उम्र 27 वर्षीय, पिता बलदेव मंडल, पता- बुधबरिया, थाना राजमहल, के आवास पर छापामारी कर इस कांड में संलिप्त एक देशी कट्टा, जिंदा 2 पीस गोली एवं घटना के समय फायर किया गया खोखा को बरामद किया गया है। दोनों अभियुक्त को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। कांड में शामिल अन्य अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी की जा रही है। मौके पर छापामारी दल में पुनि राजीव रंजन, पुलिस निरीक्षक, नगर प्रभाग साहेबगंज, पुनि अमित कुमार गुप्ता सह थाना प्रभारी, नगर थाना, पुअनि शशि सिंह, थाना प्रभारी, जिरवाबाड़ी थाना, पुनि लब कुमार, थाना प्रभारी, गंगा नदी बाना, पुनि अनिश कुमार पाण्डेय नगर थाना, पुअनि प्रदीप कुमार महतो, नगर थाना, आरक्षी 40 अभिषेक राज, टाईगर मोबाईल, नगर थाना, आरक्षी 227 अंकुर कुमार, टाईगर मोबाईल, नगर थाना, शामिल थे।

साहेबगंज जिले के ग्रामीणों को राहत: अब चापाकल और जलमिनार मरम्मती की शिकायत सीधे प्रखंड अधिकारियों को करें

• जिला प्रशासन ने जारी की प्रखंडवार अधिकारियों की सूची, पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान की तैयारी

आदिवासी एक्सप्रेस/अजय कुमार कुशवाहा

गर्मी के मौसम में पेयजल संकट को देखते हुए साहेबगंज जिला प्रशासन ने आम नागरिकों की सुविधा के लिए एक अहम कदम उठाया है। जिले के सभी प्रखंडों में खराब चापाकल व जलमिनार की मरम्मती हेतु सीधे संपर्क करने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की सूची जारी की गई है। अब ग्रामीणों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने होंगे, बल्कि वे सीधे संबंधित अधिकारी को फोन कर समस्या दर्ज करा सकते हैं।

जिम्मेदार अधिकारी और उनके मोबाइल नंबर इस प्रकार हैं:

बरहेट प्रखंड
सुनील दास, प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी - 7461006468
बरहरवा प्रखंड
अरुण कुमार साह, प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी - 9199392294
बोरियो प्रखंड
प्रीति झा, प्रखंड समन्वयक (पंचायत राज स्वशासन परिषद) - 7979851804
परमानंद मंडल, प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी - 5789771175
मंडरो प्रखंड
विमल हांसदा, प्रखंड समन्वयक - 5205483552
दयानंद प्रसाद साह, प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी - 8002814310
साहेबगंज प्रखंड
तपन कुमार, प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी - 7485488053
राजमहल प्रखंड
अभिजीत कुमार, प्रखंड समन्वयक - 7979962115
गुरु बेसरा, प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी - 7061181064
पतना प्रखंड
शुभम् कुमार, प्रखंड समन्वयक - 8981446636
सूर्यनारायण चौधरी, प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी - 7070640307
तालझारी प्रखंड
परमेश्वर किस्कु, प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी - 7033688989
उधवा प्रखंड
विनोद मरांडी, प्रखंड समन्वयक - 7061532744
जनकदेव यादव, प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी - 7909013880

जनता से अपील

जिला प्रशासन ने जनता से आग्रह किया है कि किसी भी पंचायत क्षेत्र में चापाकल या जलमिनार के खराब होने की स्थिति में घबराएं नहीं, सीधे उपरोक्त अधिकारियों को फोन करें। सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे शिकायतों को गंभीरता से लें और जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित करें।

साहिबगंज पहुंचे जहां उन्होंने सबसे पहले साहिबगंज रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। मालदा रेल मंडल के प्रभारी डीआरएम यतीश कुमार सहित अधिकारियों ने शुक्रवार को विशेष सैलून से साहिबगंज पहुंचे। जहां उन्होंने सबसे पहले साहिबगंज रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चल रहे अमृत भारत योजना का जायजा लिया, वहीं कई सारे कमियों पर नाराजगी जाहिर किया, कहा कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतें, सिस्टम के तहत कार्य करें, यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसका ध्यान रखें। वही साहिबगंज टाइगर विचार मंच के द्वारा ईआरएमसी कार्यालय में रविंद्र नाथ टैगोर की 164 वीं जयंती कार्यक्रम में प्रभारी डीआरएम यतीश कुमार शामिल हुए, वहीं डीआरएम ने कहा कि रविंद्र नाथ टैगोर के रचित कविताएं उपन्यास राष्ट्र प्रेम को जगाता है, वहीं मंच के अध्यक्ष डॉ रंजीत कुमार सिंह, सचिव हिमांशु शेखर गुहा, सुधीर श्रीवास्तव, संतोंना पाल ने रविंद्र नाथ टैगोर की प्रतिमा को स्टेशन परिसर के मुख्य केंद्र में लगाने का अनुरोध किया, जिस पर डीआरएम ने हामी भरी। इस दौरान डीआरएम सहित रेलवे अधिकारियों ने झरना कॉलोनी स्थित डीएमयू मेंटेनेंस सेड, नॉर्थ कॉलोनी स्थित रेलवे जेनरल इंस्टीच्यूट कु-बुकिंग लॉबी के अलावे ईआरएमयू कार्यालय में भी रविंद्र नाथ टैगोर की जयंती में शामिल हुए। इस मौके पर मालदा डीईएन कोर्डिनेशन नीरज कुमार, डीओएम अमरेंद्र कुमार, डीएमई रत्नेश कुमार, डीईई ओपी राज बहादुर, डीईई जी चंद्रकुमार पटेल, डीईएन विद्युत मंडल, के आलावा साहिबगंज के एईएन वेदव्यास शरण, आइओडब्लू चितरंजन मंडल, स्टेशन अधीक्षक राजहंस पाठक, आरपीएफ इंस्पेक्टर गुलाम सरवर, ईस्टर्न रेलवे मेंस कांग्रेस के सचिव राकेश कुमार, ईस्टर्न रेलवे में यूनियन के सचिव अनिल राय, भारत स्काउट गाइड के उमाशंकर सिंह सहित स्काउट गाइड के सदस्य व आरपीएफ मौजूद थे।

सिमरिया प्रखंड के पिरी पंचायत में श्री राम हनुमान शिव मंदिर का भूमि पूजन में शामिल हुए लोकप्रिय नेता जीतन राम

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम

टंडवा- (चतरा) विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सिमरिया प्रखंड के पिरी पंचायत में श्री राम हनुमान शिव मंदिर का भूमि पूजन में शामिल हुए सिमरिया विधानसभा लोकप्रिय नेता जीतन राम, इस घड़ी के शुभ बेला में ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं तमाम पदाधिकारी के साथ में पिरी पंचायत के हजारों भक्तगण इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जीतन राम ने कहा यह मंदिर चतरा जिले के सिमरिया प्रखंड का ऐतिहासिक मंदिर होगा जो काफी भव्य और सुंदर के साथ-साथ 10 एकड़ भूमि में बनेगा।

एनटीपीसी के आर ई डी (कोयला खनन) नवीन जैन ने पीबी का दौरा किया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

बड़कागांव बड़कागांव। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना का शुक्रवार को क्षेत्रीकोयला य कार्यकारी निदेशक (कोयला खनन), नवीन जैन ने अवसंरचना विकास और परियोजना प्रगति की समीक्षा हेतु औपचारिक दौरा किया। ढेंगा स्थित आर एंड आर कॉलोनी में आगमन पर परियोजना प्रमुख, सुब्रत कुमार दाश ने स्वागत किया। आरईडी ने कॉलोनी में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया और तत्पश्चात सिकरी साइट कार्यालय का दौरा किया, जहां उन्होंने नव-निर्मित एक- आवासीय इकाइयों का जायजा लिया। अपने दौरे के दौरान श्री जैन ने कर्मचारियों और हितधारकों के लिए गेस्ट हाउस सहित सभी आवश्यक सुविधाओं और आवासीय इकाइयों के समयबद्ध निर्माण के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने इन बुनियादी ढांचों को कर्मचारियों के सुगम संचालन और जीवन-स्तर को बेहतर बनाने की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक बताया। स्थल निरीक्षण के बाद, श्री जैन ने परियोजना सम्मेलन कक्ष में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें परियोजना प्रमुख एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक में उन्हें परियोजना में चल रही प्रमुख पहलों, नवीन विकास कार्यों तथा समग्र प्रगति की विस्तृत प्रस्तुति दी गई। यह दौरा एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की कोयला खनन परियोजनाओं में उच्चस्तरीय संचालन, मजबूत अवसंरचना और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। मौके पर कार्यक्रम में मानव संसाधन अपर महाप्रबंधक अमित कुमार अस्थाना के अलावा एनटीपीसी के कई वरीय पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

प्रस्तावित कहीं के लिए, बन कहीं और रही है सड़क

अवैध बालू से ही पीसीसी पथ का हो रहा है कार्य

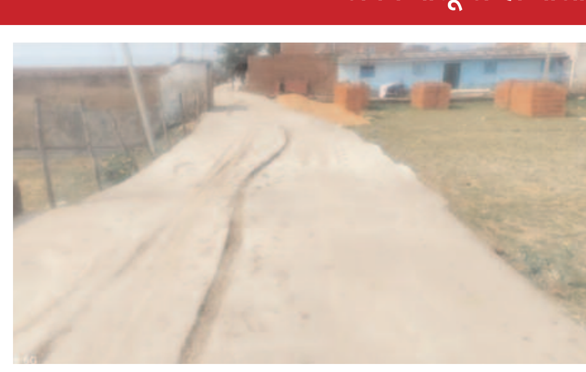

बड़कागांव संजय कुमार

बड़कागांव। प्रखंड के डाड़ी कलां पंचायत के डाड़ी कलां मोड़ से चेपा खुर्द तक पीसीसी पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य किया जारहा है जिसका शिलान्यास बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी ने बीते 5 मई को किया। लेकिन बड़कागांव में विभागीय अभियंताओं और संवेदकों की मिलीभगत से इस योजना का मजाक उड़ रहा है। डाड़ी कलां मोड़ में झारखंड सरकार ग्रामीण कार्य विभाग, प्रमंडल हजारीबाग, प्रखंड बड़कागांव डाड़ी मोड से मंझली डाड़ी तक पथ सुदृढ़ीकरण का बोर्ड लगाया गया है। जिसमें साफ लिखा हुआ है कि डाड़ी मोड़ से मंझली डाड़ी के लिए स्वीकृत है। लेकिन वास्तव में सड़क का निर्माण कहीं और कराया जा रहा है। विभाग की इस मनमानी से स्थानीय ग्रामीण हैरान हैं। सड़क का सुदृढ़ीकरण डाड़ी कलां मोड़ से चेपा खुर्द तक कराई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि डाड़ी कलां से मंझली डाड़ी को जोड़ने के लिए कोई सड़क है ही नहीं जिसका शिला पट्ट में उल्लेख है। अब सवाल यह है की इस सड़क से किसको फायदा होने वाला है जबकि डाड़ी कलां पंचायत के मंझली डाड़ी एवं उपरैली डाड़ी एनटीपीसी के पंकरी बरवाडीह कोल् खनन परियोजना के कारण विस्थापित हो चुका है वहीं बचे हुए गांव को भी पूर्ण रूप से विस्थापित होना है। वहीं इस पीसीसी पथ सुदृढ़ीकरण में अवैध बालू से ही पीसीसी पथ का कार्य हो रहा हैं। भारी मात्रा में अवैध बालू ट्रक्टरों से जमा किया जा रहा है। उक्त बालू का उपयोग सड़क निर्माण में हो रहा है, जिससे सरकार को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। इनमे सरकार का पैसा अभियंताओं और संवेदकों के खेल की भेंट चढ़ता दिख रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गिरिडीह में दिल दहला देने वाली घटना: पत्नी ने पति से विवाद के बाद तीन बच्चों संग कुएं में लगाई छलांग, मासूमों की मौत

गिरिडीह, प्रतिनिधि। जिले के देवरी थाना क्षेत्र के खसलोडीह गांव में शुक्रवार दोपहर करीब 11 बजे पारिवारिक विवाद के चलते आरती देवी नामक महिला ने अपने तीन छोटे बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगा दी। इस दुखद घटना में छह वर्षीय अविनाश कुमार, चार वर्षीय रानी कुमारी और ढाई वर्षीय फूल कुमारी की मौत हो गई, जबकि आरती देवी को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खेत में काम कर रहे ग्रामीणों की नजर घटना पर पड़ी, जिसके बाद शोर मचाकर उन्होंने बच्चों और महिला को कुएं से बाहर निकाला। देवरी पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है और बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार परिवार हादसे का शिकार, चार घायल

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले के तिसरी थाना क्षेत्र के थम्भाचक में गुरुवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जब शादी समारोह से लौट रहे एक परिवार की बाइक को तेज रफ्तार बोलेरो ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में पिहरा मानपुर निवासी दिलीप विश्वकर्मा, उनके पुत्र भोला व दो बेटियाँ कोमल और नंदनी घायल हो गए। सभी गिरकर सड़क किनारे जा गिरे, जबकि बोलेरो चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर तिसरी पुलिस मौके पर पहुँची और स्थानीय युवक आकाश कुमार की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 164वीं जयंती सलूजा गोल्ड स्कूल में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई

गिरिडीह, प्रतिनिधि। सलूजा इंटरनेशनल स्कूल में नोबेल पुरस्कार विजेता और महान कवि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 164वीं जयंती बड़े श्रद्धाभाव और सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्या ममता शर्मा, उप प्राचार्य सूरज कुमार लाला, शिक्षकों और छात्रों द्वारा गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। विद्यार्थियों ने टैगोर की प्रसिद्ध कहानी काबुलीवाला पर आधारित नाटक और एक बंगाली गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। मंच का संचालन चंद्रमल्लिका घोष ने किया। विद्यालय की निर्देशक रमनप्रीत कौर ने टैगोर को एक बहुमुखी प्रतिभा का धनी बताते हुए कहा कि उन्होंने केवल साहित्य ही नहीं, बल्कि संगीत, चित्रकला और समाज सुधार के क्षेत्र में भी अतुलनीय योगदान दिया। टैगोर की रचनाएं भारतीय संस्कृति की आत्मा को दर्शाती हैं और उन्होंने अपनी लेखनी से भारत को विश्वपटल पर पहचान दिलाई। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने गुरुदेव के विचारों और उनके योगदान को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

जमुआ विधायक से मिले प्रज्ञा केंद्र संचालक संघ के प्रखंड अध्यक्ष, सौंपा ज्ञापन

जमुआ, प्रतिनिधि। शुक्रवार को प्रज्ञा केंद्र संचालक संघ के प्रखंड अध्यक्ष आशीष कुमार सिन्हा ने जमुआ विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ मंजू कुमारी से मिलकर सीएससी- वीएलई के विभिन्न मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें मुख्य रूप से डिजिटल पंचायत परियोजना अंतर्गत ग्राम पंचायतों में प्रतिनियुक्त सीएससी-वीएलई को जन्म मृत्यु एवं मनरेगा का कार्य हेतु पंचायत सचिव एवं मुखिया का लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड उपलब्ध करवाने के संबंध में दिया गया। पंचायती राज विभाग के द्वारा पहले भी पत्र निकालकर कार्य लेने को कहा गया था। पंचायती राज विभाग के पत्रांक 152 दिनांक- 19-01-2024 एवं पत्रांक-586 दिनांक-01-03-2024 के पत्र में लिखा गया हैं।

ग्रामीणों को छोटे-छोटे काम के लिए भी प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है

उपरोक्त विषयक एवं प्रासंगिक पत्र के संबंध में डिजिटल पंचायत परियोजना अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में सीएससी वीएलई की प्रतिनियुक्ति की गई है। उक्त प्रतिनियुक्त सीएससी वीएलई द्वारा ई ग्राम स्वराज, मनरेगा, पीडीआई, जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण तथा अन्य कार्यों से संबंधित कार्य ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव एवं मुखिया के सहयोग से सम्पन्न किया जाना है। परंतु अभी तक पंचायत सचिव एवं मुखिया के द्वारा
सीएससी वीएलई को लॉगिन आइडी एवं पासवर्ड उपलब्ध नहीं कराया गया। जिससे सभी ग्रामीणों को छोटे-छोटे काम के लिए भी प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है एवं इसके लिए प्रखण्ड विकास पदाधिकारी में कई बार संपर्क किया परंतु आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला।

ग्रामीणों को करना पड़ता हैं समस्याओं का सामना

प्रज्ञा केंद्र संचालक संघ के प्रखंड अध्यक्ष आशीष कुमार सिन्हा ने बताया कि ग्रामीणों को कई प्रकार के समस्यायों का सामना करना पड़ता है, जो इस प्रकार है। अगर जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए कोई भी ग्रामीण अगर एक वर्ष तक निबंधन नहीं करवाता है तो फिर अनुमंडल कार्यालय का भी चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता हैं। जन्म प्रमाण पत्र नहीं बनने के कारण बच्चों का आधार भी नहीं बन रहा है।प्रखण्ड स्तर पर एक, दो कंप्यूटर ऑपरेटर से ही 42 पंचायत का कार्य करवाया जाता है, जिससे कार्य भी समय पर नहीं हो पाता है। मनरेगा के तहत किसी को काम चाहिए या लेबर कार्ड के लिए भी प्रखण्ड कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है। सभी प्रकार के पेंशन वृद्धा विधवा/विकलांग मैया सम्मान योजना का भी कार्य पंचायत स्तर से सीएससी- वीएलई के द्वारा करवाई जाए ताकि बूढ़े/बुजुर्ग/महिला किसी का कोई समस्या हो वह अपने पंचायत सचिवालय में समाधान कर सके।

प्रखण्ड विकास पदाधिकारी जमुआ को आदेश दे, ताकि कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े

पंचायती राज को दुरुस्त करते हुए पंचायत स्तर पर प्रतिनियुत सीएससी-वीएलई को पंचायत सचिव एवं मुखिया का लॉगिन आइडी एवं पासवर्ड उपलब्ध करवाने हेतु प्रखण्ड विकास पदाधिकारी जमुआ को आदेश दे, ताकि सभी ग्राम पंचायत के लोग जन्म एवं मृत्यु का निबंधन, लेवर कार्ड हेतु आवेदन इत्यादि के लिए प्रखंड कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े एवं ससमय अपना कार्य करवा सकें।

सीएससी-वीएलई के समस्याओं का निराकरण यथाशीघ्र: डॉ मंजू कुमारी

जमुआ विधायक डॉ मंजू कुमारी ने आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का निराकरण यथाशीघ्र किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में सिटीजन वॉचेज इंडिया के फ्लैगशिप शोरूम का उद्घाटन

● पेश किए गए बुलोवा वॉचेज, जो इनोवेशन, टेक्नोलॉजी, क्राफ्टमैनशिप की मिसालें हैं

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सिटीजन वॉचेज इं डिया ने दिल्ली में अपने फ्लैगशिप शोरूम के भव्य उद्घाटन की जानकारी दी। यह शोरूम शॉप नंबर 5, डीएवी स्कूल बिल्डिंग, यूसुफ सराय, नई दिल्ली - 110016 में है। इस ब्रांड के लिए यह भारतीय रिटेल कारोबार में एक बड़ा कदम है। एक्सक्लुसिव शोरूम में आप सिटीजन का क्राफ्टमैनशिप और प्रीसीजन देखेंगे, जिसकी दुनिया कायल रही है। प्रीमियम रिटेल के तहत देश की राजधानी में बुलोवा का बोल्ड अमेरिकन स्पिरिट पेश किया गया है। शोरूम महानगर के केंद्र में है। यहां अत्याधुनिक तकनीक, कालजयी डिजाइन और घड़ी के क्राफ्टमैनशिप की शानदार विरासत के बीच लोगों को खरीदारी का शानदार और यादगार अनुभव मिलेगा। बुलोवा रेंज़ में हाल में पेश उम्दा घड़ियों के स्टाइल में बारीकी और एक्युरेसी के साथ सेकेंड की सुई निरंतर चलती है। यह दुनिया के पहले कर्व्ड क्रोनोग्राफ मूवमेंट - कर्व कलेक्शन के साथ इस उद्योग का नया चेहरा पेश करने में सफल है। लॉन्च में आए मेहमानों के लिए यह एक बड़ा आकर्षण था। उन्हें नए शोरूम कॉन्सेप्ट पर इसकी पहली झलक दिखी और साथ ही, इस ब्रांड के सबसे नए इनोवेशन देखने का विशेष अवसर भी मिला।

शोरूम का औपचारिक उद्घाटन सिटीजन वॉचेस इंडिया के प्रबंध निदेशक श्री रयोटा कवाटो ने किया और उन्होंने कहा, ''भारतीय बाजार में हमारी पहुंच बढ़ रही है। सिटीजन में हम सभी इससे बहुत खुश हैं। यह फ्लैगशिप शोरूम महानगर के केंद्र- यूसुफ सराय, नई दिल्ली में है और यह इनोवेशन की हमारी विरासत और भारत के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की मिसाल है। इस एक्सक्लुसिव शोरूम में सिटीजन का विश्व-प्रसिद्ध शिल्प कौशल और सटीक कार्य प्रदर्शन देखने को मिलेगा। राजधानी के प्रीमियम रिटेल क्षेत्र में बुलोवा का बोल्ड अमेरिकन स्पिरिट दिखेगा। यह इसकी सटीक मिसाल है कि सिटीजन किस तरह निरंतर अपने कारोबार का विस्तार कर रहा है।' भारतीय उपभोक्ताओं को रिटेल का बेहतर अनुभव देने और उनके साथ मजबूत संबंध बनाने की खास रणनीति में वह उत्साह दिखता है जिसके साथ सिटीजन अपना विस्तार कर रहा है।बुलोवा का गठन 1875 में न्यूयॉर्क सिटी में किया गया। आज इसके पास इनोवेशन, बोल्ड डिज़ाइन और सटीक शिल्प कौशल की शानदार विरासत है।

मणिपुर के ताफौ कुकी गांव में हथियारों का बड़ा जखीरा जब्त

पंकज नाथ, आदिवासी एक्सप्रेस, असम

मणिपुर पुलिस, बीएसएफ ओर सीआरपीएफ के सहयोग से स्पीयर कोर के तहत असम राइफल्स ने आज गुरुवार को मणिपुर के सेनापति जिले में स्थित तफौ कुकी गांव में कड़ी तलाशी अभियान चलाया । सूत्रों के अनुसार, अभियान के दौरान टीम ने गोला-बारूद और हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया। यह तलाशी खुफिया रिपोर्टों के आधार पर शुरू की गई थी, जिसमें इलाके में कुकी-जो आदिवासियों से जुड़े हथियारबंद लोगों की मौजूदगी का संकेत दिया गया था। यह अभियान लगभग दो घंटे तक चलाया गया था। इसमें कई हथियार बरामद किए गए। इस अभियान में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई, क्योंकि संदिग्ध उग्रवादी सुरक्षा बलों को आते देख भाग गए। बरामद किया गया वस्तुओं में एक मैगजीन के साथ एक .22 राइफल, दो बोल्ट एक्शन सिंगल बैरल राइफल, एक मैगजीन के साथ एक 9 एमएम पिस्तौल, सात .22 जिंदा कारतूस, दो 9 एमएम जिंदा कारतूस और 18 खाली 12-बोर कारतूस शामिल हैं। जानकारी के अनुसार इन वस्तुओं को आगे की जांच और प्रक्रिया के लिए मणिपुर पुलिस को सौंप दिया गया है।

पूर्वी भारत में कल से लू की नई लहर

● अगले 4-5 दिनों तक उत्तर-पश्चिम व मध्य भागों में बारिश की संभावना

नई दिल्ली। पूर्वी भारत में शनिवार से लू शुरू हो सकती है, जबकि अगले चार-पांच दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम और मध्य भागों में बारिश और गरज के साथ बारिश की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने कल से 13 मई तक पूर्वोत्तर में भारी बारिश, गरज और बिजली गिरने की भी चेतावनी दी है। विभाग ने कहा कि 11-12 मई के दौरान ऊपरी हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के अलग-अलग इलाकों, 10-14 मई के दौरान पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों, 11-14 मई के दौरान बिहार और ओडिशा, 12-12 मई के दौरान झारखंड और 14-15 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में लू चलने की संभावना है। इस महीने की शुरुआत में आईएमडी ने कहा था कि मई में भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक गर्मी देखने को मिल सकती है। लेकिन कभी-कभी आंधी-तूफान से गर्मी पिछले साल के भीषण स्तर तक नहीं पहुंच पाएगी। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने कहा था कि उत्तर-पश्चिम, मध्य और उत्तर-पूर्व के कुछ इलाकों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। महापात्रा ने बताया कि अप्रैल में देश में 72 दिन लू के दर्ज किए गए।

कुरुक्षेत्र से शुरू हुआ प्राकृतिक खेती का अभियान : किसानों को सशक्त बना रहे हैं नवीन जिंदल

प्राकृतिक खेती से किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार की योजनाएं और जिम्मेदार नागरिक का आह्वान

नई दिल्ली, (आरएनएस)। कुरुक्षेत्र की ऐतिहासिक धरती से सांसद नवीन जिंदल ने प्राकृतिक खेती की ओर वैश्विक परिवर्तन का आह्वान किया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय कृषि-तकनीकी प्रदर्शनी एवं स्टार्टअप कॉन्क्लेव का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि अब कुरुक्षेत्र केवल फसल नहीं, बल्कि एक क्रांति उगा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और पद्मश्री डॉ. हरिओम के मार्गदर्शन में जिंदल ने कहा कि प्राकृतिक खेती ही किसानों की आय को बढ़ाने और रासायनिक-मुक्त उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने का समाधान है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे पहले अपने घर से प्राकृतिक खेती की शुरुआत करें, कृषि विशेषज्ञों से संवाद करें और देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों का भरपूर लाभ उठाएं। पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले पर बोलते हुए जिंदल ने भारत की सेना के साथ पूरी एकजुटता जताई और आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराया। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, रक्षामंत्री और सैनिकों पर गर्व है। उन्होंने सभा में भारत माता की जय के नारों के साथ सैनिकों के साहस को सलाम किया।पद्मश्री डॉ. हरिओम ने बताया कि सांसद नवीन जिंदल द्वारा संसद में उठाए गए मुद्दों के परिणामस्वरूप ही प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 2481 करोड़ की राष्ट्रीय योजना शुरू की गई। उन्होंने 2023 में 12 वैज्ञानिकों की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि 1970 से अब तक गेहूं और धान की पोषक गुणवत्ता में 45न्न तक गिरावट आ चुकी है, और यदि यही रुझान जारी रहा तो अगले 15 वर्षों में ये फसलें खाने योग्य नहीं रहेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा के 21 जिलों में भूजल की गुणवत्ता नाइट्रेट और क्लोराइड की अत्यधिक मात्रा के कारण तेजी से गिर रही है। ऐसे में प्राकृतिक खेती ही जल और खाद्य सुरक्षा का एकमात्र स्थायी विकल्प है। डॉ. हरिओम ने किसानों से आग्रह किया कि वे पहले अपने परिवार के लिए प्राकृतिक खेती करें और बाद में इसे अपने पूरे खेत में अपनाएं, ताकि भावी पीढ़ियों को उपजाऊ भूमि मिल सके। यह तीन दिवसीय कॉन्क्लेव किसानों को ज्ञान और नवाचार से लैस करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। विशेषज्ञ सत्रों, स्टार्टअप प्रदर्शनियों और किसान-से-किसान संवाद के माध्यम से यह आयोजन नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों, उद्यमियों और किसानों के बीच सहयोग को मजबूत करने का मंच बन रहा है, जो भारतीय कृषि के भविष्य को बदलने की दिशा में प्रतिबद्ध हैं।

लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विशेष गाड़ियों का परिचालन करें : रेल मंत्री

संवाददाता द्वारा

जम्मू और चंडीगढ़ एयरपोर्ट के बंद होने के चलते जो पैसेंजर फंसे थे, उनके लिए भारतीय रेल द्वारा विशेष गाड़ियों की व्यवस्था की गई। रेल परिचालन हेतु की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की। स्थिति का पूर्ण जायजा लेने के बाद उन्होंने रेलवे अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभिन्न सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में लोगों की सहायता के लिए गाड़ियों का परिचालन किया जाए। नियमित गाड़ियों के साथ-साथ आवश्यकतानुसार विशेष गाड़ियों का भी परिचालन किया जाए। रेल मंत्री के निर्देश पर दिनांक 9 मई, 2025 को जम्मू तथा उधमपुर से चार विशेष गाड़ियों का परिचालन किया गया। रेलवे ने पहली विशेष गाड़ी 04612 का परिचालन जम्मू स्टेशन से सुबह 10:45 बजे किया जिसमें 12 कोच अनारक्षित श्रेणी के और 12 रिज़र्व क्लास के लगाए गए। 20 कोच वाली वंदे भारत एक्सप्रेस दिन में 12:45 बजे उधमपुर से रवाना हुई और जम्मू तथा पठानकोट के रास्ते नई दिल्ली आई। 22 एलएचबी कोच वाली विशेष गाड़ी का परिचालन संध्या 7:00 बजे जम्मू स्टेशन से किया गया।एक और वंदे भारत विशेष गाड़ी का परिचालन किया गया जो दिन में 3:30 पीएम बजे जम्मू से खुली और संध्या में नई दिल्ली स्टेशन पहुंचेगी।

संत जेवियर्स कॉलेज में अंतर विभागीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता

संवाददाता द्वारा

राँची। संत जेवियर्स कॉलेज राँची के प्रांगण में खेल विभाग द्वारा आयोजित इंटर डिपार्टमेंट बास्केटबॉल प्रतियोगिता (पुरुष/महिला) 2025 का समापन शुक्रवार 09/05/2025 को हुआ। समापन सत्र के मौके पर कॉलेज प्रबंधन के सारे अधिकारीगण मौजूद रहे।

बास्केटबॉल महिला वर्ग का फाइनल मुकाबला में राजनीति शास्त्र विभाग ने स्नातक कॉमर्स विभाग को हराकर विजय प्राप्त किया, स्नातकोत्तर कॉमर्स विभाग को तीसरा स्थान व बीएड विभाग चौथा स्थान मिला। राजनीति शास्त्र विभाग की रितिका जैशी को प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट व प्लेयर ऑफ़ द मैच के खिताब से नवाजा गया। वहीं पुरुष वर्ग में सांख्यिकी विभाग ने कॉमर्स विभाग (स्नातक) को हराकर विजय हासिल किया, मुकाबले में कंप्यूटर साइंस विभाग ने तीसरा व कॉमर्स विभाग (तृतीय वर्ष) को चौथा स्थान प्राप्त हुआ। पुरूष वर्ग में प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट विकास मिंज तो वहीं प्लेयर ऑफ मैच रंजन मुर्मू बने। विजेता टीम और उपविजेता टीम को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बास्केटबॉल कोर्ट में खिलाडियों ने अपना पूरा दमखम दिखाया।

24 अप्रैल से 09 मई, 2025 तक आयोजित अंतर विभागीय बास्केटबॉल टूर्नामेंट में कॉलेज के सभी विभागों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया जिसमे पुरुष वर्ग के 19 टीमों ने हिस्सा लिया और महिला वर्ग से 7 टीम प्रतिस्पर्धा में शामिल हुई। समापन समारोह में कॉलेज के रेक्टर डॉ फादर सुधीर मिंज, एसजे, प्राचार्य डॉ. फादर रोबर्ट प्रदीप कुजूर, एसजे, उप-प्राचार्य डॉ. फादर अजय अरुण मिंज, इंटरमीडिएट कॉलेज के प्राचार्य फादर अजय अनिल तिर्की, स्पोर्ट्स इंचार्ज राम मुर्मू, डॉ फादर प्रभात केनेडी सोरेंग, एसजे, फादर रवि हेमंत कुजूर, एसजे सहित कॉलेज अन्य प्राध्यापकगण व छात्र - छात्राएं उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने सशस्त्र बलों के पूर्व अधिकारियों से बात की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पाकिस्तान के साथ चल रहे संघर्ष के बीच तीनों सेनाओं के पूर्व प्रमुखों सहित कई पूर्व सैन्य अधिकारियों के साथ व्यापक बातचीत की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इनमें सेना, वायुसेना और नौसेना के पूर्व प्रमुखों के अलावा देश की सेवा कर चुके अन्य सेवानिवृत्त अधिकारी भी शामिल हैं।

भारतीय प्रतिष्ठानों को 8 और 9 मई की मध्य रात्रि को निशाना बनाने के पाकिस्तानी प्रयासों का सशस्त्र बलों द्वारा आनुपातिक और पर्याप्त रूप से जवाब दिए जाने के साथ ही पाकिस्तान के साथ संघर्ष तीव्र हो गया। विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि पाकिस्तान ने सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए भारतीय हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए लेह से सर क्रीक तक 36 स्थानों पर 300-400 ड्रोन भेजे और भारतीय सेना ने इन ड्रोन को मार गिराया।

राज्यसभा सांसद अजीत कुमार भुइयां ने किया सभी से भारतीय सेना के अभियानों में बिना शर्त समर्थन देने का आह्वान

पंकज नाथ, आदिवासी एक्सप्रेस, असम

असम से राज्यसभा सांसद अजीत कुमार भुइयां ने सभी भारतीय नागरिकों से पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना द्वारा किए गए सैन्य अभियानों का बिना शर्त समर्थन करने का आह्वान किया है। यह आह्वान सांसद भुइयां ने मीडिया को भेजे एक बयान में किया । बयान में सांसद ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव का मुख्य कारण 22 अप्रैल का नृशंस आतंकवादी हमला है , जिसमें हमारे देश के 26 निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवाई। इसमें कोई शक नहीं है कि पेहलगाम में हुए आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ था। हमारी धरती पर बाहर से आए आतंकवादी बिना किसी कारण के 26 लोगों को झटका देंगे और यह कभी संभव नहीं है कि हम हाथ जोड़कर बैठें। इसलिए 7 मई की सुबह हमारी सेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाकों में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया और मुंहतोड़ जवाब दिया। इस समय हर देशभक्त व्यक्ति को हमारी सेना के पीछे खड़ा होना चाहिए। उनका समर्थन किया जाना चाहिए। हम चाहते हैं कि हमारे सुरक्षा बल आतंकवाद का खात्मा करें। सांसद अजीत कुमार भुइयां ने कहा कि सभी देशभक्त नागरिकों के लिए यह समय की मांग है कि वे हमारी सेना के इस अभियान का बिना शर्त समर्थन करें।

आम आदमी पार्टी ने दिया ऑपरेशन सिंदूर को पूरा समर्थन

पंकज नाथ, आदिवासी एक्सप्रेस, असम

आम आदमी पार्टी की असम राज्य समिति (आप) ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में नरसंहार के बाद पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ भारत द्वारा शुरू किए गए सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर को अपना पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। असम प्रदेश अध्यक्ष डॉ. भाबेन चौधरी ने आप के एक प्रेस संदेश में मातृभूमि की रक्षा के लिए शुरू की गई आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई को पूरा समर्थन दिया और इस अभियान के लिए देश के सेना के जवानों को बधाई दी। डॉ. चौधरी ने इस समय पूरे देशवासियों से एकजुट होने की अपील भी की है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी, असम द्वारा देश के लोगों की सुरक्षा के लिए सरकार के और से उठाए गए सभी कदमों का समर्थन किया जाएगा।

बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान, तुर्किए के ड्रोनों से भारतीय ठिकानों पर हमले की कोशिश

नई दिल्ली। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान ने गुरूवार शाम को एक बार फिर भड़काने वाली नापाक हरकत करते हुए भारतीय सीमाओं का उल्लंघन किया तथा तुर्किए के करीब 300 से 400 ड्रोन से भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने तथा 36 जगहों पर घुसपैठ की असफल कोशिश की जिसका भारतीय सशस्त्र बलों ने करारा जवाब दिया और पाकिस्तान के चार वायु रक्षा ठिकानों पर जोरदार कार्रवाई की। भारत ने कहा कि पाकिस्तान ने हमले के दौरान जानबूझ कर नागरिक हवाई क्षेत्र को बंद नहीं किया और नागरिक विमानों का ढाल के रूप में इस्तेमाल किया।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025: ट्रैक साइक्लिंग में बिहार की बेटियों ने दिखाया दमखम, ओवरऑल चैंपियनशिप में प्राप्त किया तीसरा स्थान

● समापन पर मुख्यातिथि रेजीडेंट कमिश्नर बिहार सरकार श्री कुंदन कुमार ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

नई दिल्ली, (आरएनएस)। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के अंतर्गत इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम, दिल्ली में ट्रैक साइक्लिंग स्पर्धाओं का शानदार समापन हुआ। ट्रैक पर रफ्तार और जोश की इस जंग में झारखंड की लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं लड़कों के वर्ग में राजस्थान ने परचम लहराया। बिहार की लड़कियों ने भी कड़ी टक्कर दी और तीसरा स्थान हासिल करने में सफल रहीं। इस अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बिहार के रेजीडेंट कमिश्नर श्री कुंदन कुमार (आईएएस) और मध्यप्रदेश सरकार के सचिव श्री जॉन किंग्सले(आईएएस) उपस्थित रहे। दोनों ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया और सभी राज्यों के प्रतिभागियों को उनके समर्पण व प्रदर्शन के लिए बधाई दी। रेजीडेंट कमिश्नर श्री कुंदन कुमार ने बिहार की गर्ल्स साइक्लिस्ट से भी मुलाकात की और बिहार का नाम रोशन करने के लिए उन्हें बधाई दी। जबकि इस दौरान स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के आईजी स्टेडियम एडमिनिस्ट्रेटर श्री अतुल कुमार सिंह, ज्वाइंट एडमिनिस्ट्रेटर श्री विजय भट्ट, लेबर कमिश्नर बिहार सरकार एवं CAO बिहार भवन श्री कुमार दिग्विजय, ARC बिहार भवन श्री शम्स अफरोज और उपनिदेशक सूचना एवं जनसंपर्क श्री दिनेश कुमार भी मौजूद रहे। लड़कियों की श्रेणी में झारखंड ने 2 गोल्ड और 1 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 16 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। इस जीत में सबसे अहम योगदान टीम स्प्रिंट इवेंट में आए 1 गोल्ड मेडल का रहा, जिससे टीम को सीधे 10 अंक प्राप्त हुए। राजस्थान ने 3 गोल्ड मेडल हासिल कर 15 अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं बिहार ने 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज के जरिए 10 अंक जुटाकर तीसरी पायदान पर जगह बनाई। तीसरा स्थान प्राप्त करने में अहम योगदान टीम स्प्रिंट में आए 1 सिल्वर मेडल का रहा। जिससे बिहार टीम को 6 अंक प्राप्त हुए थे ।

लड़कों के वर्ग में राजस्थान ने अपना दबदबा कायम रखते हुए 3 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 19 अंक अर्जित कर पहला स्थान प्राप्त किया। झारखंड ने 1 गोल्ड और 2 सिल्वर के साथ 14 अंक जुटाकर दूसरा स्थान हासिल किया। झारखंड की टीम स्प्रिंट में आई जीत निर्णायक रही। जिस वजह से वह महाराष्ट्र को पछाड़ने में सफल रहा। महाराष्ट्र ने 2 गोल्ड और 1 सिल्वर के बल पर 13 अंक के साथ तीसरा स्थान पाया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान ट्रैक पर खिलाड़ियों की रफ्तार के साथ-साथ दर्शकों का जोश भी चरम पर रहा। हर रेस, हर मोड़ पर तालियों की गूंज ने माहौल को और जीवंत बना दिया। आयोजकों की माने तो ट्रैक साइक्लिंग में इस बार रिकॉर्ड संख्या में राज्य और खिलाड़ियों ने भाग लिया, जो खेलो इंडिया की सफलता और विस्तार का प्रमाण है।

निशानेबाजी : महाराष्ट्र ने जीता स्वर्ण, बिहार को मिला कांस्य पदक

एजेंसी
नई दिल्ली। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में महाराष्ट्र ने 10 मी. एयर राइफल मिक्स्ड टीम यूथ कैटेगरी में कर्नाटक को 16-12 से हराकर स्वर्ण पदक तथा बिहार की दिव्या-रुद्र की जोड़ी ने कांटे की टक्कर वाले मुकाबले में यूपी की टीम को 16-14 अंक से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। आज डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज पर चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में महाराष्ट्र ने 10 मी. एयर राइफल मिक्स्ड टीम यूथ कैटेगरी में कर्नाटक को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महाराष्ट्र की शंभवी श्रवण क्षीरसागर और पार्थ राकेश माने की जोड़ी ने कर्नाटक की हृदया श्री कोंडूर और नारायण प्रणव वनीथा सुरेश की टीम को 16-12 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। दोनों टीमों के बीच मुकाबला रोमांचक रहा लेकिन महाराष्ट्र की जोड़ी ने बेहतर संयम और सटीकता का परिचय देते हुए मुकाबला जीता। कर्नाटक को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।वहीं बिहार की दिव्या श्री और रुद्र प्रताप सिंह की निशानेबाज जोड़ी ने 10 मी. एयर राइफल मिक्स्ड टीम यूथ कैटेगरी के कांस्य पदक मुकाबले में उत्तर प्रदेश की अनन्या और अंश डबास की जोडी को 16-14 के बेहद रोमांचक मुकाबले में हराकर पदक अपने नाम किया। यह जीत न केवल बिहार के खेल इतिहास में एक सुनहरा पन्ना जोड़ती है, बल्कि राज्य के युवा खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को नई उड़ान भी देती है।

ट्रैक साइक्लिंग में झारखंड और राजस्थान ने जीते स्वर्ण पदक

नयी दिल्ली। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की ट्रैक साइक्लिंग स्पर्धाओं झारखंड की लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। वहीं लड़कों के वर्ग में राजस्थान चैंपियन बना। बिहार की लड़कियों ने भी कड़ी टक्कर दी और तीसरा स्थान हासिल किया। लड़कियों की श्रेणी में झारखंड ने दो स्वर्ण और एक कांस्य मेडल के साथ कुल 16 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। इस जीत में सबसे अहम योगदान टीम स्प्रिंट स्पर्धा में आए एक स्वर्ण पदक का रहा, जिससे टीम को सीधे 10 अंक प्राप्त हुए। राजस्थान ने तीन स्वर्ण पदक हासिल कर 15 अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं बिहार ने दो रजत और एक कांस्य के जरिए 10 अंक जुटाकर तीसरी पायदान पर जगह बनाई। तीसरा स्थान प्राप्त करने में अहम योगदान टीम स्प्रिंट में आए एक रजत पदक का रहा। जिससे बिहार टीम को छह अंक प्राप्त हुए थे। वहीं लड़कों के वर्ग में राजस्थान ने अपना दबदबा कायम रखते हुए तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ कुल 19 अंक अर्जित कर पहला स्थान प्राप्त किया। झारखंड ने एक स्वर्ण और दो रजत के साथ 14 अंक जुटाकर दूसरा स्थान हासिल किया। झारखंड की टीम स्प्रिंट में आई जीत निर्णायक रही। जिस वजह से वह महाराष्ट्र को पछाड़ने में सफल रहा। महाराष्ट्र ने दो स्वर्ण और एक रजत के दम पर 13 अंक के साथ तीसरा स्थान पाया।

एआईएफएफ ने पूर्व भारतीय मिडफील्डर डीएमके अफजल के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पूर्व भारतीय मिडफील्डर डीएमके अफजल के निधन पर शोक व्यक्त किया डीएमके अफजल को निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी हैं। अपने समय के बेहतरीन मिडफील्डर अफजल इंडोनेशिया के जकार्ता में 1962 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। उन्होंने ने भारत की ओर से दो बार मैच खेले हैं। उन्होंने 1962 एशियाड के ग्रुप चरण में कोरिया गणराज्य के खिलाफ अपना पहला मैच खेला था। अफजल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, डी.एम.के. अफजल अपने समय के बेहतरीन मिडफील्डर थे। मैं इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।

राडुकानू और नोरी ने इटालियन ओपन के दूसरे दौर में बनाई जगह

रोम। ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू और पुरुष वर्ग में हमवतन कैमरन नोरी ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर इटालियन ओपन के दूसरे दौर में जगह बना ली है। वहीं केटी बौल्टर को हार का सामना करना पड़ा। तीन साल के बाद पहली बार टूर्नामेंट में भाग लेने वाली राडुकानू ने बुधवार को खेले गये मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट के खिलाफ 7-5 6-7 (1-7) 6-3 से जीत दर्ज की। इस बीच ब्रिटेन की 28 वर्षीय केटी बौल्टर रूस की अनास्तासिया पावलुचेनकोवा से 3-6, 3-6 से हार गई। वहीं पुरुष वर्ग में नोरी ने क्रिस्टोफर ओ'कॉनेल को सीधे सेटों में 6-3 6-2 हराकर दूसरा दौर में अपना स्थान पक्का किया। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने 76 मिनट के मैच में ओ'कोनेल के खिलाफ सिर्फ पांच गेम गंवाए।

एलए ओलंपिक 2028: उद्घाटन और समापन समारोह दो ऐतिहासिक स्टेडियमों में होंगे आयोजित

एजेंसी
लॉस एंजेलिस। लॉस एंजेलिस मेमोरियल कोलिजियम और इंगलवुड स्थित सोफी स्टेडियम 2028 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के उद्घाटन और समापन समारोहों की मेजबानी करेंगे। एलए28 आयोजकों ने उक्त घोषणा की।

दो स्टेडियमों में होगा ओलंपिक का उद्घाटन समारोह
14 जुलाई 2028 को होने वाला ओलंपिक उद्घाटन समारोह पहली बार दो स्थानों - ऐतिहासिक कोलिजियम और आधुनिक सोफी स्टेडियम - में साझा रूप से आयोजित होगा। कोलिजियम ओलंपिक इतिहास में तीन बार खेलों की मेजबानी करने वाला पहला स्थल बन जाएगा।

एलए की विरासत और भविष्य का होगा संगम
एलए28 के चेयरपर्सन और प्रेसिडेंट केसी वासरमैन ने एक बयान में कहा, ये दोनों स्थल लॉस एंजेलिस की खेल विरासत और तकनीकी

प्रगति का प्रतीक हैं। दुनियाभर से आने वाले दर्शकों के लिए यह अनुभव अविस्मरणीय होगा।

समापन समारोह कोलिजियम में, पैरालंपिक का विशेष आयोजन
30 जुलाई को ओलंपिक का समापन समारोह कोलिजियम में आयोजित किया जाएगा, जिसे आयोजनकर्ता %अविस्मरणीय उत्सव% बता रहे हैं। 15 अगस्त को पैरालंपिक का उद्घाटन समारोह सोफी स्टेडियम में होगा, जबकि समापन समारोह 27 अगस्त को कोलिजियम में सम्पन्न होगा।

एलए तीसरी बार ओलंपिक और पहली बार करेगा पैरालंपिक की मेजबानी
लॉस एंजेलिस ने इससे पहले 1932 और 1984 में ओलंपिक की मेजबानी की थी। लेकिन 2028 पहली बार होगा जब यह शहर पैरालंपिक खेलों की भी मेजबानी करेगा। आयोजकों ने कहा, पैरालंपिक समापन समारोह एलए28 खेलों की अंतिम यादगार झलक होगा, जो ओलंपिक और पैरालंपिक आंदोलन को लॉस एंजेलिस से स्थायी रूप से जोड़ देगा।

लॉन्ग बीच और हॉलीवुड में भी होंगे आयोजन
एलए28 ने पिछले महीने कुछ अन्य आयोजन स्थलों की भी घोषणा की थी। बीच वॉलीबॉल की प्रतियोगिताएं लॉन्ग बीच के अलामिटोस बीच पर होंगी, जबकि स्क्वैश खेल हॉलीवुड के यूनिवर्सल स्टूडियो में अपनी ओलंपिक शुरुआत करेगा।

पैरा चैंपियन निरंजन सिंह ने भारत के लिए जीता रजत

एजेंसी
नई दिल्ली। एशियन पैरा-आमरेसलिंग चैंपियनशिप में 65 किग्रा भारवर्ग (बैठकर खेलने की श्रेणी) में मध्यप्रदेश के ग्वालियर के रहने वाले निरंजन सिंह ने रजत पदक हासिल किया है। यह एक ऐतिहासिक अवसर है, जब पीपल्स आमरेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया राजधानी में प्रतिष्ठित 23वीं एशियन आमरेसलिंग चैंपियनशिप और 22वीं एशियन पैरा-आमरेसलिंग चैंपियनशिप की मेजबानी कर रही है। इस प्रतियोगिता में 14 देशों के 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। मध्यप्रदेश के तालुक रखने वाले निरंजन ने अपनी प्रेरणादायक यात्रा के बारे में बात करते हुए कहा, आमरेसलिंग में आना आसान नहीं था। मैंने कई खेल खेले हैं, क्रिकेट भी खेला और कुछ अन्य खेलों में भी भाग लिया। इस महीने के अंत में मैं व्हीलचेयर क्रिकेट के नेशनल्स में भी हिस्सा लेने जा रहा हूं, लेकिन आमरेसलिंग ने मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित किया है। निरंजन की जिंदगी संघर्षों से भरी रही, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने कहा, मैं दिव्यांग हूं, मेरा जन्म बिना पैरों के हुआ था, इसलिए मेरे हाथ ही मेरी ताकत बन गए।÷ उन्होंने कहा, ÷मैंने ट्रैक्टर चलाया – क्लच, ब्रेक, एक्सेलेरेटर सब हाथों से संभाला। बाद में मैं डिलीवरी ड्राइवर की नौकरी करने लगा और अपने दम पर दुनिया को जाना। उसी दौरान मेरी मुलाकात वर्ल्ड चैंपियन अरविंद राजन से हुई, जिनका मुझ पर विश्वास मेरी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बना। उन्होंने मुझे कोच मनीष कुमार से मिलवाया और वहीं से मेरी नई यात्रा शुरू हुई।उन्होंने आगे कहा, मैंने 2021 में इस खेल की शुरुआत की और 2022 में हैदराबाद में अपने पहले नेशनल्स में भाग लिया -जहां मैंने बाएं हाथ से जीत हासिल की। उस जीत ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ा दिया।

नीरज चोपड़ा ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2025 में लेंगे हिस्सा, दो बार चोट के कारण रह चुके हैं बाहर

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और दो बार ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा इस साल 24 जून को चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा शहर में होने वाले गोल्डन स्पाइक 2025 एथलेटिक्स मीट में हिस्सा लेंगे। इससे पहले वह 2023 और 2024 के संस्करणों से चोट के चलते हट गए थे, लेकिन इस बार वह तीसरी बार में किस्मत आजमाने उतरेंगे।

दो बार नहीं खेल पाए, अब कोच के देश में दिखेगा जलवा
टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा पिछले दो वर्षों में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सके थे, हालांकि वह 2024 में विशेष अतिथि के रूप में वहां मौजूद रहे थे। इस बार यह मुकाबला खास इसलिए भी होगा क्योंकि यह उनके दिग्गज कोच और पूर्व विश्व चैंपियन जान ज़ेलेज़नी के होमग्राउंड पर खेला जाएगा। ज़ेलेज़नी खुद इस टूर्नामेंट के निदेशक भी हैं। नीरज ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं यह घोषणा करते हुए उत्साहित हूं कि मैं इस साल ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक मीट में हिस्सा लूंगा। यह एक ऐतिहासिक प्रतियोगिता है और इस बार यह और भी खास होगी। मेरे

कोच जान ज़ेलेज़नी ने यहां कई बार जीत दर्ज की है और अब वह टूर्नामेंट के निदेशक भी हैं।

वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड मीट का हिस्सा है गोल्डन स्पाइक
गोल्डन स्पाइक मीट 1961 से आयोजित हो रहा है और यह वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड लेबल प्रतियोगिता है, जो डायमंड लीग के बाद दुनिया की दूसरी सबसे अहम सिरीज़ मानी जाती है। इस बार नीरज का मुकाबला 2020 ओलंपिक रजत पदक विजेता और चेक गणराज्य के ही याकुब वाडलेच जैसे शीर्ष खिलाड़ियों से होगा।

इससे पहले दो बड़े मुकाबलों में उतरेंगे नीरज
गोल्डन स्पाइक से पहले नीरज 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 24 मई को बेंगलुरु में होने वाले पहले 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' में नजर आएंगे। उन्होंने दक्षिण कोरिया के गुमी में 27 से 31 मई के बीच होने वाली एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है।

आईपीएल 2025: पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच धर्मशाला में मुकाबला बीच में ही रद्द

एजेंसी
धर्मशाला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में धर्मशाला में खेले जा रहे पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के मुकाबले को 10.1 ओवर के बाद अचानक रोकना पड़ा। जैसे ही पहली पारी के मध्य में तीन फ्लड लाइट टावर बंद हो गए, खिलाड़ियों को मैदान से बाहर बुला लिया गया। इसके तुरंत बाद स्टेडियम को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू हुई और मुकाबले को रद्द कर दिया गया।

सुरक्षा कारणों से कराया गया स्टेडियम खाली
स्टेडियम में सार्वजनिक घोषणा प्रणाली (पीए सिस्टम) से कोई औपचारिक सूचना नहीं दी गई, लेकिन पुलिस और मैदान संचालन टीम ने दर्शकों को धीरे-धीरे बाहर निकलने का अनुरोध किया। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए पूरे स्टेडियम को सावधानीपूर्वक खाली कराया गया।

भारत-पाक सीमा पर तनाव के कारण फैसला
इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ता

तनाव बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार, जम्मू (धर्मशाला से करीब 200 किलोमीटर दूर) में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन हमला हुआ है, जो भारत की 'ऑपरेशन सिंदूर' के जवाब में बताया जा रहा है।

दोनों टीमें होटल के लिए रवाना: जब यह सब हो रहा था, उस समय तक पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीमें पहले ही मैदान से बाहर निकल चुकी थीं। दोनों टीमों को उनके होटल रवाना कर दिया गया है और खिलाड़ियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है।

एमपीएल 2025 : नए रंग-रूप और महिला क्रिकेट के साथ 27 मई से इंदौर में होगी भव्य शुरुआत

एजेंसी
इंदौर। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) इस बार नए कलेवर में नजर आएगी। आगामी 27 मई से इंदौर के होलकर स्टेडियम में शुरू होने वाले एमपीएल में पहली बार महिला क्रिकेट मुकाबलों का भी आयोजन किया जाएगा। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट का उद्देश्य राज्यभर की उभरती प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना है। पुरुष लीग में कुल सात टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें ग्वालियर चीता, भोपाल लेपर्ड्स, जबलपुर रॉयल लायंस, रीवा जैगुआर्स, इंदौर पिंक पैंथर्स, चंबल घड़ियाल्स (नई टीम) और

बुंदेलखंड बुल्स (नई टीम) शामिल हैं। इस बार की खास बात यह है कि महिला प्रतियोगिता भी होगी। इसमें तीन टीमें भोपाल वुल्व्स, चंबल घड़ियाल्स और बुंदेलखंड बुल्स शामिल हैं। यह कदम महिला क्रिकेट को राज्य स्तर पर प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। एमपीएल के इस संस्करण को लेकर ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष महानारायमन राव सिंधिया ने कहा, हम एमपीएल के इस नए अध्याय को लेकर बेहद उत्साहित हैं। महिला लीग की शुरुआत न केवल इतिहास में एक नई मिसाल बनेगी, बल्कि युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर भी देगी। वहीं एमपीएल के सीईओ रवि पाटनकर ने कहा, हमारा उद्देश्य खिलाड़ियों को ऐसा मंच देना है, जहां वे अपने हुनर को निखार सकें और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने की दिशा में कदम बढ़ा सकें।

महिला फुटबॉल वर्ल्ड कप 2027 की मेजबानी करेगा ब्राजील, इन 8 शहरों में होंगे मैच

एजेंसी
नई दिल्ली। फीफा ने ऐलान किया है कि 2027 में होने वाला महिला फुटबॉल विश्व कप पहली बार दक्षिण अमेरिका की सरजमीं पर आयोजित होगा और इसकी मेजबानी ब्राजील करेगा। इस टूर्नामेंट के सभी 64 मुकाबले 8 अलग-अलग शहरों के प्रतिष्ठित स्टेडियमों में खेले जाएंगे।

माराकाना से लेकर रेसिफे तक, इन शहरों में होगी विश्व कप की रौनक:
इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए जिन आठ स्टेडियमों को चुना गया है, उनमें सबसे प्रमुख है रियो डी जनेरियो का माराकाना स्टेडियम, जो फुटबॉल इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है। इसके अलावा मुकाबले इन शहरों में होंगे-

बेलो होरिज़ोंटे - मिनेइराओ स्टेडियम
ब्रासीलिया - नेशनल स्टेडियम
फोर्टालेज़ा - कास्टेलाओ एरिना
पोर्टो एलेग्रे - बेइरा-रियो स्टेडियम
रेसिफे - पर्नामबुको एरिना
साल्वाडोर - फोंटे नोवा एरिना
साओ पाउलो - इताकेरा एरिना

'ब्राजील की ऊर्जा और रंगीन संस्कृति को महसूस करेगा विश्व'
फीफा: फीफा अध्यक्ष जियानी इंफेंटिनो ने कहा, 'सांबा से लेकर फ्रेवो तक, खूबसूरत समुद्रतटों से लेकर आधुनिक शहरों तक–दुनिया 2027 में ब्राजील की ऊर्जा, रंग और गर्मजोशी को महसूस करेगी।' उन्होंने भरोसा जताया कि यह टूर्नामेंट मेजबान शहरों के लिए यादगार अनुभव होगा और इसका सकारात्मक असर व्यापक होगा।

कुल 32 टीमें हिस्सा लेंगी
फीफा महासचिव मैटियास ग्राफस्ट्रोम ने कहा, 'यह वर्ल्ड कप महिला फुटबॉल के इतिहास में एक ऐतिहासिक मोड़ होगा क्योंकि पहली बार यह टूर्नामेंट दक्षिण अमेरिका में हो रहा है।' उन्होंने उम्मीद जताई कि यह आयोजन पूरे महाद्वीप की अगली पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

पीसीएल 2025 के बचे हुए मुकाबले यूएई शिफ्ट, भारत-पाक तनाव के बीच लिया गया बड़ा फैसला

एजेंसी
नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के 10वें संस्करण के बचे हुए आठ मुकाबले अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले जाएंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने यह अहम फैसला लिया है। पीसीबी ने एक आधिकारिक बयान में कहा है कि शेष मुकाबलों की तारीख और स्थान की घोषणा जल्द की जाएगी।

रावलपिंडी मैच रद्द, खिलाड़ियों ने जताई चिंता
कराची किंग्स और पेशावर ज़ल्मी के बीच रावलपिंडी स्टेडियम में मुकाबला होना था, लेकिन एक ड्रोन के स्टेडियम परिसर में गिरने के बाद आपात बैठक बुलाकर मैच को

स्थगित कर दिया गया। इस बैठक में पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी और लीग में शामिल विदेशी खिलाड़ियों के बीच चर्चा हुई, जिसमें अधिकांश विदेशी खिलाड़ियों ने लीग को यूएई शिफ्ट करने की मांग की।

यूएई में पीसीएल को दोबारा मिली शरण
यह पहली बार नहीं है जब पीसीएल को यूएई में कराना पड़ा हो। लीग की शुरुआत 2016 में यूएई से हुई थी और शुरुआती दो सीजन वहीं खेले गए थे।

इसके बाद 2021 में कोविड के कारण भी कुछ मुकाबले यूएई में हुए थे। अब एक बार फिर लीग को सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान से बाहर शिफ्ट किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम पर भी पड़ सकता है असर
पीसीएल के बाद पाकिस्तान को 21 मई को बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टी 20 सीरीज़ की मेजबानी करनी थी। पहला मुकाबला 25 मई को फैसलाबाद में खेला जाना था, लेकिन अब लीग के शेड्यूल में बदलाव होने से इस सीरीज़ पर भी असर पड़ सकता है। पीसीबी ने फिलहाल इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

आर्सेनल को हराकर पीएसजी ने चैंपियंस लीग के फाइनल में

एजेंसी
पेरिस । पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के दूसरे चरण में आर्सेनल को 2-1 से मात देकर कुल

स्कोर 3-1 के साथ दूसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। खेले गये मुकाबले में आर्सेनल ने पास वापसी करने और मैच को पलटने के कई मौके मिले लेकिन पीएसजी के गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा ने उनके प्रयासों को विफल कर दिया। खिताबी मुकाबला पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) और इंटैलियन क्लब इंटर मिलान के बीच खेला जायेगा।

राजस्थान रॉयल्स ने नितीश राणा, संदीप शर्मा की जगह लिए प्रिटोरियस और नांद्रे बर्गर को किया शामिल

एजेंसी
नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रही राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने टीम में दो अहम बदलाव किए हैं। नितीश राणा और संदीप शर्मा के चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइज़ी ने उनके स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रिटोरियस और नांद्रे बर्गर को टीम में जोड़ा है। राजस्थान रॉयल्स ने चोटिल नितीश राणा की जगह लुआन-ड्रे प्रिटोरियस को टीम में शामिल किया है। नितीश राणा ने आरआर के लिए इस सीज़न दो प्रभावशाली पारियां खेली थीं। पहली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ गुवाहाटी में 36 गेंदों पर 81 रन और दूसरी दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ दिल्ली में 28 गेंदों पर 51 रन।

आईपीएल के बयान के अनुसार राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने नितीश राणा के स्थान पर लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को टीम में शामिल किया है, जो चोट के कारण टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। 19 वर्षीय प्रिटोरियस एक आक्रामक बाएं हाथ के ओपनर बल्लेबाज और विकेटकीपर हैं। उन्हें राजस्थान ने 30 लाख रुपये में साइन किया है। उन्होंने अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है, लेकिन 2025 एसए20 में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 12 मैचों में 397 रन बनाए थे, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 166.80 रहा था। पार्ल रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने सनराइजर्स ईस्टर्न केप के

खिलाफ 51 गेंदों में 97 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी।इसके बाद उन्हें इंग्लैंड की हैम्पशायर टीम ने विटैलिटी ब्लास्ट के लिए भी साइन किया। 2024 अंडर-19 वर्ल्ड कप में वे दक्षिण अफ्रीका के टॉप स्कोरर भी रहे थे। तेज गेंदबाज़ संदीप शर्मा ने इस सीजन 10 मैचों में 9 विकेट लिए थे, लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ शुभमन गिल का शॉट रोकने के प्रयास में उनकी उंगली में चोट लग गई, जिसके कारण उन्हें बाहर होना पड़ा।

जेसन रॉय की रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी, काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए खेलेंगे

एजेंसी
लंदन। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जेसन रॉय एक बार फिर रेड-बॉल क्रिकेट में उतरने के लिए तैयार हैं। उन्हें इस हफ्ते वारविकशायर के खिलाफ एजबेस्टन में होने वाले काउंटी चैंपियनशिप मुकाबले के लिए सरे की टीम में शामिल किया गया है।

चार साल बाद वापसी, पिछली बार 2020 में खेले थे रेड-बॉल मैच: 34 वर्षीय रॉय ने अब तक 87 रेड-बॉल मैचों में 36.46 की औसत से 9 शतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 143 (लंकाशर के खिलाफ, 2015) है। हालांकि, उन्होंने आखिरी बार 2020 की कोविड प्रभावित गर्मियों में बॉब विलिस ट्रॉफी में हैम्पशायर के खिलाफ यह फॉर्मेट खेला था।

टेस्ट में नहीं चल पाए थे रॉय
2019 विश्व कप में इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद रॉय को टेस्ट टीम में मौका मिला था। उन्होंने आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट खेले लेकिन आठ पारियों में महज 13.75 की औसत से रन बना सके।

ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक के सामने उनकी तकनीक नाकाम साबित हुई और आखिरकार उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया।

सफेद गेंद प्रारूप में गिरती लोकप्रियता का असर

रॉय की वापसी उनके टी20 करियर की घटती चमक को भी दर्शाती है। 2023 में भारत में हुए वनडे विश्व कप में उन्हें इंग्लैंड की टीम से बाहर रखा गया था और इस साल के आईपीएल के लिए भी उन्हें नहीं चुना गया। वह 2020, 2022 और 2024 में निजी कारणों से आईपीएल से हट चुके हैं। आखिरी बार उन्होंने मार्च 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे खेला था।

सरे को बल्लेबाज़ों की कमी, रॉय से उम्मीदें
सरे टीम को इस मुकाबले में ओली पोप, जेमी स्मिथ और गस एटकिंसन जैसे ईसीबी-कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी झेलनी पड़ेगी, जिन्हें ज़िम्बाब्वे के खिलाफ आगामी टेस्ट से पहले आराम दिया गया है। ऐसे में जेसन रॉय को मौका मिला है।

सरे की स्थिति और टीम में कुछ नए चेहरे
डिवीजन वन तालिका में सरे फिलहाल तीसरे स्थान पर है, जबकि वारविकशायर दूसरे और नॉटिंघमशायर पहले नंबर पर है। पिछली बार सरे ने समरसेट को तीन दिन में हराकर लय हासिल की है। टीम को इस मैच में अपने विदेशी खिलाड़ियों नाथन स्मिथ और कर्टिस पैटरसन से मजबूती से मिली है, साथ ही तेज गेंदबाज़ टॉम लॉज़ भी इस सीज़न पहली बार टीम में लौटे हैं।

भूटान और अडानी समूह के बीच 5000 मेगावाट जलविद्युत विकास के लिए समझौता

थिम्पू/नई दिल्ली। भूटान सरकार और अडानी समूह ने देश की जलविद्युत क्षमता को प्रोत्साहन देने और क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से 5000 मेगावाट की जलविद्युत और पंप स्टोरेज परियोजनाओं के संयुक्त विकास के लिए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी भूटान के वर्ष 2040 नवीकरणीय ऊर्जा रोडमैप के अनुरूप है और भारत-भूटान ऊर्जा सहयोग को और सुदृढ़ करती है। इस समझौते पर ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन (डीजीपीसी) के प्रबंध निदेशक दाशो छेवांग रिनजिन और अडानी ग्रीन हाइड्रो लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी (पीएसपी और हाइड्रो) नरेश तेलगु ने थिम्पू में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे, ऊर्जा एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री ल्योनपो जेम शेरिंग और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह साझेदारी पहले से प्रगति पर चल रही 570/900 मेगावाट वांगचू जलविद्युत परियोजना पर आधारित है, जिसमें डीजीपीसी की 51 प्रतिशत और अडानी की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा अब 5000 मेगावाट की स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नई साइटों की पहचान, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तैयारी और चरणबद्ध कार्यान्वयन किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर ट्रेड मार्क की अर्जी भूल से थी, वापस ले ली गयी : रिलायंस

नयी दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' को समूह की किसी इकाई के ट्रेड मार्क के रूप में दर्ज करने का उसका कोई इरादा नहीं है और इस संबंध में भूल से लगायी गयी अर्जी वापस ले ली गयी है। रिलायंस की ओर से जारी एक बयान में आज कहा गया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की जनभावनना से जुड़ गया है और यह देश की बहादूरी का प्रतीक बन गया है।कंपनी ने कहा कि समूह की कंपनी जियो स्टूडियोज के एक कनिष्ट कर्मचारी ने बिना अनुमति के ट्रेड मार्क के लिए आवेदन कर दिया था, जिसे वापस ले लिया गया है। बयान में कहा गया, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इसके सभी हितधारकों को पहलगाम में पर्यटकों पर पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों के हमले के जवाब में भारतीय सैन्य बलों के अभियान (ऑपरेशन सिंदूर) पर असीम गर्व है। यह अभियान हमारे सशस्त्र बलों की गौरवपूर्ण उपलब्धि है और आतंकवाद के प्रति भारत के अडिग संघर्ष का प्रतीक है।

जिंदल स्टेनलेस का अंतिम तिमाही में शुद्ध लाभ 94.32 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी कंपनी जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 925 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 476 करोड़ रुपये की तुलना में 94.32 प्रतिशत अधिक है।कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक के बाद उसके प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने कहा कि मार्च 2025 में समाप्त तिमाही में कंपनी का राजस्व 10786 करोड़ रुपये रहा है जो मार्च 2024 में समाप्त तिमाही के 9521 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में 13.28 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि मार्च 2025 में समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी का एकल शुद्ध लाभ 2711 करोड़ रुपये रहा है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 2531 करोड़ रुपये की तुलना में 7.12 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 में समाप्त वित्त वर्ष में कुल राजस्व 40182 करोड़ रुपये रहा है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 38356 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में 4.76 प्रतिशत अधिक है। श्री जिंदल ने कहा ÷पिछला वित्तीय वर्ष हमारे लिए एक अहम साल रहा, जिसने हमारे घरेलू बाज़ार में मज़बूत स्थिति बनाने और हमारी आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाने के लक्ष्य को पूरा किया। इंडोनेशिया में हमारी एनपीआई सुविधा का जल्दी चालू होना, क्रोमेनी स्टील्स का पूरी तरह अधिग्रहण करना और एम1एक्सचेंज में हमारा निवेश, इन सभी ने हमारे व्यापार को मज़बूत किया है। एम1 एक्सचेंज में हिस्सेदारी ने कच्चे माल की सुरक्षा, उत्पादों में विविधता और डिजिटल नेतृत्व में एक बड़ा कदम उठाने में मदद की। जैसे-जैसे हम ग्रीन हाइड्रोजन का इस्तेमाल बढ़ाते हैं।

7.85 करोड़ की जीएसटी आईटीसी धोखाधड़ी का भंडाफोड़ ; चार्टर्ड अकाउंटेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली । वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) धोखाधड़ी पर एक बड़ी कार्रवाई में सीजीएसटी दिल्ली दक्षिण आयुक्तालय ने दक्षिण दिल्ली में लगभग 7.85 करोड़ रुपये की राशि के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावों से जुड़ी धोखाधड़ी का पर्दाफाश करते हुये एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने यहां जारी बयान में कहा कि इस मामले में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 69(1) के तहत गिरफ्तार किया गया और 07 मई 2025 को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने उसे 21 मई 2025 तक 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जांच में 80 से अधिक जीएसटीआईएन (वस्तु एवं सेवा कर पहचान संख्या) का दुरुपयोग पाया गया, जो मुख्य रूप से पालम/द्वारका क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट के ईमेल आईडी और संपर्क नंबरों से जुड़े थे। सर्कुलर ट्रेडिंग में लगे 31 जीएसटीआईएन के एक मुख्य समूह की पहचान की गई, जिसमें वस्तुओं या सेवाओं की कोई वास्तविक आपूर्ति नहीं थी।

जीएसटी घोटाले में 800 करोड़ की हेराफेरी

पश्चिम बंगाल और झारखंड में ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी

एजेंसी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल और झारखंड में जीएसटी इनवॉइस घोटाले की जांच के तहत एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी की। रांची, जमशेदपुर और कोलकाता में कुल नौ जगहों पर हुई इस कार्रवाई में फर्जी बिलों के जरिए 800 करोड़ रुपये से अधिक के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की धोखाधड़ी का पर्दाफाश हुआ है।ईडी को शक है कि आरोपित शिवकुमार देवड़ा, सुमित गुप्ता और अमित गुप्ता ने मिलकर करीब 14 हजार 325 करोड़ रुपये के फर्जी इनवॉइस जारी किए और उसका फायदा उठाकर सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया। सुमित और अमित गुप्ता के दफ्तर कोलकाता में मौजूद हैं, जहां तलाशी अभियान चलाया गया है।इस घोटाले से संबंधित जमशेदपुर के जुगसलाई निवासी व्यवसायी विक्की भालोटिया के घर पर भी ईडी की दबिश पड़ी। इससे पहले इसी प्रकरण में बबलू

जायसवाल का नाम भी सामने आ चुका है, जो पहले से ईडी के निशाने पर हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी एक संगठित रैकेट का हिस्सा थे जो सैकड़ों फर्जी कंपनियों के नाम पर कागजी लेन-देन कर रहे थे।

पैसे को रियल एस्टेट और शैल कंपनियों में लगाया गयाईडी के एक शीर्ष अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घोटाले से कमाई गई भारी रकम को रियल एस्टेट, नकद लेनदेन, शैल कंपनियों और विदेशी खातों में लगाया गया है। कई संपत्तियां भी चिन्हित की गई हैं जिन्हें मामूली मूल्य पर दिखाया गया है, जबकि उनकी वास्तविक कीमत करोड़ों में है। ईडी अब इन संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया में है। इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के तहत व्यापारी अपने खरीदे गए सामान या सेवाओं पर चुकाए टैक्स को आगे बिक्री पर चुकाए टैक्स से समायोजित कर सकते हैं। लेकिन इस मामले में आरोपितों ने ऐसा दिखाया जैसे उन्होंने भारी मात्रा में सामान खरीदा और टैक्स चुकाया, जबकि कोई वास्तविक लेनदेन हुआ ही नहीं। इस तरह फर्जी बिलों के जरिए टैक्स रिफंड का दावा किया गया। ईडी ने छापेमारी के दौरान बड़ी संख्या में दस्तावेज, डिजिटल डेटा और बैंक विवरण जब्त किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस घोटाले में कई अन्य कारोबारी और बिचौलियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

स्टार्टअप इकाइयों के लिए क्रेडिट गारंटी योजना के तहत गारंटी की सीमा दोगुनी की गयी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने स्टार्टअप इकाइयों के लिए ऋण गारंटी योजना (सीजीएसएस) में गारंटी की सीमा का विस्तार कर दोगुना करने की अधिसूचना जारी कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने योजना के तहत प्रति उधारकर्ता गारंटी कवर की सीमा को दस करोड़ रुपये से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये कर दिया है। विज्ञप्ति में कहा गया है ऋण चूक की दशा में 10 करोड़ रुपये तक की ऋण राशि के लिए गारंटी कवर की सीमा भी बढ़ाकर चूक की राशि के 85 प्रतिशत तक तथा 10 करोड़ रुपये से अधिक की ऋण राशि के लिए 75 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा 27 चैंपियन क्षेत्रों में स्टार्टअप्स के लिए वार्षिक गारंटी शुल्क (एजीएफ) को दो प्रतिशत से घटा कर एक प्रतिशत कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि

विनिर्माण और सेवा क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत इन चैंपियन क्षेत्रों की पहचान की गई है। सरकार का मानना है कि चैंपियन क्षेत्रों के लिए एजीएफ में कटौती से पहचाने गए क्षेत्रों के लिए वित्तपोषण अधिक आकर्षक हो जाएगा तथा घरेलू विनिर्माण और आत्मनिर्भरता में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

मप्र सरकार का बड़ा फैसला, कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़कर हुआ 55 प्रतिशत

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए राज्य के सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाकर 55 प्रतिशत कर दिया है। इसी माह से राज्य के सभी कर्मचारियों को इसी मई के माह से ही केन्द्र के कर्मचारियों के समान महंगाई भत्ता मिलेगा। इस संबंध में गुरुवार देर शाम राज्य शासन ने आदेश जारी किया है। इसका फायदा कर्मचारियों के साथ ही पेंशनर्स को भी मिलेगा। इसके अलावा छठवां वेतनमान पा रहे कर्मचारियों के भी महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के आदेश जारी किए गए हैं।

दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इसी महीने महंगाई भत्ता बढ़ाकर 55 फीसदी करने की घोषणा की थी। पिछली कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी भी दे दी गई थी। कैबिनेट के फैसले के बाद वित्त विभाग ने शासकीय सेवकों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते की दर में वृद्धि का आदेश जारी किया है। जारी आदेशानुसार, सातवें वेतनमान के तहत आने वाले कर्मचारियों को वर्तमान 50 फीसदी महंगाई भत्ते के स्थान पर दो चरणों में बढ़ा हुआ भत्ता मिलेगा। एक जुलाई 2024 से महंगाई भत्ता तीन प्रतिशत बढ़कर 53 फीसदी किया गया है, जिसका

भुगतान अगस्त 2024 के वेतन में होगा। इसी तरह एक जनवरी 2025 से इसमें और दो प्रतिशत की वृद्धि कर इसे कुल 55 फीसदी कर दिया जाएगा, जिसका भुगतान फरवरी 2025 के वेतन के साथ किया जाएगा।

मई 2025 से मिलेगा लाभ, एरियर पांच किश्तों में

राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि इस वृद्धि का वास्तविक लाभ 1 मई 2025 से दिया जाएगा और 1 जुलाई 2024 से 30 अप्रैल 2025 तक की एरियर राशि का भुगतान जून से अक्टूबर 2025 के बीच पांच किश्तों में किया जाएगा।

सेवानिवृत्त व दिवंगत कर्मियों को एकमुश्त भुगतान

1 जुलाई 2024 से 31 मई 2025 के बीच सेवानिवृत्त हो चुके शासकीय कर्मचारियों को एरियर की पूरी राशि का एकमुश्त भुगतान किया जायेगा। इसी तरह एक जुलाई 2024 से 31 मई 2025 की अवधि में मृत कर्मचारियों के परिजनों को एरियर की पूरी राशि एकमुश्त प्रदान की जाएगी। वहीं, एक अन्य निर्देश में कहा गया है कि 50 पैसे या उससे अधिक की राशि को अगले पूर्णांक रुपये में पूर्णांकित किया जाएगा। महंगाई भत्ते का कोई भी भाग वेतन के रूप में नहीं माना जाएगा। इस भुगतान का व्यय संबंधित विभाग के चालू वित्तीय वर्ष के स्वीकृत बजट प्रावधान से अधिक नहीं होना चाहिए।

भारत और चिली ने सीईपीए पर वार्ता के लिए संदर्भ शर्तों पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और चिली ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के लिए आधिकारिक तौर पर संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम है। इस ऐतिहासिक कदम को इन दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर भारत में चिली के राजदूत जुआन अंगुलो और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग में संयुक्त सचिव और भारतीय पक्ष की ओर से भारत-चिली सीईपीए के मुख्य वार्ताकार विमल आनंद ने विधिवत हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को दोहराया और 26 से 30 मई, 2025 को नई दिल्ली में होने वाली पहली वार्ता के दौरान सार्थक चर्चा के प्रति आशा व्यक्त की। सीईपीए का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मौजूदा पीटीए को आगे बढ़ाते हुए डिजिटल सेवाओं, निवेश

प्रोत्साहन एवं सहयोग, एमएसएमई, महत्वपूर्ण खनिजों आदि सहित कई क्षेत्रों को शामिल करना है, जिससे आर्थिक एकीकरण और सहयोग बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि भारत और चिली रणनीतिक साझेदार और करीबी सहयोगी हैं। दोनों देश उत्साहपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध साझा करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में उच्चस्तरीय यात्राओं के आदान-प्रदान से द्विपक्षीय संबंध निरंतर रूप से मजबूत हुए हैं। जनवरी, 2005 में दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग पर एक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, उसके बाद मार्च, 2006 में अधिमान्य व्यापार समझौते (पीटीए) पर हस्ताक्षर किए गए। तब से भारत और चिली के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध मजबूत बने हुए हैं और निरंतर प्रगति की दिशा में अग्रसर हैं।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना में बिहार का देश में तीसरा स्थान

एजेंसी

पटना। बिहार ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना (पीएमईजीपी) के अंतर्गत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस योजना के क्रियान्वयन में देश में बिहार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। पहले स्थान पर जम्मू-कश्मीर और दूसरे स्थान पर तमिलनाडु है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेशभर से 35 हजार 406 लोन लेने के लिए आवेदन आए। इन आवेदनों को उद्योग विभाग की तरफ से बैंक को भेजे गए, जिनमें 8 हजार 77 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत किए गए इन आवेदनों के अंतर्गत 14 हजार 899 लाख रुपये की राशि स्वीकृति प्रदान की गई है।

बिहार को पीएमईजीपी आवेदनों की जांच स्वीकृति प्रदान करने में देश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि आवेदन स्वीकृति के मामले में राज्य तीसरे स्थान पर रहा। सबसे खास बात यह रही कि बिहार ने 115 प्रतिशत की सैंक्शन दर हासिल की है, जो योजना के सफल क्रियान्वयन

को दर्शाता है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना का उद्देश्य बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है। इसके तहत उन्हें स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिए 20 लाख से 50 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। योजना में आवेदन करने के लिए व्यक्ति की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। आवेदनकर्ता की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं पास होनी चाहिए। वैसे युवा इस योजना के पात्र नहीं होंगे, जिन्होंने पूर्व में किसी सरकारी ऋण सब्सिडी का लाभ प्राप्त किया हो। इस योजना का लाभ नए प्रोजेक्ट के तहत ही खासतौर से लिया जाता है। पहले से चल रही परियोजनाओं को इसमें शामिल नहीं किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत सामान्य कोटि के लाभार्थियों को शहरी क्षेत्र में 15 प्रतिशत तथा ग्रामीण क्षेत्र में 25 प्रतिशत के अनुदान लाभ मिलता है। आरक्षित वर्ग जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, महिला, अल्पसंख्यक एवं दिव्यांगजनों को शहरी क्षेत्र में 25 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र में 35 प्रतिशत तक का लाभ दिया जाता है।

इस बाबत प्रदेश के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि पीएमईजीपी योजना के क्रियान्वयन में बिहार का देश में तीसरा स्थान आना गर्व की बात है। साथ ही यह इस बात का भी परिचायक है कि राज्य के युवा बड़ी संख्या में इससे लाभ प्राप्त करके स्वरोजगार को अपना रहे हैं। युवाओं को स्वालंबी बनाते हुए रोजगार मुहैया कराने में यह बेहद कारगर साबित हो रहा है।

एलएंडटी का तिमाही मुनाफा 22.6 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

मुंबई। बुनियादी ढांचा समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 5003.54 करोड़ रुपये के मुकाबले 22.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 6133.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसे 6133.44 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही के 5003.54 करोड़ रुपये से 22.6 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी कुल आय 68120.42 करोड़ रुपये से 10.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 75527.33 करोड़ रुपये हो गई। इस दौरान उसके कुल व्यय में भी 10.2 प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह 61792.19 करोड़ रुपये से बढ़कर 67988.09 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बताया कि 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में उसे 17687.39 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 15569.72 करोड़ रुपये के मुकाबले 13.6 प्रतिशत अधिक है। आलोच्य अवधि में उसकी कुल आय 225270.94 करोड़ रुपये से 15.4 प्रतिशत बढ़कर 259859.27 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह इस अवधि में उसका कुल व्यय भी 204847.44 करोड़ रुपये से 15.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 236755.26 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एलएंडटी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) एस. एन. सुब्रह्मण्यन ने कहा, वर्ष का समापन शानदार तरीके से हुआ, जो उत्कृष्ट प्रदर्शन की एक और अवधि को दर्शाता है।

पेट्रोल-डीजल की किल्लत को लेकर अफवाहें निराधार, इंडियन ऑयल ने कहा-देशभर में ईंधन की कोई कमी नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते देशभर में सुरक्षा को लेकर चिंता गहराती जा रही है। इस बीच सोशल मीडिया पर पेट्रोल, डीजल और गैस की संभावित कमी को लेकर अफवाहों ने लोगों में डर का माहौल पैदा कर दिया। कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखी गई। ऐसे में देश की अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने सामने आकर स्थिति स्पष्ट की है। कंपनी ने लोगों से अपील की है कि घबराएं नहीं, क्योंकि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और सप्लाई पूरी तरह सामान्य है।

इंडियन ऑयल का भरोसा: 'पूरे देश में भरपूर स्टॉक मौजूद'

इंडियन ऑयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म -(पूर्व में ट्विटर) के माध्यम से एक संदेश जारी कर

कहा कि, 'हमारे पास देशभर में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का स्टॉक उपलब्ध है। सप्लाई चैन पूरी तरह से सक्रिय है और सभी आउटलेट्स सामान्य रूप से कार्य कर रहे हैं।'कंपनी ने जनता से अपील की कि घबराकर ईंधन की खरीद न करें, क्योंकि इससे अनावश्यक भीड़ और आपूर्ति व्यवस्था पर दबाव बनता है। यदि लोग संयम बरतें और जरूरत अनुसार ही ईंधन लें, तो हम सभी को बिना रुकावट सेवाएं दे सकते हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थीं लंबी कतारें

बीते 24 घंटों में सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही अफवाहों में दावा किया जा रहा था कि जल्द ही पेट्रोल और गैस की सप्लाई बाधित हो सकती है। कुछ वीडियो में लोगों को पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों में खड़े देखा गया। यह स्थिति उस वक्त उत्पन्न हुई जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई में 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। हालांकि इंडियन ऑयल की ओर से आए इस स्पष्टीकरण के बाद स्थिति काफी हद तक साफ हो गई है और अब पैनिक बाइंग की कोई वजह नहीं बचती। इंडियन ऑयल न सिर्फ एक तेल कंपनी है, बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की रीढ़ है। इसकी क्षमता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसे भारत सरकार द्वारा 'महारत्न' का दर्जा प्राप्त है। देश में कुल 19 रिफाइनरियों में से 10 IOC के पास हैं, और इसका पेट्रोलियम मार्केट में हिस्सा करीब 47फीसदी है, जबकि तेल रिफाइनिंग में 40फीसदी। इस विशाल नेटवर्क के बल पर कंपनी पूरे देश में निर्बाध रूप से ईंधन और एलपीजी की आपूर्ति कर रही है।

देश वर्तमान में एक संवेदनशील दौर से गुजर रहा है, लेकिन ऐसे में अफवाहों से डरकर नहीं, बल्कि तथ्य पर भरोसा कर, एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने की आवश्यकता है। इंडियन ऑयल जैसी संस्थाएं पूरी क्षमता से काम कर रही हैं ताकि देश को ऊर्जा संकट से दूर रखा जा सके। ऐसे में जनता का संयम ही सबसे बड़ा सहयोग है।

भारत में एआई की वृद्धि के लिए 2030 तक 45 टीडब्ल्यूएच बिजली की जरूरत : रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग बढ़ने के साथ किफायती लागत , नवीकरणलीय ऊर्जा पर जोर और डेटा सेंटर के विकास के लिए एक रणनीतिक स्थान बनने के साथ ही वर्ष 2030 तक एआई की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 4 से 5 करोड़ वर्ग फुट रियल एस्टेट और 40 से 45 टेरावॉट बिजली की जरूरत होगी। डेलॉयट इंडिया द्वारा आज जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गयी है। इसमें कहा गया है कि भारत को वैश्विक एआई हब के रूप में स्थापित करने के लिए विशेष नीतिगत फैसले अहम होंगे। रिपोर्ट में विश्व में अग्रणी एआई रेडी ईकोसिस्टम के निर्माण के लिए भारत के लिए छह प्रमुख स्तंभो की पहचान की है। ये स्तंभ हैं रियल एस्टेट, बिजली, यूटिलिटीज इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर, कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर, टैलेंट और पॉलिसी फ्रेमवर्क।

डेलॉयट इंडिया के पार्टनर एस अंजनी कुमार ने कहा, अगर भारत अपनी एआई क्षमताओं को बढ़ाना और इससे जुडी अपनी क्षमताओं को जानना चाहता है, तो इस क्षेत्र को समर्थन देने के लिए बेहतर नीतियों की जरूरत होगी। डेटा एनालिटिक्स और प्रोसेसिंग की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत को अपना एआई-रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना चाहिए।

रुपया 68 पैसे लुढ़का

एजेंसी

मुंबई। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 68 पैसे लुढ़ककर 85.45 रुपये प्रति डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 84.77 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 16 पैसे की मजबूती के साथ 84.61 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की बिकवाली की बदौलत 84.54 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली बढ़ने से यह 85.80 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 84.77 रुपये प्रति डॉलर के मुकाबले 68 पैसे की गिरावट के साथ 85.45 रुपये प्रति डॉलर रह गया। विश्लेषकों के अनुसार, भारत-पाकिस्तान सीमा पर हालिया तनाव के कारण रुपया विदेशी मुद्रा बाजार में भारी दबाव में आ गया है, जिससे इसमें भारी गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों ने चेताया है कि यदि स्थिति और बिगड़ती है तो रुपया 86.00 रुपये प्रति डॉलर से 86.50 रुपये प्रति डॉलर के बीच के रिकॉर्ड निचले स्तरों की ओर गिर सकता है। पिछले 24 घंटों में सीमा पर ड्रोन हमलों और उनके जवाब में की गई सैन्य कार्रवाइयों की रिपोर्टों ने भू-राजनीतिक अनिश्चितता को गंभीर रूप से बढ़ा दिया है। इसका सीधा असर विदेशी निवेशकों की जोखिम लेने की भावना पर पड़ा है।

वर्ष 2024 में खाद्यान्न उत्पादन में 6.81 प्रतिशत की वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में कुल खाद्यान्न क्षेत्र में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें चावल और मक्का में प्रमुख वृद्धि देखी गयी है। समान रूप से खरीफ 2024 में कुल खाद्यान्न उत्पादन में वर्ष 2023 के खरीफ उत्पादन की तुलना में 6.81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें चावल, मक्का और ज्वार आदि फसलों में उच्च उत्पादन देखा गया है। नई दिल्ली के पूसा कैंपस स्थित अग्नि हॉल में पत्रकारों से बातचीत में राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-खरीफ 2025 अभियान में हुई चर्चा के साथ-साथ खरीफ की बुआई से पहले कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की तैयारियों व रणनीतियों के बारे में जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर सहित विभिन्न राज्यों से आए कृषि मंत्री भी उपस्थित रहे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि राज्यों के बेहतर प्रदर्शन, किसानों की मेहनत के कारण खरीफ के रकबे में

वृद्धि हुई है, वहीं खरीफ 2023-24 के दौरान चावल का क्षेत्रफल 40.73 मिलियन हेक्टेयर था, जो खरीफ 2024-25 में 43.42 मिलियन हेक्टेयर हो गया है। चावल का उत्पादन खरीफ 2023-24 में 113.26 मिलियन टन था, जो खरीफ 2024-25 में 120.68 मिलियन टन हो गया है। इसी तरह खरीफ में 2023-24 के दौरान मक्का का क्षेत्रफल 8.33 मिलियन हेक्टेयर था, जो खरीफ 2024-25 में 8.44 मिलियन हेक्टेयर हो गया और मक्के का उत्पादन खरीफ 2023-24 में 22.25 मिलियन टन था, जो खरीफ 2024-25 में 24.81 मिलियन टन हो गया है। चौहान ने कहा कि लैब टू लैंड की नीति के तहत वैज्ञानिक और किसान साथ मिलकर काम करे, इसकी बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गेहूं, चावल हमारे यहां पर्याप्त मात्रा में होता है लेकिन दलहन और तिलहन का हमें आयात करना पड़ता है। भारत सरकार ने जो दलहन मिशन शुरू किया है उसे इम्प्लीमेंट करने की बात सम्मेलन में हुई है।

उत्पादन कैसे बढ़े, इस पर भी चर्चा और ऑइल सीड के उत्पादन को बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 33 राज्यों का वार्षिक एक्शन प्लान आ गया है। 7.78 लाख हेक्टेयर में 15,560 क्लस्टर बनाए जाएंगे और 10 हजार बायो रिसोर्स सेंटर बनाए जाएंगे। 16 प्राकृतिक खेती के केंद्रों की पहचान की गई है और 3,100 वैज्ञानिकों को किसान को मास्टर ट्रेनिंग के रूप में ट्रेन किया गया है। कम से कम 18 लाख किसान प्राकृतिक खेती की शुरुआत करें।

लकीर के फकीर

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।
अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया।
उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पडीं। भेड़ जो ठहरीं!
उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।
समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।
कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मो को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओं को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, ह्रदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते हैं कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत: उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।
मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।
कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।
मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्‌गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

कर्तव्य ही सम्मान है

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नहीं थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना

हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत: ही निकला, 'सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।